


# वार्षिक विवरणी

2023-24

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल

# निदेशक का प्रतिवेदन



**प्रो. विद्याधर सुबुद्धि**
**निदेशक**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल को वर्ष 2023-2024 के लिए अपनी वार्षिक विवरण जारी करते हुए प्रसन्नता हो रही है। मुझे आपके साथ वर्ष के दौरान हमारी प्रमुख गतिविधियों, उपलब्धियों, पहलों और भविष्य की योजनाओं के मुख्य बिंदुओं को साझा करने में खुशी हो रही है। विवरण प्रस्तुत करने से पहले, मैं अपने संस्थान के बारे में कुछ शब्द कहना चाहूंगा। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल (पूर्व में क्षेत्रीय अभियांत्रिकी संस्थान वरंगल) 31 एनआईटी (आरईसी) की श्रृंखला में से पहला था जिसे 10 अक्टूबर, 1959 को स्थापित किया गया था। तब से, संस्थान अपने स्नातकों को प्रौद्योगिकी में, नेतृत्व में, दक्षताओं से परिपूरन करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में उत्कृष्टता की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है। संस्थान अपने प्रतिबद्ध संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और अत्याधुनिक सुविधाओं के लिए प्रसिद्ध है जो सकारात्मक सीखने के माहौल का समर्थन करते हैं। इसे शिक्षा मंत्रालय (पूर्व में मानव संसाधन विकास मंत्रालय), भारत सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' का दर्जा दिया गया था। आज यह देश के अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों में से एक है और जेईई मेन्स को शीर्ष स्थान रखने वाले छात्रो को आकर्षित करता है। संस्थान डीएएसए, आईसीसीआर और स्टडी इन इंडिया कार्यक्रमों के तहत अंतरराष्ट्रीय छात्रों को भी प्रवेश देता है। एनआईआरएफ 2024 रैंकिंग में, हमारे संस्थान को अभियांत्रिकी श्रेणी में 21वें स्थान और समग्र श्रेणी में 53वें स्थान पर रखा गया है। पहली बार, हम प्रबंधन श्रेणी में 100 वें स्थान पर है।

हम 11 बीटेक कार्यक्रम, 31 एमटेक कार्यक्रम और भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित में मास्टर ऑफ साइंस, एमसीए, एमबीए कार्यक्रम प्रदान करते हैं। संस्थान अभियांत्रिकी, विज्ञान, प्रबंधन और मानविकी में कई अनुसंधान क्षेत्रों में डॉक्टरेट कार्यक्रम भी प्रदान करता है। हमारे राष्ट्र के निरंतर विकसित हो रहे औद्योगिक परिदृश्य को बनाए रखने के लिए, हमने नए बीटेक और एमटेक कार्यक्रम शुरू किए हैं। विद्युत अभियांत्रिकी विभाग और रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग साथ में प्रक्रिया नियंत्रण और स्वचालन उद्योगों का समर्थन करने के लिए नियंत्रण और स्वचालन में एक नया एमटेक कार्यक्रम पेश किया। संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग ने ए आई डी एस पर एक नया बीटेक कार्यकर्म पेश किया। हमारे सीनेट ने ई-मास्टर्स कार्यक्रमों की पेशकश करने के लिए मंजूरी दे दी है- आज की तेजी से पुस्तक, प्रौद्योगिकी संचालित दुनिया में आगे रहने का प्रयास करने वाले पेशेवरों के लिए ऑनलाइन स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों का एक विशेष अनुरूप है। इन कार्यक्रमों में लचीले सीखने के तरीको और बहु-विषयक मॉड्यूल हैं, जो बौद्धिक रूप से समृद्ध और नवीनतम उद्योग रुझानों के साथ गठबंधन करने के लिए रचना किए गए हैं। एनआईटी वरंगल परिवर्तनों के माध्यम से शैक्षिक तत्परता के वातावरण को अनुकूलित करने और बढ़ावा देने के लिए हमेशा अग्रसर है।

पाठ्यचर्या सुधार राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के शैक्षिक मानक को बनाए रखने में एक प्रमुख पहल के रूप में सामने आते हैं। छात्रों को उद्योग के लिए तैयार करने के लिए हमारे सभी यूजी और पीजी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को सख्ती से संशोधित किया गया था। छात्रों के बीच नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सभी यूजी कार्यक्रमों के लिए डिजाइन थिंकिंग और उत्पाद विकास पर नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। छात्रों को लचीलापन और अधिक केंद्रित सीखने का अनुभव प्रदान करने के लिए आंशिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं, जिससे उद्योग और शिक्षाविदों के विशेषज्ञों के लिए संक्षिप्त और प्रभावी तरीके से अपने ज्ञान को साझा करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। सभी पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम को उद्योग की बढ़ती मांगों के साथ संरेखित करने के लिए सोच-समझकर अद्यतन किया गया है, जो नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एनईपी 2020 के अनुरूप, अब हम छात्रों को उनकी शैक्षणिक यात्रा में अधिक लचीलापन प्रदान करते हुए निकास

डिग्री प्रदान करते हैं। शुल्क भुगतान और सेमेस्टर पंजीकरण और परिणाम प्रसंस्करण से अधिकांश शैक्षणिक प्रक्रियाओं को एक इन-हाउस ईआरपी प्रणाली के माध्यम से मूल रूप से स्वचालित किया गया है। इसके अतिरिक्त, कुशल उपस्थिति ट्रैकिंग और सटीकता बढ़ाने के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम शुरू किए गए हैं।

मुझे यहां यह उल्लेख करते हुए खुशी हो रही है कि हमारे संस्थान का 21वां दीक्षांत समारोह 16 सितंबर, 2023 को आयोजित किया गया था। डॉ. वी. के. सारतस्व, सदस्य, नीति आयोग, भातर सरकार ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। 21वें दीक्षांत समारोह में 2034 स्नातक छात्रों को डिगरी और डिप्लोमा पर्दान किए गए। एनआईटी वरं गल की बहु-मूल्मवान डिगरी 1064 बी.टेक, 837 पीजी (एम.टेक, एम.एससी, एमबीए और एमसीए), 7 पीजी डिप्लोमा और 126 पीएचडी छात्रों को पर्दान की गई। एनआईटी वरं गल ने 10 अक्टूबर, 2023 को अपना 65वां स्थापना दिवस मनाया और इस अवसर पर सांस्थान का व्याख्यान डॉ. कोमल कपूर, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी, परमाणु ईंधन परिसर, हैदराबाद द्वारा दिया गया।

मुझे यह तबाते हुए खुशी हो रही है कि हमारे सांस्थान में अनुसांधान एवं विकास गतिविधियां तेजी से सकारा ्मक दिशा में आगे बढ़ रही हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि सांस्थान के 14 सांकाय सदस्यों ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई शीर्ष 2% विश्व शोधतर्काओं की सूची में जगह बनाई है। एनआईटी वरं गल ने छात्रों और सांकाय के बीच अनुसांधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए कई पहलों को लागू किया है। पर्भावशाली अनुसांधान का सम्मान करने के लिए, सांस्थान ने अनुसांधान उत्कृष्ट्ता पुरस्कार की शुरुआत की, जिसमें पिछले वर्ष चार सांकाय सदस्योां को पातरता दी गई थी। इस शैक्षणिक वर्ष से, पीजी और पीएचडी छात्रों के लिए सर्वशरेष्ठ शोध पर्बांध पुरस्कार स्थापित किए गए हैं। बहु-विषयक अनुसांधान को पर्ो ्साहित करने के लिए, सांस्थान ने उभतरे क्षेत्रों जैसे ड्रोन और स्वायत्त वाहनों, तसत हाइड्रोजन और ईंधन सेल, ई-मोबिलिटी और स्मार्ट गिर्ड, डिजिटल विनिर्माण में वीआर और एआर, और बुनियादी ढांचे की आईओटी आधातिर द्धस्थर्ता निगरानी जैसे उत्कृष्ट्ता के 7 केंद्रों को वित्तपोतिष किया।

सांस्थान को विभिन्न फंडिंग एजेंसियों जैसे डीएसटी, एएनआरएफ, डीआरडीओ, उद्योगों से पर्ायोतिज परियोजनाएं पर्दान की गईं, जिनमें 54.72 करोड़ रुपये शामिल हैं। विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपकर्मों और उद्योगों को परामर्श सेवाएं पर्दान करने में मह ्वपूर्ण पर्गति हुई है, जिससे 4.19 करोड़ रुपये का परामर्श परियोजना अनुदान पर्ाप्त हुआ है। एनआईटी वरं गल को इस शैक्षणिक वर्ष में 9 एसपीएआरसी परियोजनाओं और 19 जीआईएएन कार्यकर्मों के लिए मांजूरी मिली है, जो अकादमिक और अनुसांधान सहयोग के लिए एनआईटी वरं गल में विदेशी सांकाय को आमांत्रित करने का मार्ग पर्शस्त करता है। मुझे विश्वास है कि ये कार्यकर्म हमारे अनुकरणीय अनुसांधान पर अधिक पर्काश डालेंगे तथा आंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देंगे।

हमारा संस्थान विभागों में पर्भावशाली उपलब्धियों के साथ अनुसंधान उत्कृष्ट में लगातार बेंचमार्क स्थापित करना जारी रखता है। नागरिक अभियंतिरक विभाग ने दो उचच मूल्यवान परियोजना अनुदान हासिल करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। 6.37 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ जलशक्ति मंतर्ालय से "कृष्णादी बेसिन की आकलन्ति और परबंधन योजना पर अध्ययन" एक परियोजना और दूसरा भारतीय राजमार्ग अभियंतिरक अकादमी मंतरालय से "रर्ट्रीय राजमार्गों के लिए उन्नत परिवहन मॉडलिंग और सिमुलेशन" पर 2.32 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, और भारत सरकार के दूरसंचार विभाग ने इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियंतिरक विभाग को 4 करोड़ रुपये की लागत वाली 5जी यूज-केस परयोगशाला के साथ-साथ पांच आर एंड डी परियोजनाओं को मंजूरी दी। इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियंतिरक विभाग को आईसी फैब्रिकेशन और परीक्षण सुविधा योगिकियों को विकसित करने के लिए 2.3 करोड़ रुपये की एफआईएसटी परियोजना को भी मंजूरी दी गई थी।

सांगणक विज्ञान एवं अभियाांत्रिकी विभाग ने "सॉफ्टवेयर सिस्टम के सुरक्षा विश्लेषण" पर काम करने के लिए सी-डैक हैदराबाद और एनआईटी, राउरकेला के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय से 23.86 करोड़ रुपये की एक सहयोगी परियोजना हासिल की है। अन्य अभियाांत्रिकी क्षेत्रों ने भी उल्लेखनीय अनुदान पर्ाप्त किया है, जिसमें विद्र युत अभियाांत्रिकी के लिए ₹ 1.26 करोड़, धातुकर्म एवं सामगरी अभियाांत्रिकी के लिए ₹ 1.9 करोड़ और याांत्रिक अभियाांत्रिकी के लिए ₹ 85.44 लाख शामिल हैं। विज्ञान के क्षेत्र में, भौतिकी विभाग को उनके अगर्णी अन्वेषणों के लिए 1.52 करोड़ रुपये का अनुदान मिला। इसी तरह, गणित और रसायन विज्ञान विभाग को उनके उतन्न शोध के लिए कर्मशः 74 लाख रुपये और 72 लाख रुपये का अनुदान मिला। मानविकी, सामाजिक विज्ञान और पर्बांधन अध्ययन विभागों को मह ्वपूर्ण सामाजिक और सांगठना ्मक चुनौतियों का समाधान करने के

लिए प्रायोजित परियोजनाएं प्रदान की गई हैं। रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग को अभिनव परियोजनाओं पर काम करने के लिए क्रमशः 45.42 लाख और 72 लाख रुपये का एसपीएआरसी अनुदान प्राप्त हुआ।

ये मील के पत्थर हमारे संकाय और शोधकर्ताओं द्वारा उत्कृष्टता की अथक खोज के लिए एक परिचायक है, जो ज्ञान और नवाचार की सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं। संस्थान ने पिछले वर्ष में 17 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक संस्थान, अनुसंधान एवं विकास संगठन और उद्योग शामिल हैं, जो अनुसंधान सहयोग और उद्योग आउटरीच में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करते हैं। हमारे संस्थान को तेलंगाना सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवा, कृषि और परिवहन सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में एआई अनुप्रयोगों के लिए अनुसंधान एवं विकास और स्टार्ट-अप की दिशा में सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया गया है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में, संस्थान की प्रकाशन संख्या प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 583 है जो हमारे संकाय सहयोगियों और छात्रों की अनुसंधान क्षमता को प्रदर्शित करती है।

हमारे संकाय और छात्रों को इस वर्ष 29 पेटेंट दिए गए हैं और अन्य 36 आवेदन सुचिगत हैं। यह एनआईटी वरंगल के इतिहास में एक उल्लेखनीय कीर्तिमान है। संस्थान सक्रिय रूप से छात्रों को दीक्षा अनुदान प्रदान करके और उद्योग भागीदारों के साथ सहयोगी उद्यमों को बढ़ावा देकर स्टार्ट-अप शुरू करने के लिए सशक्त बना रहा है। एनआईटी वरंगल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप फाउंडेशन को नवाचार को बढ़ावा देने और स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए एक धारा 8 कंपनी के रूप में स्थापित किया गया है। व्यशायक मामलों के मंत्रालय के तहत मान्यता प्राप्त सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन में 15 स्टार्ट-अप पहले ही पंजीकृत हो चुके हैं, जो संस्थान के नवाचार और इनक्यूबेशन की यात्रा में मील के पत्थर में से एक है। एनआईटी वरंगल को मिटी जेनेसिस, जेन-नेक्स्ट, और सपोर्ट फॉर इनोवेटिव स्टार्टअप्स के तहत 1.37 करोड़ रुपये भी मंजूर किए गए हैं, जो अगले 5 वर्षों के लिए धन उपलब्ध कराएगा।

संस्थान ने उद्योगों के साथ जुड़कर और आईआईटी हैदराबाद में एक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास मेला आईइनवेनटिव -2024 में कपड़ा प्रवाह के लिए संकर अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली जैसे नवाचारों को प्रदर्शित करके उन्नत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण किया है। एनआईटी वरंगल में कुछ सबसे परिष्कृत और नवीनतम तकनीक वाले प्रयोगशाला उपकरण हैं, जो छात्रों और संकाय सदस्यों की चल रही अनुसंधान और विकास गतिविधियों की सुविधा प्रदान करते हैं। मौजूदा अनुसंधान सुविधाओं को उन्नत और मजबूत करने के लिए पिछले वर्ष में कई नवीनतम तकनीक वाले उपकरण जोड़े गए थे। कुछ उल्लेखनीय परिवर्धन में शामिल हैं, उल्टे स्वचालित माइक्रोस्कोप, पाउडर एक्स-रे विवर्तन प्रणाली, उच्च तापमान एक्स्टेंसोमीटर, डी एस पी ए सी ई माइक्रोलैब कुछ नाम हैं।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एनआईटी वरंगल ने आईएनएई के सहयोग से 16-17 नवंबर 2024 के दौरान नेशनल फ्रंटियर्स ऑफ इंजीनियरिंग एंड इनोवेशन इन मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज पर 18वीं संगोष्ठी की सफलतापूर्वक मेजबानी की। आईएनएई से उच्च प्रशंसा अर्जित करना और अभियांत्रिकी प्रगति का प्रदर्शन करने के लिए यह हमारे लिए गर्व का क्षण था ।

कैंपस प्लेसमेंट छात्रों के भविष्य को आकार देने के लिए उद्योग के अवसरों के साथ शैक्षिक उत्कृष्टता को पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उद्योगों में गंभीर गिरावट के बावजूद अच्छे कैंपस प्लेसमेंट में हमारी सफलता वास्तव में प्रेरणादायक है। पिछले शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में हमारे कैंपस प्लेसमेंट में आकर्षक वेतन पैकेज के साथ यूजी और पीजी छात्रों के प्लेसमेंट की कीर्तिमान संख्या देखी गई। 1437 छात्रों में से 1103 छात्र दुनिया भर की प्रतिष्ठित कंपनियों से प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त करने में सफल रहे हैं। 300 विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित कंपनियों ने हमारे छात्रों का चयन करने के लिए हमारे परिसर का दौरा किया है। थॉट स्पॉट कंपनी ने 88 लाख रुपये सालाना का उच्चतम वेतन संकुल प्रस्ताव किया था। इस साल भी, कैंपस प्लेसमेंट और इंटर्नशिप एक उच्च  स्तर पर शुरू हुए। मैं सीसीपीडी के प्रमुख और उनकी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं।

पिछले एक साल में, संस्थान ने पूरे परिसर में स्वच्छता और स्वच्छता बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। परिसर को व्यापक वृक्षारोपण, बेहतर पैदल रास्ते, भाभा और गोखले हॉल के नवीनीकरण के साथ एक हरे भरे स्थान में बदल दिया गया है। संस्थान ने एक नए सबस्टेशन का निर्माण शुरू किया है। एक अत्याधुनिक अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा स्थापित की गई है। परिसर स्थिरता पहल के लिए एक प्रयोगशाला और एक केंद्र दोनों के रूप में सेवा करते हुए, इसका उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं और अनुसंधान को आगे बढ़ाना है।

शैक्षणिक, छात्रावास और आवासीय क्षेत्रों में सड़कों की ब्लैकटॉपिंग ने सौंदर्य रूप को काफी बढ़ा दिया है। एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर संस्थान स्वास्थ्य केंद्र का पूरा होना है, जो परिसर समुदाय को उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। पहले चरण में दूसरे गेट से पोस्ट ऑफिस तक पैदल मार्ग का विकास पूरा हो चुका है। 304 सीटों वाले महिला छात्रावास का निर्माण कार्य अच्छी तरह से प्रगति पर है। बोर्ड द्वारा 560 और छात्रों को रखने के लिए एक अतिरिक्त महिला छात्रावास की योजना को मंजूरी दे दी गई है। संस्थान के पास बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक भविष्य की योजना है, जिसमें एक व्याख्यान कक्ष परिसर और संकाय और कर्मचारियों के लिए आवासीय गृह का निर्माण शामिल है। 2,500 सीटों वाला रंगमंच  एक नई कैंटीन और सभागार का नवीनीकरण शुरू होने वाला है। महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने के लिए आईपी फोन प्रणाली शुरू करने की योजना भी बनाई गई है।

भारत सरकार ने स्थिरता को बढ़ावा देने और वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित करने के लिए कई पहल और परियोजनाएं शुरू की हैं। मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) पहल के हिस्से के रूप में, संस्थान (i) जल और अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों और (ii) ऊर्जा, स्वास्थ्य-शैली और पर्यावरणीय गतिविधियों को शुरू करके एक स्थायी परिसर की दिशा में काम कर रहा है। संस्थान में परिसर के भीतर, विभिन्न स्त्रोतों से उत्पन्न ठोस जैविक, अपशिष्ट का उपचार करने के लिए एक बायोगैस डाइजेस्टर भी है। इन पहलों के माध्यम से, संस्थान पर्यावरणीय स्थिरता, ऊर्जा दक्षता और वैज्ञानिक समाधानों के माध्यम से शून्य-अपशिष्ट परिसर होने के लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है।

पिछले वर्ष संकाय भर्ती के दो दौर पूरे हो चुके हैं और पहले दौर में कुल 37 संकाय सदस्यों और दूसरे दौर में 47 संकाय सदस्यों की भर्ती की गई है। संस्थान के संचालन के साथ नए भर्ती सदस्यों को परिचित करने के लिए संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर जोर दिया गया था।

संस्थान ने अपने कर्तव्यों के प्रदर्शन में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए कर्मचारी पुरस्कार शुरू किए हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे 13 कर्मचारियों को उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। कर्मचारियों की समय पर पदोन्नति सुनिश्चित करने के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों की नियमित बैठकें भी होती हैं। हाल ही में हमने 10 अशैक्षिक कर्मचारियो की भर्ती की।

संगणक अवसंरचना और डिजिटल गवर्नेंस प्रौद्योगिकी के लिए सुरक्षित, कुशल और न्यायसंगत पहुंच को सक्षम करने, नवाचार को बढ़ावा देने और तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल परिदृश्य में डिजिटल संसाधनों के जिम्मेदार प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। संस्थान सेंटर फॉर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज कंप्यूटिंग सुविधाओं को लगातार उन्नत कर रहा है। उच्च गति इंटरनेट संयोजकता बढ़ाने के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल बिछाई गई हैं। एनआईटी वरंगल ने प्रभावी और पारदर्शी शासन के लिए नवंबर, 2023 से ई-ऑफिस प्रणाली शुरू की है, जो प्रशासनिक प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण और डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

हमारे पूर्व छात्रों ने विभिन्न तरीकों से संस्थान में बहुत योगदान दिया है। मैं श्री एन वेणु और उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालना चाहूंगा। सरकार ने विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में एक उच्च स्तरीय स्मार्ट ग्रिड प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए मैसर्स हिताची के साथ एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अतिरिक्त, हिताची एनर्जी ने अपनी सीएसआर गतिविधियों के हिस्से के रूप में दो 13-सीटर इलेक्ट्रिक वाहन दान किए हैं। मैं इस अवसर पर इस वर्ष के सर्वाधिक प्रतिष्ठित विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अत्यधिक निपुण सात पूर्व विद्यार्थियों को बधाई देता हूं। ये पुरस्कार विजेता प्रो मुम्मदी वीराचारी, प्रो शमशेर बहादुर सिंह, डॉ जे आर जोशी, डॉ एस ग्लोरी स्वरूपा, श्री नागार्जुन वेन्ना, श्री छत्रपति शिवाजी मुक्तावरम और सुश्री बिसोया लोइटोंगबम हैं। मुझे यह उल्लेख करते हुए खुशी हो रही है कि इस वर्ष संस्थान परिसर में कई पूर्व छात्र पुनर्मिलन आयोजित किए गए हैं। 15 से 18 मार्च 2024 तक काठमांडू, नेपाल में एक अंतर्राष्ट्रीय पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया था। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारे सम्मानित पूर्व छात्रों के उदार योगदान से 2.30 करोड़ रुपये का एक अक्षय निधि स्थापित किया गया है। मैं इस अवसर पर अपने सभी पूर्व छात्रों को उनके अटूट समर्पण और उनके अल्मा मेटर के समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

छात्र गतिविधियां, जो मुझे विश्वास है कि परिसर के जीवन का एक अभिन्न अंग हैं, जो हमारे छात्र समुदाय के उत्साह, रचनात्मकता और नेतृत्व को दर्शाती हैं। हमारे संस्थान में एक जीवंत छात्र समुदाय है जो परिसर के भीतर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता है। स्प्रिंगस्प्री, प्रमुख सांस्कृतिक उत्सवों में से एक हमारे छात्रों द्वारा 5 से 7 अप्रैल 2024 तक आयोजित किया गया था। पूरे देश के हजारों छात्रों ने उत्सव में भाग लिया। टेक्नोज़ियन, वार्षिक तकनीकी उत्सव 19 से 21 जनवरी 2024 तक आयोजित किया गया था।

हमारी खेलकूद टीम ने अखिल भारतीय इंटर एनआईटी टूर्नामेंट में 4 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य पदक जीतकर उपविजेता स्थान हासिल किया। एनआईटी वरंगल गर्ल्स टीम ने एनआईटीके सुरथकल द्वारा आयोजित ऑल इंडिया इंटर एनआईटी हैंडबॉल टूर्नामेंट में रनर अप स्थान हासिल किया। यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के 20 छात्रों के एक समर्पित समूह टीम मेक्सहॉस्टर्स ने प्रतिष्ठित सुप्रा एसएई इंडिया 2024 प्रतियोगिता में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। अंतिम वर्ष की बीटेक की छात्रा रुचा वाघ को एलआईआरआईएस सीएनआरएस प्रयोगशाला, फ्रांस में समर रिसर्च इंटर्नशिप करने के लिए एक प्रतिष्ठित चारपक लैब छात्रवृत्ति 2024 मिली। बीटेक अंतिम वर्ष की छात्रा निकोल एस्तेर डकुन्हा को प्रैट एंड व्हिटनी द्वारा आयोजित मेचौरा 2024 प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला।

जय हिंद !

## विषय-सूची


| भाग-I | | | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|---|
| | निदेशक का प्रतिवेदन | ..... | I |
| | विषय-सूची | ..... | VI |
| 1. | प्रशासन | ..... | 1 |
| 2. | एनआईआरएफ और टीएचई श्रेणी | ..... | 10 |
| 3. | शैक्षणिक कार्यक्रम | ..... | 11 |
| 4. | संकाय सूचना | ..... | 16 |
| 5. | छात्र गतिविधियाँ | ..... | 20 |
| 6. | अनुसंधान, नवाचार एवं उद्भवन | ..... | 31 |
| 7. | अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं पूर्व छात्र गतिविधियों | ..... | 56 |
| 8. | नियोजन विवरण | ..... | 57 |
| 9. | केंद्रीय पुस्तकालय | ..... | 58 |
| 10. | जैव प्रौद्योगिकी | ..... | 64 |
| 11. | रासायनिक अभियांत्रिकी | ..... | 68 |
| 12. | रसायन विज्ञान | ..... | 73 |
| 13. | नागरिक अभियांत्रिकी | ..... | 77 |
| 14. | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | ..... | 86 |
| 15. | विद्युत अभियांत्रिकी | ..... | 93 |
| 16. | इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | ..... | 99 |
| 17. | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | ..... | 105 |
| 18. | प्रबंधन विद्यालय (प्रबंधन अध्ययन विभाग) | ..... | 107 |
| 19. | गणितशास्त्र | ..... | 109 |
| 20. | यांत्रिक अभियांत्रिकी | ..... | 112 |
| 21. | धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी | ..... | 120 |
| 22. | भौतिक विज्ञान | ..... | 124 |
| 23. | केंद्रीय अनुसंधान उपकरण सुविधा | ..... | 128 |
| 24. | नई सुविधाएं | ..... | 130 |
| 25. | परिसर अवसरंचना | ..... | 131 |
| 26. | संगणन एवं अंकदर्शी पालन | ..... | 133 |
| | | | |
| **भाग -II** | **लेखापरीक्षा विवरण एवं वार्षिक लेखा** | ..... | 134 |

**आगंतुक**



**श्रीमती द्रौपदी मुर्मू**
**भारत की राष्ट्रपति**

**शासन मंडल**



**प्रो. विद्याधर सुबुद्धि**
प्रभारी अध्यक्ष, शासन मंडल, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वरंगल



**सुश्री सौम्या गुप्ता, आईएएस** संयुक्त सचिव
शिक्षा मंत्रालय नई दिल्ली



**श्री संजोग कपूर**
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली



**प्रो बी.एस.मूर्ति**
निर्देशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद, कंडी, संगारेड्डी



**श्री आई. अशोक कुमार रेड्डी**
सह आचार्य
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल (10.09.2023 तक)



**प्रो एन.वी. उमामहेश**
नागरिक अभियांत्रिकी विभाग
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल (31.10.2023 तक)



**प्रो.के. मधु मूर्ति**
आचार्य (एचएजी),
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल (01.11.2023 से)



**श्री जी आर के गुप्ता**
सह आचार्य
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल (27.09.2023 से 31.05.2024 तक)

| | | |
|---|---|---|
| <br>**प्रो एस.के.एल.वी.**<br>सह आचार्य<br>इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग<br>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वरंगल<br>(01.06.2024 से) | <br>**प्रो सीएसआरके प्रसाद**<br>प्रभारी कुल सचिव<br>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान<br>वरंगल<br>(03.12.2023 तक) | <br>**प्रो एन वी उमामहेश**<br>प्रभारी कुल सचिव<br>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान<br>वरंगल<br>(04.12.2023 से) |

## वित्त समिति

**प्रो. विद्याधर सुबुद्धि**
प्रभारी अध्यक्ष
वित्त समिति
निदेशक, एनआईटी वरंगल

**सदस्य**

| | | |
|---|---|---|
| सुश्री सौम्या गुप्ता, आईएएस<br>संयुक्त सचिव<br>शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | श्री एस संजोग कपूर<br>संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार<br>शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार<br>नई दिल्ली (24.02.2023 से) | प्रो एन वी उमामहेश<br>नागरिक अभियांत्रिकी विभाग,<br>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान<br>वरंगल (31.10.2023 तक) |
| प्रो.के. मधु मूर्ति<br>आचार्य (एचएजी)<br>यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग,<br>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान<br>वरंगल (01.11.2023 से) | प्रो सीएसआरके प्रसाद<br>प्रभारी कुल सचिव<br>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल<br>सदस्य-सचिव<br>(दिनांक 24.05.2023 से 03.12.2023 तक) | प्रो एन वी उमामहेश<br>प्रभारी कुल सचिव<br>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल<br>सदस्य-सचिव<br>(04.12.2023 से) |

## भवन एवं निर्माण समिति

प्रो. विद्याधर सुबुद्धि
अध्यक्ष
निदेशक, एनआईटी वरंगल

**सदस्य**

श्री अशोक कुमार खटुआ
मुख्य अभियंता, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, सुल्तान बाजार, हैदराबाद

श्री के किशन
मुख्य महाप्रबंधक (ओपीएन-द्वितीय) (विद्युत), टीएसएनपीडीसीएल, वरंगल

प्रो पी रतीश कुमार
डीन (योजना और विकास), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वरंगल

श्री अनिल कुमार
निदेशक (वित्त), एकीकृत वित्त प्रभाग शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

श्रीमती वीणा डुंगा
उप सचिव, (एनआईटी, बीपी और आईएसबीएन)
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री आई. अशोक कुमार रेड्डी
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग (आचार्य)
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वरंगल।
(10.09.2023 तक)

श्री जी आर के गुप्ता
सह आचार्य,
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वरंगल
(27.09.2023 से 31.05.2024 तक)

प्रो एस.के.एल.वी.
सह आचार्य
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वरंगल
(01.06.2024 से)

प्रो सीएसआरके प्रसाद
प्रभारी कुल सचिव
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल
(दिनांक 24.05.2023 से 03.12.2023 तक)

प्रो एन वी उमामहेश
प्रभारी कुल सचिव
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल
(04.12.2023 से)

## संका**याध्यक्ष**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो ए सरत बाबू | **संका**याध्यक्ष (शैक्षिक) |
| 2. | प्रो डी. श्रीनिवासाचार्य | **संका**याध्यक्ष (छात्र कल्याण) |
| 3. | प्रो पी रतीश कुमार | **संका**याध्यक्ष (योजना और विकास) |
| 4. | प्रो वी टी सोमशेखर | **संका**याध्यक्ष (अनुसंधान एवं विकास) |
| 5. | प्रो ए वेणु विनोद | **संका**याध्यक्ष (संकाय कल्याण) |
| 6. | प्रो डी. रामसेशु | **संका**याध्यक्ष (अंतर्राष्ट्रीय संबंध और पूर्व छात्र मामले) |

## **विभागों के प्रमुख**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. प्रकाश सौदागर | जैव प्रौद्योगिकी |
| 2. | प्रो टी डी गुनेश्वर राव | नागरिक अभियांत्रिकी |
| 3. | प्रो आर पद्मावती | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी |
| 4. | प्रो डी. काशीनाथ | रसायन विज्ञान |
| 5. | प्रो पी वेंकट सुरेश | रासायनिक अभियांत्रिकी |
| 6. | प्रो. बी. एल.नरसिम्हा राजू | विद्युत अभियांत्रिकी |
| 7. | प्रो डी. वकुला | इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी |
| 8. | प्रो वी सुरेश बाबू | यांत्रिक अभियांत्रिकी |
| 9. | प्रो एन किशोर बाबू | धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी |
| 10. | प्रो ए बेनर्जी बाबू | गणितशास्त्र |
| 11. | प्रो टी वेंकटप्पा राव | भौतिक विज्ञान |
| 12. | प्रो आर ध्यानीति | शारीरिक शिक्षा |
| 13. | प्रो वी रमा देवी | प्रबंधन विद्यालय |
| 14. | प्रो के. माधवी | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान |

**मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) प्रभारी (अंशकालिक)**

प्रो ए वेणु गोपाल
आचार्य (एचएजी)

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

## संस्थान की प्रशासनिक समितियां

| क्र.सं. | समिति | सदस्य | भूमिका |
|---|---|---|---|
| 1 | सांकयाध्यक्ष और विभागाध्यक्षों की समिति | अध्यक्ष: निदेशक<br>सदस्य: सभी सांकयाध्यक्ष और अकादमिक प्रमुख | संस्थान के नियमित प्रशासनिक मुद्दों से संबंधित नीतिगत निर्णय लेने और समीक्षा करने के लिए। |
| 2 | संस्थान मामलों की समिति | अध्यक्ष: निदेशक<br>सदस्य: सभी प्रशासनिक प्रमुख | वैधानिक समिति के निर्णयों के कार्यान्वयन की दिशा में प्रगति की समीक्षा करना |
| 3 | संस्थान अवसंरचना समिति | अध्यक्ष: डीन (पीडी)<br>सदस्य: एसई, ईएमयू<br>पीआईसी (सिविल)<br>पीआईसी (अवसरंचना)<br>मुख्य संरक्षक | मौजूदा बुनियादी ढांचे के रखरखाव का सुझाव देना और भविष्य के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रस्ताव करना |
| 4 | आंतरिक शिकायत समिति | अध्यक्ष: महिला आचार्य<br>सदस्य: निदेशक द्वारा नामित | यौन उत्पीड़न की शिकायत पर जांच प्राधिकारी के रूप में कार्य करना<br>यह सुनिश्चित करने के लिए कि पीड़ितों और गवाहों को उनकी शिकायत के कारण पीड़ित या भेदभाव नहीं किया जाता है<br>लैंगिक मुद्दों पर संस्थान के कर्मचारियों, छात्रों और संकाय सदस्यों को संवेदनशील बनाने की दिशा में सक्रिय उपाय करना |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5 | रणनीतिक योजना और कार्यान्वयन समिति | अध्यक्ष निदेशक<br>सदस्य: डीन, वरिष्ठ आचार्य, दो प्रतिष्ठित पूर्व छात्र और निदेशक द्वारा नामित अन्य संकाय सदस्य | संस्थान के विकास के लिए रणनीतिक योजनाओं को औपचारिक रूप देने और उसी के कार्यान्वयन के लिए |
| 6 | स्थान आवंटन समिति | अध्यक्ष (वरिष्ठ आचार्य) और निदेशक द्वारा नामित सदस्य | उपलब्ध स्थान की समीक्षा करना और स्थान आवंटन के लिए सिफारिशें प्रदान करना |
| 7 | शिकायत समितियां | 1. संकाय<br>2. स्टाफ़<br>3. छात्रों<br>प्रत्येक समिति में एक अध्यक्ष और निदेशक द्वारा नामित सदस्य होते हैं | ये 3 समितियां संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की शिकायतों का निवारण करने के लिए |

## छात्रावास प्रशासन

| क्र.सं. | नाम | पदनाम |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. अब्दुल अज़ीम, भौतिक विज्ञान विभाग | मुख्य संरक्षक |
| 2. | प्रो. सौरभ रॉय, भौतिक विज्ञान विभाग | उप मुख्य संरक्षक |
| 3. | प्रो एस मुरली मोहन, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग | उप मुख्य संरक्षक |
| 4. | प्रो पी अंबुमती, जैव प्रौद्योगिकी विभाग | उप मुख्य संरक्षक |
| 5. | प्रो संजय कुमार पांडा, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 6. | प्रो मुकुल प्रधान, रसायन विज्ञान विभाग | संरक्षक |
| 7. | प्रो पेरुगु श्याम, जैव प्रौद्योगिकी विभाग | संरक्षक |
| 8. | प्रो सी एच वी. रामा राव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 9. | प्रो रमेश बाबू, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 10. | प्रो स्वाति डी, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 11. | प्रो मनीष पांडे, नागरिक अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 12. | प्रो ई सुरेश बाबू, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 13. | प्रो ई सत्यनारायण, गणितशास्त्र विभाग | संरक्षक |
| 14. | प्रो राम्या अरागा, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 15. | प्रो संध्या एम, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 16. | प्रो सौम्या लिप्सा रथ, जैव प्रौद्योगिकी विभाग | संरक्षक |
| 17. | प्रो सूर्य कांत घोष, भौतिक विज्ञान विभाग | संरक्षक |
| 18. | प्रो संजीत बिस्वास, नागरिक अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 19. | प्रो श्रीनिवास जांगिली, गणितशास्त्र विभाग | संरक्षक |
| 20. | प्रो के अनिल नाइक, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 21. | प्रो इलैया कावती, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 22. | प्रो रामलिंगस्वामी चेरुकु, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 23. | प्रो राम कृष्ण, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 24. | प्रो मोहम्मद नवाब आलम, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |

| | | |
|---|---|---|
| 25. | प्रो त्रिवेणी प्रसाद शुक्ल, गणितशास्त्र विभाग | संरक्षक |
| 26. | प्रो राहुल थांगेड़ा, प्रबंधन विद्यालय | संरक्षक |
| 27. | प्रो मंजूबाला बीसी, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |
| 28. | प्रो श्रीनागलक्ष्मी नाममी, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग | संरक्षक |

## कुल सचिव अनुभाग

| क्र.सं. | नाम | पदनाम |
|---|---|---|
| 1. | प्रो एन.वी. उमामहेश | प्रभारी कुल सचिव |
| 2. | श्री पी अशोक कुमार | वरिष्ठ निजी सहायक, कुल सचिव कार्यालय |
| 3. | श्री देवकते गजानन वेंकट | सहायक कुल सचिव, निदेशक कार्यालय |
| 4. | श्री सौमेन कर्माकर | उप कुल सचिव, प्रशासन |
| 5. | श्री पी कृष्ण चैतन्य | सहायक कुल सचिव, प्रशासन |
| 6. | श्री विजय अनवरथम सी | उप कुल सचिव, वित्त एवं लेखा |
| 7. | श्री एन. नागराजू | सहायक कुल सचिव, वित्त एवं लेखा |
| 8. | श्री के अशोक | सहायक कुल सचिव, वित्त एवं लेखा (आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ) |
| 9. | श्री वी उपेंदर | सहायक कुल सचिव, खरीद एवं भण्डारण |
| 10. | श्री टी. श्रीनिवास | सहायक कुल सचिव, परीक्षा |
| 11. | श्री आदेश श्रीवास्तव | सहायक कुल सचिव, एसआरआईसी |

## एनआईआरएफ और टी एच ई श्रेणी

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), भारत सरकार द्वारा विकसित एक प्रणाली है जो शिक्षा मंत्रालय द्वारा रचना किए गए कुछ मानदंडों के आधार पर भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक करने के लिये विकसित की गई है। एनआईआरएफ को 29 सितंबर 2015 को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा लॉन्च किया गया था। यह ढांचा देश भर के संस्थानों को श्रेणीबद्ध करने के लिए एक पद्धति की रूपरेखा तैयार करता है। यह कार्यप्रणाली विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों की श्रेणीयो के लिए व्यापक मानदंडों की पहचान करने के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित मुख्य समिति द्वारा समग्र सिफारिशों से ली गई है। मोटे तौर पर (i) शिक्षण, अधिगम और संसाधन, (ii) अनुसंधान और व्यावसायिक अभ्यास, (iii) स्नातक परिणाम, (iv) आउटरीच और समावेशिता और (v) धारणा, को आवरण करते हैं। प्रत्येक संस्थान को इन श्रेणियों में उसके प्रदर्शन के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जाता है, और श्रेणिया प्रत्येक वर्ष प्रकाशित की जाती है। एनआईआरएफ श्रेणी 2024 के 9वें संस्करण के परिणाम की घोषणा माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 12 अगस्त, 2024 को की। एनआईटी वरंगल ने वर्ष 2024 में कुल मिलाकर अभियांत्रिकी श्रेणी में इक्कीसवां स्थान, एवं प्रबंधन में सौवां स्थान हासिल किया।

एनआईआरएफ

| **श्रेणी \ वर्ष** | **2020** | **2021** | **2022** | **2023** | **2024** |
|---|---|---|---|---|---|
| कुल मिलाकर | 46 | 59 | 45 | 53 | 53 |
| अभियांत्रिकी | 19 | 23 | 21 | 21 | 21 |
| प्रबंधन | | | | | 100 |

टीएचई (टाइम्स हायर एजुकेशन)

टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में 1,907 देशों और क्षेत्रों के 108 विश्वविद्यालय शामिल हैं। श्रेणी पद्धति में 18 सावधानीपूर्वक कैलिब्रेटेड प्रदर्शन संकेतक शामिल हैं जो पांच क्षेत्रों में संस्थान के प्रदर्शन को मापते हैं: शिक्षण, अनुसंधान परिवेश, अनुसंधान गुणवत्ता, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण।

| **श्रेणी \ वर्ष** | **2020** | **2021** | **2022** | **2023** | **2024** |
|---|---|---|---|---|---|
| विश्व | | | | | 1001-1200 |
| एशिया | | | | | 351-400 |

## शैक्षणिक कार्यक्रम

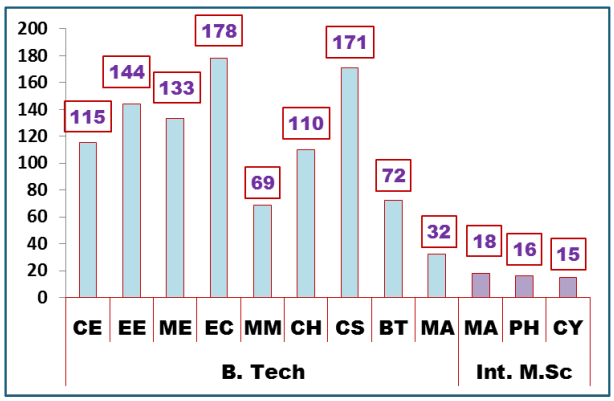
एनआईटी वरंगल में शैक्षणिक कार्यक्रमों को उनकी कठोरता और उत्कृष्टता के लिए अच्छी तरह से माना जाता है, जो अभियांत्रिकी, विज्ञान और प्रबंधन में विषयों की एक विविध सारणी को पूरा करता है। इन कार्यक्रमों को प्रतिभा और नवाचार का पोषण करने के लिए रचना किया गया है, जिससे छात्रों को सामाजिक प्रगति में योगदान करते हुए अपने पेशेवर वृत्ति में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद मिलती है। संस्थान में स्नातक कार्यक्रम वर्तमान उद्योग की जरूरतों के आधार पर व्यापक इंजीनियरिंग और पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करता है। पाठ्यक्रम में संस्थान स्तर पर मूल पाठ्यक्रम, पेशेवर ऐच्छिक और खुले ऐच्छिक शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, स्नातक कार्यक्रम सम्मान की पेशकश करते हैं, जिससे छात्रों को अतिरिक्त प्रत्यक्ष पत्र अर्जित करने की अनुमति मिलती है।

संस्थान के सभी शैक्षणिक विभाग अपने संबंधित क्षेत्रों में सम्मान प्रदान करते हैं, विशिष्ट पाठ्यक्रम और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए आवश्यक हैं। स्नातक स्तर पर, एनआईटी वरंगल ने देश की औद्योगिक मांगों को पूरा करने के लिए गणित और  संगणन के साथ-साथ वीएलएसआई डिजाइन और प्रौद्योगिकी में 4 साल का बी टेक कार्यक्रम शुरू किया है। समस्या को सुलझाने के कौशल, रचनात्मकता और उद्यमशीलता की मानसिकता को बढ़ाने के लिए, एनआईटी वरंगल सभी स्नातक कार्यक्रमों में एक डिजाइन थिंकिंग कोर्स शामिल करता है, जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों में फायदेमंद है। एनआईटी वरंगल मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम टेक), मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी/एमएससी टेक), मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) और मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) सहित कई स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। इसके अलावा, संस्थान अभियांत्रिकी, विज्ञान, मानविकी और प्रबंधन सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला में पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। ये कार्यक्रम अत्याधुनिक अनुसंधान पर जोर देते हैं, नवाचार को बढ़ावा देते हैं, और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करते हैं। शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षा मंत्रालय (एम ओ ई) से वित्त पोषण के साथ एन आई टी वरंगल में एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) केंद्र की स्थापना की जा रही है।

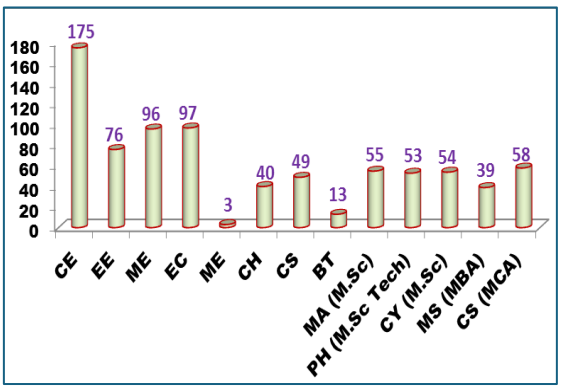
केंद्र उच्च शिक्षा विषयों में नए स्नातक शिक्षकों, इन-सर्विस शिक्षकों और इच्छुक शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और पाठ्यक्रम प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में उनके शिक्षण कौशल और दक्षता को बढ़ाना है, जैसे कि ई-लर्निंग सामग्री विकसित करना, ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करना, पाठ्यक्रम बनाना और शिक्षाशास्त्र में अनुसंधान करना।

## छात्रों का प्रवेश विवरण: शैक्षणिक वर्ष 2023-24

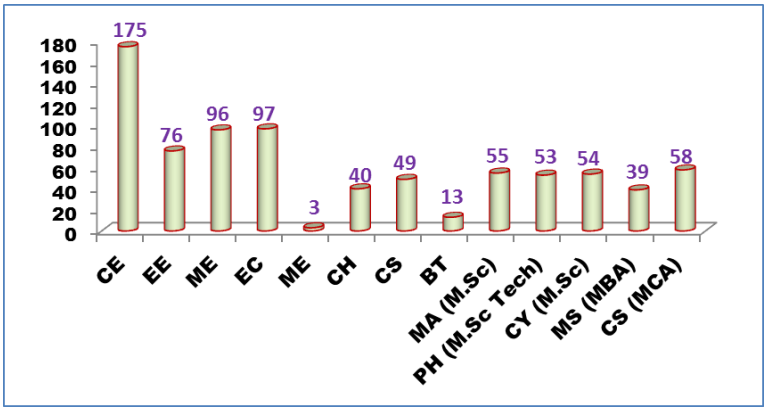
### 1. बीटेक छात्र विभागवार




### 2. पीजी छात्र विभागवार




### 3. शोध छात्र विभागवार

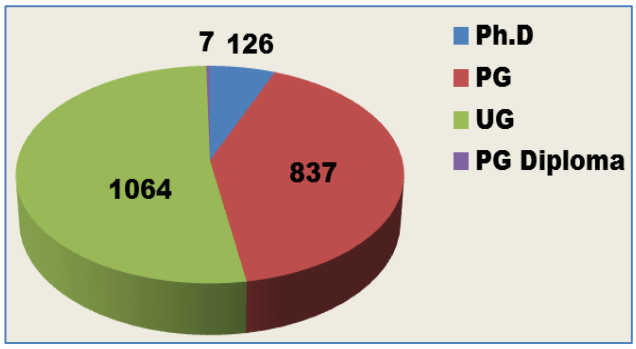


## 21वां दीक्षांत समारोह
## (16 सितंबर 2023)

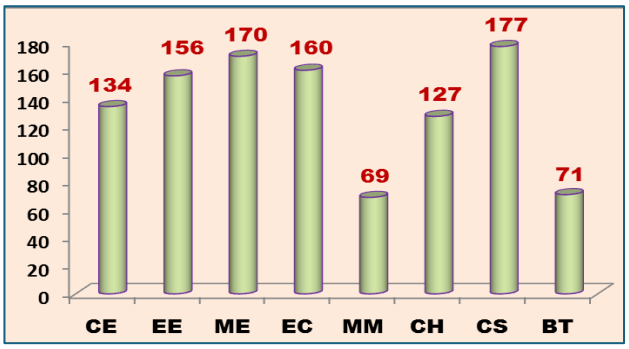
हमारे संस्थान का 21वां दीक्षांत समारोह 16 सितंबर, 2023 को आयोजित किया गया था। डॉ. वी. के. सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग, भारत सरकार ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।



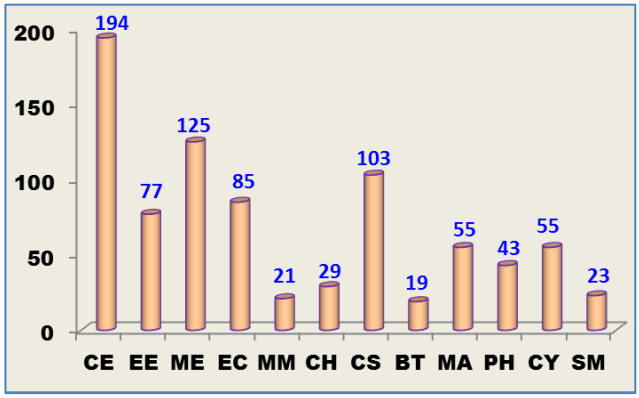

### 1. स्नातक छात्रों की संख्या



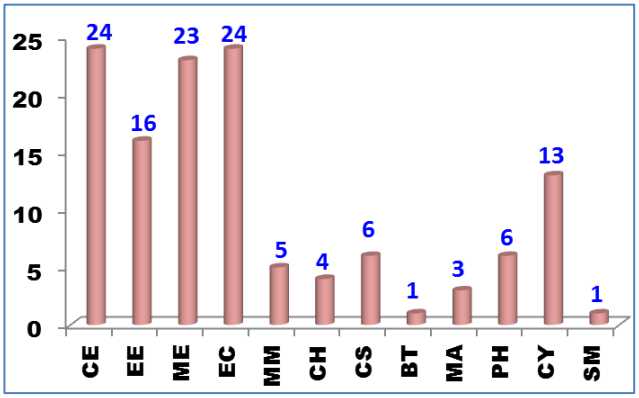

### 2. स्नातक बीटेक छात्रों की संख्या




### 3. स्नातक पीजी छात्रों की संख्या




### 4. पीएचडी छात्रों की संख्या



## शैक्षणिक सहायता केंद्र

| क्र.सं. | केंद्र का नाम | कर्मचारी का नाम | पदनाम |
|---|---|---|---|
| 1. | डिजिटल अवसंरचना और सेवाओं के लिए केंद्र (सीडीआईएस) | प्रो रश्मि रंजन राउत | प्रमुख |
| | | श्री पी. भार्गव रेड्डी | वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी |
| | | श्री बनोथु कृष्णा प्रसाद | वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी |
| | | श्री डी. गोविंद राव | तकनीकी अधिकारी |
| | | श्री सुदीप्त मन्ना | तकनीकी अधिकारी |
| 2. | पुस्तकालय | प्रो आनंद किशोर कोला | अध्यक्ष, पुस्तकालय प्रबंधन समिति |
| | | डॉ. के. वीरंजनेयुलु | पुस्तकालयाध्यक्ष |
| | | डॉ. इरन्ना एम. शेट्टार | उप पुस्तकालयाध्यक्ष |
| | | श्री जी बालकृष्ण | सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष |
| 3. | वृत्ति योजना और विकास के लिए केंद्र (सीसीपीडी) | प्रो जोसेफ डेविडसन एम | प्रमुख |
| 4. | छात्र गतिविधि केंद्र (एस ए सी) | प्रो हरि कृष्ण पी | अध्यक्ष |
| | | प्रो पी हरि प्रसाद रेड्डी | उपाध्यक्ष |
| | | प्रो मुरलीधर पुल्लाकंडम | उपाध्यक्ष |
| 5. | खेल गतिविधियों के लिए केंद्र (सीएसए) | प्रो आर रवि कुमार पी | प्रमुख |
| | | प्रो धायनिथि | आचार्य |
| | | प्रो मधुसूदन रेड्डी पी. | आचार्य |

## नई नियुक्तियां (2023)

### संकाय नियुक्तियां

| क्र.सं. | नाम | पदनाम | विभाग |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रो जीव दास | सहायक आचार्य ग्रेड II | नागरिक अभियांत्रिकी |
| 2. | प्रो वसुधा दत्तात्रेय कटारे | सहायक आचार्य ग्रेड II | नागरिक अभियांत्रिकी |
| 3. | प्रो लीला मनोहर एशाला | सहायक आचार्य ग्रेड II | रासायनिक अभियांत्रिकी |
| 4. | प्रो फणीकुमार पेंत्याला | सहायक आचार्य ग्रेड II | रासायनिक अभियांत्रिकी |
| 5. | प्रो निधि सोनकर | सहायक आचार्य ग्रेड II | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी |
| 6. | प्रो शिवदर्शन एसएल | सहायक आचार्य ग्रेड II | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी |
| 7. | प्रो मनीष कुमार बाजपेई | सह आचार्य | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी |
| 8. | प्रो वेंकन्ना उदुथलापल्ली | सह आचार्य | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी |
| 9. | प्रो तपन कुमार साहू | सहायक आचार्य ग्रेड II | संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी |
| 10. | प्रो विजय चोयल | सहायक आचार्य ग्रेड II | यांत्रिक अभियांत्रिकी |
| 11. | प्रो बी वेणुगोपाल रेड्डी | सह आचार्य | विद्युत अभियांत्रिकी |
| 12. | प्रो शर्मिली दास | सह आचार्य | विद्युत अभियांत्रिकी |
| 13. | प्रो सौरभ सोलंकी | सहायक आचार्य ग्रेड II | इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी |
| 14. | प्रो संघमित्रा मोहराना | सहायक आचार्य ग्रेड II | धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी |
| 15. | प्रो भरत बी | सहायक आचार्य ग्रेड II | धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी |

### कर्मचारी नियुक्तियां

| क्र.सं. | कर्मचारी का नाम | पदनाम | विभाग |
|---|---|---|---|
| 1 | डॉ. जी. राधा रुक्मिणी | वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | संस्थान स्वास्थ्य केंद्र |
| 2 | श्री सक्तिवेल सैमी | प्रधान तकनीकी अधिकारी | डिजिटल अवसंरचना और सेवाओं के लिए केंद्र (सीडीआईएस) |
| 3 | श्री वी उपेन्दर | सहायक रजिस्ट्रार | शैक्षिक |

## संकाय की जानकारी

### संकाय मान्यता/सम्मान/पुरस्कार

| क्र.सं. | संकाय सदस्य | पुरस्कार | द्वारा सम्मानित किया गया |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रो मनोहर काकुनुरी | कार्यकारी परिषद के सदस्य | भारतीय कार्बन सोसायटी |
| 2. | प्रो स नागराजन | सर्वश्रेष्ठ युवा शोधकर्ता पुरस्कार (विज्ञान)-2023 | एनआईटीडब्ल्यू |
| 3. | प्रो केवी गोबी | तेलंगाना विज्ञान अकादमी (एफटीएएस) के रत्न-सदस्य | तेलंगाना विज्ञान अकादमी |
| 4. | प्रो आरिफ अली बेग मुगल | आईजीएस-प्रो. ए.वी. श्रॉफ द्विवार्षिक पुरस्कार - 2023 | भारतीय भू-तकनीकी सोसायटी |
| 5. | प्रो आरिफ अली बेग मुगल | स्प्रिंगर सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार | भारतीय भू-तकनीकी सम्मेलन 2023, आईआईटी रुड़की |
| 6. | प्रो आरिफ अली बेग मुगल | असाधारण सहकर्मी समीक्षक पुरस्कार 2023 | इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोसिंथेटिक्स एंड ग्राउंड इंजीनियरिंग |
| 7. | प्रो आरिफ अली बेग मुगल | उत्कृष्ट समीक्षक पुरस्कार 2023 | जर्नल ऑफ डेंजर्डस, टॉक्सिक और रेडियोधर्मी अपशिष्ट |
| 8. | प्रो बी रघुराम कदली | सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार | ईएएसटी समाज |
| 9. | प्रो पी रतीश कुमार | सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार | अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीबीएमसी-2024 जापान |
| 10. | प्रो जीव दास | सी वी रमन युवा वैज्ञानिक पुरस्कार | |
| 11. | प्रो ए किरुबाकरन | एसआईआरई छात्रवृति | सर्ब |
| 12. | प्रो राम कृष्ण | आईटीएस पुरस्कार | एएनआरएफ, सर्ब-डीएसटी |
| 13. | प्रो ए किरुबाकरन | सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार | आईईईई आईसीपीसी2टी 2024 सम्मेलन, एनआईटी रायपुर |
| 14. | प्रो.वी.वी.मणि | अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता (आईटीएस) | सर्ब, भारत |
| 15. | प्रो वी. राम | अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अध्यक्ष | सेंट ऑगस्टीन यूनिवर्सिटी, यूएसए. |
| 16. | प्रो अमरजीत कुमार | उपाध्यक्ष, आईईईई फोटोनिक्स सोसायटी अध्याय हैदराबाद खंड | आईईईई हैदराबाद अनुभाग |
| 17. | प्रो एकता गोयल | वरिष्ठ सदस्य आईईईई | आईईईई |
| 18. | प्रो एकता गोयल | आईईईई ईडीएस एसबीसी एनआईटीडब्ल्यू के संकाय सलाहकार | आईईईई ईडीएस एसबीसी एनआईटीडब्ल्यू |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 19. | प्रो सौरभ सोलंकी | वरिष्ठ सदस्य आईईईई | आईईईई |
| 20. | प्रो सौरभ सोलंकी | संपादक | आईईईई संचार पत्र |
| 21. | प्रो सुरेश पेरियानन | एनडीटी में अनुसंधान में योगदान में उत्कृष्टता में राष्ट्रीय पुरस्कार | एनडीई में प्राप्त पुरस्कार सम्मेलन, दिसंबर 2023 |
| 22. | प्रो नरसिम्हा राव आर | संपादकीय मंडल के सदस्य | धातुई सामग्री के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल |
| 23. | प्रो नरसिम्हा राव आर | सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार | आईसीमेक -आरईसी-2023, एनआईटी सप्ताह |
| 24. | प्रो चन्द्रमोहन वी.पी. | सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार | यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रगति पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई सी ओ एम ई 2024) |
| 25. | प्रो अब्दुल अजीम | सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार (विज्ञान) 2023 | एनआईटीडब्ल्यू |
| 26. | प्रो डी हरनाथ | अध्यक्ष-ल्यूमिनेसेंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (तेलंगाना अध्याय) | लुमिनेसेंस सोसाइटी ऑफ इंडिया, बड़ौदा (पंजी. सं. जीयूआई/1156) |
| 27. | प्रो विजय कुमार | प्रकाशिकी 2023 में | ऑप्टिका प्रकाशन समूह, यूएसए |
| 28. | प्रो सूर्य के. घोष | सह संपादक | भौतिकी में सीमाओं |
| 29. | प्रो शिरीष एच. सोनवणे | सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार (अभियांत्रिकी) 2023 | एनआईटीडब्ल्यू |
| 30. | प्रो.जी. राघवेंद्र | युवा शोधकर्ता पुरस्कार (अभियांत्रिकी) 2023 | एनआईटीडब्ल्यू |

## संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम

वर्ष 2022 और 2023 में 22 नए संकाय सदस्यों की भर्ती की गई। संस्थान के नियमों और विनियमों से परिचित होने के लिए, 1 से 5 जून, 2024 के दौरान उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जैसा कि संकाय से अपेक्षा की जाती है, सिखाने के अलावा, न केवल प्रकाशन के उद्देश्य से, बल्कि समाज के लिए आवेदन के लिए, जिसमें पेटेंट, प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण, स्टार्टअप शामिल हैं। इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए, संस्थान के प्रख्यात शिक्षाविदों और वरिष्ठ आचार्यो को सत्र लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। श्रीपद कुलकर्णी, निदेशक, आईआईटी भुवनेश्वर उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे और संसाधन व्यक्तियों में से एक थे।







निम्नलिखित संकाय सदस्यों को स्टैनफोर्ड/एल्सेवियर की शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची 2023 में चित्रित किया गया है।



प्रो. **विद्याधर सुबुद्धि** (ईई)



प्रो मुहम्मद नबाब आलम (ईई)



प्रो के रवि किशोर (ईसी)



प्रो वी टी सोमशेखर (ईई)



प्रो सोनवणे शिरीष हरि (सीएच)



प्रो डी श्रीनिवासाचार्य (एमए)



प्रो प्रकाश कोडाली (ईसी)



प्रो संजय कुमार पांडा (सीएस)



प्रो अदेपु कुमार (एम ई)



प्रो आरिफ अली बेग मुगल (सी ई)

## छात्र गतिविधियाँ

**टेक्नोज़ियन-2023**










टेक्नोज़ियन, "इनजीनियस" थीम वाला वार्षिक तकनीकी उत्सव 19 से 21 जनवरी 2024 तक आयोजित किया गया था। 800 से अधिक संस्थानों के भाग लेने के साथ, उत्सव ने 15000 से अधिक छात्रों के तकनीकी कौशल को प्रदर्शित करने और उन्नत करने का अवसर प्रदान किया। एक रोमांचक घटना "ऑटो फ्रैगन", एक प्राणपोषक ऑटोमोबाइल प्रश्नोत्तरी परीक्षण मोटर वाहन ज्ञान चित्रित किया गया था। छात्र बाहरी टीमों द्वारा अपने अभिनव वाहनों का प्रदर्शन करते हुए "वाहन प्रदर्शन" के उत्साह के साक्षी बनें। "मैकेनिकल किट असेंबली," ने यांत्रिक किटों को तेजी से इकट्ठा करने के लिए एक व्यावहारिक चुनौती प्रदान की। रचनात्मकता और इंजीनियरिंग कौशल को प्रदर्शित करने वाली एक डिजाइन और प्रोटोटाइप प्रतियोगिता "परिष्कार" आयोजित की गई थी।

1. आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (एससीएम) कार्यशाला

दिनांक: 07/03/24 आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन कार्यशाला ने क्षेत्र के भीतर विशाल दायरे और रोमांचक अवसरों पर व्यावहारिक चर्चा की। भविष्य की नौकरी प्रोफाइल और कैरियर में उन्नति के लिए प्रमाणपत्र के महत्व के बारे में ज्ञान प्रदान किया। इस कार्यक्रम ने आपूर्ति श्रृंखला भूमिकाओं की गतिशील प्रकृति पर प्रकाश डाला और इस विकसित उद्योग में कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग पर जोर दिया।

2. एएलटीएआईआर कार्यशाला

दिनांक: 16/03/24 एएलटीएआईआर कार्यशाला ने डिजाइन क्षेत्र के भीतर गतिशील दायरे और प्राणपोषक संभावनाओं में तल्लीन किया। प्रतिभागियों ने अत्याधुनिक रुझानों, नवीन पद्धतियों और डिजाइन विषयों के विकसित परिदृश्य का पता लगाया। इसके अतिरिक्त, कार्यशाला ने भविष्य की नौकरी प्रोफाइल पर प्रकाश डाला, तेजी से विकसित डिजाइन उद्योग में पनपने के लिए आवश्यक उभरती भूमिकाओं और कौशल सेटों पर जोर दिया।

**मोटर वाहन टीमें**

एनआईटी वरंगल में, हम इंजीनियरिंग प्रतिभा का पोषण करने के लिए व्यावहारिक सीखने और प्रतिस्पर्धी भागीदारी पर जोर देते हैं। हमारा संस्थान तीन प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल टीमों का घर है: टीम मेक्क्सहॉस्टर्स, टीम मेकाहोलिक्स और टीम स्पर्धक। प्रत्येक टीम समर्पण, तकनीकी कौशल और प्रतिस्पर्धी भावना का उदाहरण देती है, जो प्रमुख राष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर एनआईटी वरंगल का प्रतिनिधित्व करती है।

1. टीम मेक्क्सहॉस्टर्स, एनआईटी वरंगल की फॉर्मूला स्टूडेंट टीम, सिंगल-सीटर, ओपन-व्हील रेस कारों के डिजाइन और निर्माण में उत्कृष्टता प्राप्त करती है, जिन्हें फॉर्मूला स्टूडेंट वाहनों के रूप में जाना जाता है। टीम प्रतिष्ठित सुप्रा एसएई इंडिया और फॉर्मूला भारत प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करती है, जो क्रमशः ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट और कारी मोटर स्पीड वे, कोयंबटूर, तमिलनाडु, भारत में आयोजित की जाती है। इन वाहनों को इंजीनियरिंग डिजाइन में गति, चपलता और नवाचार पर ध्यान देने के साथ उच्च प्रदर्शन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से, टीम मेक्सहॉस्टर्स अपने असाधारण इंजीनियरिंग कौशल और अभिनव समाधानों का प्रदर्शन करते हैं, लगातार प्रदर्शन और सौंदर्यशास्त्र दोनों में उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हैं।

2. क्वाड बाइक इंजीनियरिंग में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध टीम मेकाहोलिक्स, क्वाड टॉर्क और क्यूबीडीसी प्रतियोगिताओं में भाग लेती है। क्वाड बाइक, जिसे ऑल-टेरेन व्हीकल्स (एटीवी) के रूप में भी जाना जाता है, को ऑफ-रोड उपयोग के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसके लिए शक्ति, स्थिरता और गतिशीलता के संतुलन की आवश्यकता होती है। रतीबाद, भोपाल, मध्य प्रदेश में एसआईएसटीईसी में आयोजित ये प्रतियोगिताएं, टीम मेकाहोलिक्स को अपने तकनीकी कौशल और इंजीनियरिंग सरलता को प्रदर्शित करने की अनुमति देती हैं। टीम के अभिनव डिजाइन और मजबूत निर्माण क्वाड बाइक के प्रदर्शन और स्थायित्व की सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं।

3. टीम स्पर्धक, चुनौतीपूर्ण बाजा एसएई इंडिया प्रतियोगिता में संलग्न है, जो मध्य प्रदेश के पीथमपुर में आयोजित की जाती है। बी.ए.जे.ए एस.ए.ई प्रतियोगिता में टिकाऊ ऑफ-रोड वाहनों का डिजाइन और निर्माण शामिल है, जिन्हें बी.ए.जे.ए वाहनों के रूप में जाना जाता है जो कठोर इलाकों और कठोर परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं। इन वाहनों को उनके ऊबड़-खाबड़ निर्माण, कठिन परिदृश्यों को नेविगेट करने की क्षमता और चरम परिस्थितियों में धीरज की विशेषता है। इस आयोजन में टीम स्पर्धक की भागीदारी उन वाहनों को विकसित करने की उनकी क्षमता को रेखांकित करती है जो मांग वाले वातावरण में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, उनकी उन्नत इंजीनियरिंग क्षमताओं और लचीलापन का प्रदर्शन करते हैं।

## टेक्नोज़ियन घटनाओं

1. रसायन-कहानी
2. केम-हंट
3. अणु बनाओ
4. दिमागी खेल
5. विज्ञान प्रदर्शनी
6. केम-फायर
7. "एक शोध विचार की प्रस्तुति" पर अनुसंधान गठजोड़
8. डिजाइन विस्टा "सॉफ्टवेयर का उपयोग करके विभिन्न मापदंडों पर विचार करके स्कूल, अस्पताल, कार्यालय जैसी दी गई संरचनाओं के साथ डिजाइन बनाना"।
9. स्टैड प्रो कार्यशाला
10. बिडक्राफ्ट पर "ग्राहक अपेक्षाओं के साथ प्रस्ताव को संरेखित करना, विशेषज्ञता प्रदर्शित करना और नवाचार को शामिल करना"
11. डॉ. बि बालकृष्णन द्वारा "कंक्रीट संरचनाओं में क्रैकिंग: विज्ञान और विज्ञान के अनुप्रयोग" पर अतिथि व्याख्यान
12. डॉ. नरसम्मा निपतलापल्ली द्वारा अतिथि व्याख्यान गैर-थर्मल प्लाज्मा: अपशिष्ट जल में उभरते संदूषकों के खनिजकरण के लिए एक सतत समाधान

## स्प्रिंगस्प्री -2024









स्प्रिंगस्प्री, प्रमुख सांस्कृतिक उत्सवों में से एक, हमारे छात्रों द्वारा 5 अप्रैल से 7 अप्रैल 2024 तक "रसेनगन" विषय के साथ आयोजित किया गया था। 3 दिवसीय उत्सव के दौरान 40 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। पूरे देश के हजारों छात्रों ने उत्सव में भाग लिया।

**छात्र उपलब्धि:**

1. निकोल एस्थर डीकुन्हा (21MEB0A45) जो वर्तमान में बीटेक अंतिम वर्ष की छात्रा हैं, को प्रैट एंड व्हिटनी, इंडिया इंजीनियरिंग सेंटर, बैंगलोर द्वारा आयोजित मेचौरा 2024 प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला है।


Pratt & Whitney
An RTX Business

CERTIFICATE

OF FIRST PRIZE

THIS CERTIFICATE IS PRESENTED TO

NICOLE ESTHER

in recognition of her First Place achievement in the Mechaura 2024 competition, conducted by Pratt & Whitney India Engineering Center, Bangalore.

Renu PR
General Manager,
P & W India Engineering center

Sandeep SP
HR Lead, P & W India




2. कनीज़ फातेमा अन्ना (21MEB0F06) जो वर्तमान में अंतिम वर्ष की बीटेक की छात्रा हैं, को इंटरनेशनल सप्लाई चेन एजुकेशन एलायंस, ओहियो द्वारा आयोजित आईएससीईए ग्लोबल सप्लाई चेन केस कॉम्पिटिशन 2023 को सफलतापूर्वक पूरा करके सप्लाई चेन एनालिस्ट के रूप में प्रमाणित किया गया है.


ISCEA

*International Supply Chain Education Alliance*

UPON THE RECOMMENDATION OF THE FACULTY HAS CONFERRED UPON

Kaniz Fatema Ananna

*The designation of*

**Certified Supply Chain Analyst - CSCA**

In recognition of the fulfillment of requirements pertaining to this certification

Conferred in Cleveland, Ohio, USA
December 22, 2023

Expiration Date:
December 31, 2026

Certificate No. 2312222069
To verify, scan the QR code or visit
www.iscea.org/verify-certification

Dr. Charles A. Watts, DBA, CSCM, Jonah
Executive Director of Education & Certification

www.iscea.org

3. रुचा वाघ (21MEB0B73) जो वर्तमान में बीटेक अंतिम वर्ष की छात्रा हैं, को फ्रांस में समर रिसर्च इंटर्नशिप करने के लिए अपने तीसरे वर्ष में प्रतिष्ठित चारपक लैब छात्रवृत्ति 2024 मिली थी। उसने सफलतापूर्वक एलआईरिस सीएनआरएस लैब, फ्रांस में अपनी इंटर्नशिप पूरी कर ली थी।
4. केविन अमल डैरेन (21MEB0B31), चौथे वर्ष के यांत्रिक अभियांत्रिकी छात्र के ने आईआईटीबी द्वारा आयोजित वार्षिक रोबोटिक्स प्रतियोगिता में 9 वीं रैंक जीती (लगभग 3500+ टीमों ने भाग लिया)।

**खेलों में छात्र प्रशंसा**

1. श्री साई वामसी (2nd बीटेक ईसी) ने हनुमकोंडा और वारंगल जिला एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में लंबी कूद में पहला स्थान हासिल किया।
2. श्री एम. गौतम कार्तिक (यांत्रिक अभियांत्रिकी बीटेक तीसरा) ने हनुमकोंडा और वारंगल जिला एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में 100 मीटर और लंबी कूद में दूसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का आयोजन जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा 15 सितंबर 2023 को जेएनएस स्टेडियम, हनुमाकोंडा में किया गया था।
3. एनआईटीडब्ल्यू बैडमिंटन पुरुष टीम ने 14 से 16 अक्टूबर 2023 तक एमएनआईटी जयपुर में आयोजित अखिल भारतीय इंटर एनआईटी टूर्नामेंट में उपविजेता स्थान हासिल किया। टीम के सदस्यों में श्री अक्षत राय लड्ढा (सी), श्री नवीन बॉबी पिल्लई, श्री शिवशंकर एम वी, श्री पेंटा जयवर्धन नायडू और श्री नितिन संजय शामिल हैं।
4. एनआईटीडब्ल्यू गर्ल्स टीम ने 26 से 28 अक्टूबर 2023 तक एनआईटीके सुरथकल द्वारा आयोजित ऑल इंडिया इंटर एनआईटी हैंडबॉल टूर्नामेंट में उपविजेता स्थान हासिल किया।
5. एनआईटी वारंगल पावर स्पोर्ट्स टीम ने 3 से 5 नवंबर 2023 तक एनआईटी दुर्गापुर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंतर एनआईटी पावर स्पोर्ट्स इवेंट में पदक हासिल किए। पदक विजेताओं की सूची इस प्रकार है;

    श्री किरण केआर, पावरलिफ्ट, श्रेणी 93 किग्रा- दूसरा एमई- कांस्य पदक
    श्री स्याक चौधरी, भारोत्तोलन, श्रेणी 61 किग्रा, एमएम द्वितीय स्वर्ण पदक
    श्री दीमान ठाकुरिया, पावरलिफ्ट, श्रेणी 74 किग्रा, एमबीए- स्वर्ण पदक
    श्री संचित नांगिया, बॉडीबिल्डिंग, श्रेणी 85 किग्रा, केमिकल द्वितीय कांस्य पदक
6. एनआईटीके सूरतकल में आयोजित अखिल भारतीय इंटर एनआईटी टूर्नामेंट में एनआईटी हैंडबॉल गर्ल्स टीम ने उपविजेता स्थान हासिल किया।
7. एनआईटीडब्ल्यू तैराकी टीम के सदस्यों ने एनआईटी राउरकेला में आयोजित अखिल भारतीय अंतर एनआईटी प्रतियोगिता में व्यक्तिगत पदक हासिल किए।
8. एनआईटी वारंगल द्वारा आयोजित अखिल भारतीय इंटर एनआईटी टूर्नामेंट में एनआईटी एथलेटिक्स टीम उपविजेता और खो-खो महिला विजेता रही। पदक विजेता इस प्रकार हैं:

    अनीश लाठर (800 मीटर में गोल्ड),
    किरण केआर (हैमर थ्रो में गोल्ड),
    बरखा तांडेकर (लंबी कूद में स्वर्ण),
    एनआईटी-वारंगल टीम (4X400 श्रीमती रिले में स्वर्ण)
    अनीश लाथर (1500 मीटर में रजत),
    गौतम कार्तिक (200 मीटर में रजत)
    अर्पित यादव (हैमर थ्रो में रजत)
    अनुनीता बिंदल (हैमर थ्रो में रजत)
    एनआईटी वारंगल टीम (4X100 श्रीमती रिले में रजत)।
    गौतम कार्तिक (100 मीटर में कांस्य)
    आर चिंटू (5000 मीटर में कांस्य)
    किरण केआर (शॉटपुट में कांस्य),
    वैभव आरजे (ट्रिपल जंप में कांस्य)
    अश्का वारके (हैमर थ्रो में कांस्य)
    वैभव आरजे (110 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य)

शॉन प्रभात (400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य)

9. इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता -वार्षिक खेल: मैकेनिकल विभाग खेल अनुभाग में समग्र चैंपियन बन जाता है और एथलेटिक्स पीजी विभाग में समग्र चैंपियन बन जाता है।
10. यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के अंतिम वर्ष एमटेक के, श्री के आर किरण और सुश्री दक्षा जावर, अंतिम वर्ष- बीटेक, (एमएम) शैक्षणिक वर्ष 2023-24 की सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान खिलाड़ी बने।

## छात्र पुरस्कार:

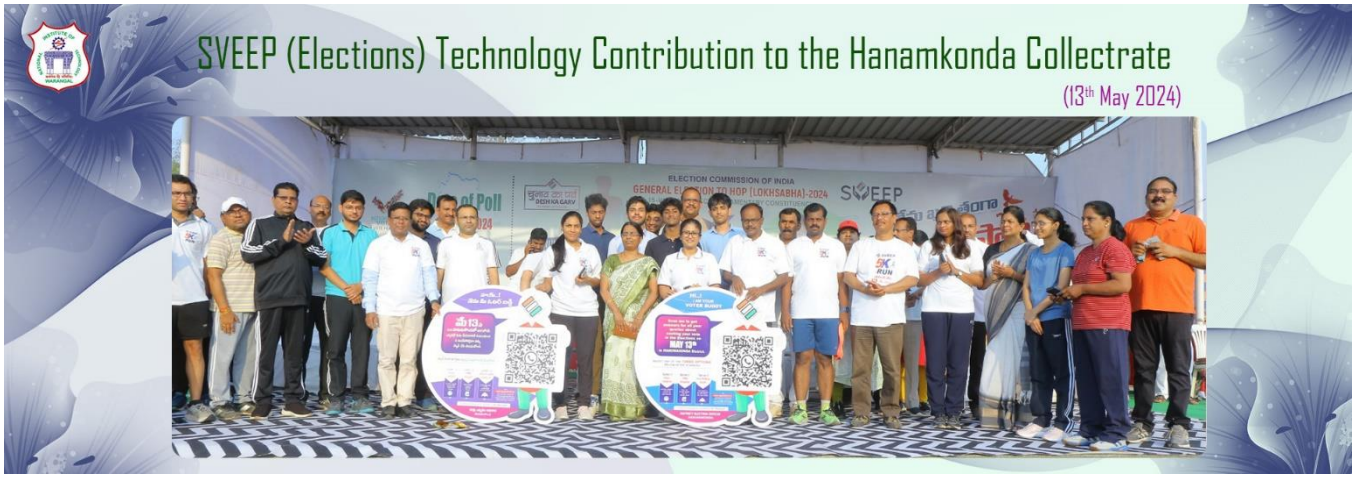
| **क्र.सं.** | **नाम** | **उपलब्धि विवरण**<br>**(सम्मेलन पत्र, सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार, विदेश यात्रा )** |
|---|---|---|
| 1. | अनम उपाध्याय (एम. टेक. प्रथम वर्ष का छात्र) | उनका चयन विद्वानों के खुराना कार्यक्रम के लिए हुआ है। 2024 की गर्मियों के दौरान, डॉ. एंड्रिया कासिंस्की की देखरेख में पर्ड्यू विश्वविद्यालय, यूएसए में अपनी इंटर्नशिप करने के लिए। |
| 2. | नबनिता मंडल (पीएचडी) | अमेरिकन सोसाइटी फॉर बायोकैमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (एएसबीएमबी) से $ 1000 का यात्रा पुरस्कार प्राप्त किया। |
| 3. | साई भवानी कोट्टुमुक्कल (पीएचडी) | यूरोपीय आणविक जीवविज्ञान संगठन (ईएमबीओ) और पेरमेडसीओई (बार्सिलोना सुपरकंप्यूटिंग सेंटर) से अनुदान प्राप्त करने के लिए अपने काम को प्रस्तुत करने और जीवन के कम्प्यूटेशनल मॉडल पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए: आणविक जीव विज्ञान से डिजिटल जुड़वाँ तक, ईएमबीओ, स्पेन द्वारा आयोजित कार्यशाला। |
| 4. | साई भवानी कोट्टुमुक्कल (पीएचडी) | इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल साइंसेज (आईसीटीएस - टीआईएफआर), बेंगलुरु, भारत द्वारा आयोजित 11-22 मार्च, 2024 तक कैंसर प्रगति और उपचार (मैथोन्को- 2024) में सैद्धांतिक दृष्टिकोण पर एक पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए यात्रा अनुदान प्राप्त किया। |
| 5. | कल्याण कुमार (एम टेक) | इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल साइंसेज (आईसीटीएस - टीआईएफआर), बेंगलुरु, भारत द्वारा आयोजित 11-22 मार्च, 2024 तक कैंसर प्रगति और उपचार (मैथोन्को- 2024) में सैद्धांतिक दृष्टिकोण पर एक पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए यात्रा अनुदान प्राप्त किया |
| 6. | अंजनी प्रिया के | "जैव सूचना विज्ञान दृष्टिकोण का उपयोग करके ओरिजा सैटिवा की सूखा सहिष्णुता में एनएसी 048 जीन की भूमिका"। पादप जैव प्रौद्योगिकी और जीनोम संपादन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। काकतीय विश्वविद्यालय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, (सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त) |
| 7. | कमला थोटा | बेस्ट पेपर अवार्ड, एओएसएस -5, एनआईटी वरंगल |
| 8. | नीतिका सिंह | डब्ल्यूआईएसई - रासायनिक विज्ञान में पीएचडी (डब्ल्यूआईएसई - पीएचडी) के लिए फैलोशिप |
| 9. | भार्गवी वी | जयंत कुमार घोष अवार्ड, आईआईटी रुड़की |

| | | |
|---|---|---|
| 10. | आरती वी | ग्रिड इंडिया पावर सिस्टम अवार्ड्स 2024 (जिसे पहले पोसोको अवार्ड के नाम से जाना जाता था) उनकी मास्टर थीसिस "इन्वर्टर आधारित नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ी लाइनों के लिए दिशात्मक सुरक्षा और दोष स्थान" के लिए |
| 11. | विद्याश्री बी. | पैन एनआईटी एचएसएसआरसी 2024 में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार |
| 12. | गोपिका जयचंद्रन | पैन एनआईटी एचएसएसआरसी 2024 में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार |
| 13. | ऐश्वर्या सुरेशन | पैन एनआईटी एचएसएसआरसी 2024 में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार |
| 14. | नीला बी | कोपेनहेगन, डेनमार्क में "परिचालन अनुसंधान पर 33 वें यूरोपीय सम्मेलन" के लिए सीएसआईआर विदेश यात्रा अनुदान (पूर्ण किराया) |
| 15. | नीला बी | कोपेनहेगन, डेनमार्क में "परिचालन अनुसंधान पर 33 वें यूरोपीय सम्मेलन" के लिए डीएसटी-एसईआरबी इंटरनेशनल ट्रैवल सपोर्ट (आईटीएस) पुरस्कार [उपलब्ध] |
| 16. | कृष्णेंदु नायक | यात्रा/रहने का अनुदान (1000 यूरो) और इंटरनेशनल यूनियन ऑफ जियोडेसी एंड जियोफिजिक्स (आईयूजीजी), बर्लिन, जर्मनी की महासभा XXVIII महासभा के लिए पंजीकरण शुल्क छूट [उपलब्ध नहीं हुआ] |
| 17. | अंकिता हजारिका | एम.टेक (ईई), *नौवें भारतीय युवा भू-तकनीकी इंजीनियर सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार* |
| 18. | वी. उदय कुमार | मेटलोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, आईसीएएम-2023, एनआईटीडब्ल्यू |
| 19. | वी. उदय कुमार | सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार, आईसीएएम-2023, एनआईटीडब्ल्यू |
| 20. | जी. सावियो | सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार, आईसीएएम-2023, एनआईटीडब्ल्यू |
| 21. | पूजा यादव | डीएसटी-एसईआरबी इंटरनेशनल ट्रैवल ग्रांट सियोल, दक्षिण कोरिया में आयोजित पर्यावरण, ऊर्जा और जैव प्रौद्योगिकी (आईसीईईबी 2024) पर 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति देगा |
| 22. | पूजा यादव | 17 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल, तेलंगाना, भारत द्वारा आयोजित रिसर्च स्कॉलर्स कॉन्फ्लुएंस- 2024 में पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा स्थान प्राप्त किया। |
| 23. | पूजा यादव | सेंटर फॉर नैनोटेक्नोलॉजी, आईआईटी गुवाहाटी, असम, भारत द्वारा आयोजित उन्नत नैनोमैटेरियल्स और नैनोटेक्नोलॉजी-आईसीएएनएन 2023 पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार |
| 24. | निखिल वैंगेटी | स्ट्रासबर्ग, फ्रांस में "डीप लर्निंग-बेस्ड मैक्रो-बेंडिंग लॉस डिटेक्शन बाय प्लास्टिक ऑप्टिकल फाइबर स्पेकलेग्राम एनालिसिस" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए अनुदान संख्या: आईटीएस /2024/000223 के साथ अंतर्राष्ट्रीय यात्रा योजना के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग- विज्ञान |

| | | |
|---|---|---|
| | | और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (डीएसटी-एसईआरबी) से यात्रा अनुदान प्राप्त किया |
| 25. | सिजू मिश्रा | ल्यूमिनेसेंस और इसके अनुप्रयोगों पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन *में सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर पुरस्कार,* आईआईसीटी हैदराबाद |
| 26. | एम. रक्षिता | ल्यूमिनेसेंस और इसके अनुप्रयोगों पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन *में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार,* आईआईसीटी हैदराबाद |
| 27. | अचल ए शर्मा | ल्यूमिनेसेंस और इसके अनुप्रयोगों पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन *में पोस्टर के लिए प्रशंसा सह मेरिट पुरस्कार,* आईआईसीटी हैदराबाद |
| 28. | पायल पी प्रधान | रिसर्च स्कॉलर के संगम *में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार*, एनआईटी वारंगल |
| 29. | अचल ए शर्मा | फ्रंटियर सेक्टर्स के लिए सिरेमिक में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर अवार्ड*: इमर्जिंग एडवांस एंड प्रॉस्पेक्ट्स*, आईआईटी रुड़की |
| 30. | एम. रक्षिता | सामग्री विज्ञान में नवाचारों पर सम्मेलन *में पोस्टर के लिए सांत्वना पुरस्कार*, आईआईटी रुड़की |
| 31. | अचल ए शर्मा | सामग्री विज्ञान में स्पेक्ट्रोस्कोपी पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन *में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार,* एवेइरो विश्वविद्यालय, पुर्तगाल |
| 32. | एस. पी. रमादेवी | ब्राजील में आईएलसीसी 2024 सम्मेलन के लिए सर्ब यात्रा अनुदान |
| 33. | सौम्य रंजन प्रधान | ब्राजील में आईएलसीसी 2024 सम्मेलन के लिए डीबीटी यात्रा अनुदान |
| 34. | एस. पी. रमादेवी | रिसर्च स्कॉलर्स कॉन्फ्लुएंस-2024 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वरंगल |
| 35. | एस. पी. रमादेवी | इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन सेलिब्रेशन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी वारंगल में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार |
| 36. | ए महा लक्ष्मी | बेस्ट पेपर अवार्ड, सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड टेक्नोलॉजीज के लिए सामग्री पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमएसडीटी - 2024), "आरईई (टीबी3+) इन्फ्लुएंस ऑन इन विट्रो बायोएक्टिविटी रिस्पांस ऑफ मेसोपोरस बायोएक्टिव ग्लासेस एज़ द एप्लीकेशन ऑफ बोन टिशू इंजीनियरिंग" द्वारा आयोजित नैनोसाइंस एंड मैटेरियल्स सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू द्वारा आयोजित। |
| 37. | एम. नवनीत | एसईआरबी से आईटीएस यात्रा अनुदान |
| 38. | पुर्नेश सिंह बडवथ | ऑप्टिकल कोणीय गति 2024 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पीएचडी छात्र पोस्टर पुरस्कार |
| 39. | पुर्नेश सिंह बडवथ | एसईआरबी से आईटीएस यात्रा अनुदान |
| 40. | सुश्री अंजली बाबू | सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की में सामग्री विज्ञान में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन |
| 41. | रेजॉय मैथ्यू | विशिष्ट फैलोशिप के साथ पीएचडी के लिए चयनित मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, यूएसए |

| | | |
|---|---|---|
| 42. | वृंदा गर्ग | अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी (ए पी एस) सम्मेलन, डीपीएलओवाई-2023 में मौखिक प्रस्तुति के लिए चुना गया। |
| 43. | वृंदा गर्ग | रिसर्च स्कॉलर्स कॉन्फ्लुएंस, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी वरंगल में पोस्टर प्रस्तुति में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया |
| 44. | जीतेश पानी | ताइवान के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार और नकद मूल्य पीटीएसडीजी2024 |
| 45. | अमन, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग | खेल में उत्कृष्टता के लिए अमित घोष मेमोरियल पुरस्कार- एनआईटी-वरंगल द्वारा सम्मानित. |
| 46. | सुश्री जूही ए रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग | खेल में उत्कृष्टता के लिए अमित घोष मेमोरियल पुरस्कार- एनआईटी-वरंगल द्वारा सम्मानित |




हमारे बीटेक (सीएस) के छात्रों ने हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान तेलंगाना राज्य के लिए प्रभावी मतदान प्रणाली की दिशा में समर्थन के लिए एक चैट बॉट विकसित किया। इसका उद्घाटन कलेक्टर हनुमकोंडा ने किया

छात्रों के बीच एक उद्यमी मानसिकता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, 16 और 17 मार्च 2024 को ई-शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था. सम्मानित वक्ताओं में स्टूडेंट ट्राइब के श्री चरण लक्कराजू, गीक्सफोरगीक्स के सीटीओ शिखर गोयल, सास लैब्स के संस्थापक और सीईओ गौरव शर्मा, सर्वम एआई के रिया मीरचंदानी और व्हाट्सएप के पूर्व प्रोडक्ट लीड, जोहो में उत्पाद प्रबंधन की निदेशक राजलक्ष्मी श्रीनिवासन, इन्फोसिस के पहले गैर-संस्थापक बोर्ड सदस्य वीए शास्त्री और बॉश के रणनीति प्रमुख मनु मेनन शामिल थे। इन प्रेरक वार्ताओं के अलावा, शिखर सम्मेलन में नवाचार और व्यावसायिक विचारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 10 से अधिक कार्यक्रम शामिल थे। इनमें प्रबंधन स्कूलों के छात्रों, इनक्यूबेटरों, त्वरक और सम्मानित प्रोफेसरों के साथ आकर्षक बातचीत शामिल थी।




## एनएसएस गतिविधियां

**स्वच्छता अभियान**

मासिक स्वच्छता अभियान संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ आयोजित किए गए। इन प्रयासों से संस्थान की स्वच्छता और समग्र परिवेश में काफी सुधार हुआ है। साथ ही कैंपस की हरियाली बढ़ाई गई है। एनआईटी वारंगल को प्लास्टिक मुक्त परिसर बनाने के लिए भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।








## अनुसंधान, परामर्श, नवाचार और ऊष्मायन

### प्रायोजित अनुसंधान और विकास परियोजनाएं

| | |
|---|---|
| स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या (एसपीएआरसी, जीआईएएन, एमएसएमई, एमआईईटीवाई आदि सहित) | 65 |
| इस अवधि के दौरान स्वीकृत परियोजनाओं का कुल अनुदान, INR | 34,18,33,868 |
| सेक्शन 8 कंपनियों का गठन | एनआईटी वरंगल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप फाउंडेशन को सेक्शन 8 कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया है। |
| कुल पंजीकृत स्टार्ट-अप | 15 |
| नए सहायक प्राध्यापकों के आरएसजी अनुदान | 22 आरएसजी और राशि 109.05 लाख है |
| पंजीकृत उत्कृष्टता केन्द्रों की कुल संख्या और एनआईटी वरंगल द्वारा वित्तपोषित (सहायता प्राप्त) कुल राशि का ब्यौरा विवरण में दिया गया है | 7, 70 लाख रुपये |
| स्टार्ट-अप का समर्थन | आचार्यों और छात्रों को 6 स्टार्ट-अप बीज अनुदान (प्रत्येक आचार्य स्टार्टअप के लिए 5 लाख रुपये और छात्रों के लिए 2 लाख रुपये) |

**प्रमुख परियोजनाएं**

| **क्र.सं.** | **संकाय का नाम /** | **परियोजना का शीर्षक** | **निधिकरण एजेंसी** | **राशि, ₹, लाख** |
|---|---|---|---|---|
| 1 | रासायनिक अभियांत्रिकी | एफआईएसटी अभियांत्रिकी विज्ञान | डी एस टी | 140 |
| 2 | प्रो एन वी उमामहेश, सीई | कृष्णा नदी बेसिन के लिए स्थिति मूल्यांकन और प्रबंधन योजना पर अध्ययन | एनआरसीडी, जल शक्ति मंत्री | 627 |
| 3 | प्रो सीएसआरके प्रसाद, सीई | भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए उन्नत परिवहन मॉडलिंग और सिमुलेशन | (आईएएचई), एमओआरटी, भारत सरकार, नई दिल्ली | 232 |
| 4 | ई सी ई | एफआईएसटी अभियांत्रिकी विज्ञान | डी एस टी | 223 |

**4) प्रायोजित परियोजनाएं: [शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए योजना**" (स्पार्क)]

**i) स्वीकृत 09 चरण- II** परियोजनाएं जिनकी अवधि **02 वर्ष** है (28/07/2023 से 27/07/2025 तक)

| **क्रम सं.** | **पीआई का नाम** | **सह पीआई का नाम** | **शीर्षक** | **अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी देश के साथ** | **स्वीकृत राशि, आईएनआर, लाख** |
|---|---|---|---|---|---|

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | प्रो वी. रामसागर ( रासायनिक अभियांत्रिकी ) | प्रो पी वी सुरेश ( रासायनिक अभियांत्रिकी ) प्रो के. मनोहर ( रासायनिक अभियांत्रिकी ) | उच्च राख वाले भारतीय कोयले के रासायनिक लूपिंग दहन के लिए उच्च रेड-ऑक्स चक्रीय स्थिरता के साथ कम लागत वाले स्वदेशी ऑक्सीजन वाहकों का विकास | प्रो हेनरिक लियोन, चाल्मर्स प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, स्वीडन और प्रो फैनशिंग ली, नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए | 40 |
| 2. | प्रो शिरीष एच सोनवणे ( रासायनिक अभियांत्रिकी ) | प्रो प्रकाश चावडागर (जैव प्रौद्योगिकी) प्रो अविनाश ( जैव प्रौद्योगिकी, आईआईटी इंदौर) | एंटी ट्यूबरकुलोसिस दवा के वितरण के लिए स्मार्ट पॉलिमरिक नैनोकणों आधारित वितरण प्रणाली | प्रो मैक्सिम शेवत्सोव, रूसी विज्ञान अकादमी (आरएएस), रूस | 25 |
| 3. | प्रो रघु राजा पंडियन के ( रासायनिक अभियांत्रिकी ) | प्रो शिरीष एच सोनवणे ( रासायनिक अभियांत्रिकी ) | हाइब्रिड नैनो-फिल्ड के सहक्रियात्मक पृथक्करण व्यवहार की भविष्यवाणी करने के लिए संयुक्त दृष्टिकोण प्रयोगों और प्रक्रिया मॉडल सिमुलेशन के माध्यम से वायुगतिकीय लोडिंग के तहत फेनोलिक-कार्बन कंपोजिट | प्रो मनोज गुप्ता, एनयूएस सिंगापुर | 45 |
| | | प्रो श्रीराम सोनवणे ( जैव प्रौद्योगिकी, वीएनआईटी नागपुर) | | प्रो अरविंद दसारी, सिंगापुर | |
| 4. | प्रो शेषगिरि राव ए ( रासायनिक अभियांत्रिकी ) | प्रो टी. के. राधाकृष्णन ( रासायनिक अभियांत्रिकी, एनआईटी त्रिची | जटिल दवा प्रक्रियाओं का उन्नत नियंत्रण | प्रो ज़ोल्टन के. नेगी, पर्ड्यू विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका | 48 |
| | | | | प्रो दोराईस्वामी रामकृष्ण, पर्ड्यू विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 5. | प्रो वेंकट रेड्डी के<br>( नागरिक अभियांत्रिकी ) | प्रो एस रवि चंद्रा (सीएसई)<br>प्रो नरसिम्हाराजू बीएल (ईई) | भारत के लिए कम लागत वाली, खुले हार्डवेयर सक्षम वाटरशेड निगरानी प्रणाली का विकास | प्रो जॉन एस श्वार्ट्ज, टेनेसी विश्वविद्यालय, यूएसए | 91 |
| 6. | प्रो पी रतीश कुमार<br>( नागरिक अभियांत्रिकी ) | प्रो पेरगु श्याम<br>(जैव प्रौद्योगिकी) | निर्मित वातावरण में प्रीफैब्रिकेशन और सतह के उपचार के लिए एक निर्माण घटक के रूप में कवक का उपयोग | डॉ. थॉमस डैनियल डायर, यूनिवर्सिटी ऑफ डंडी, यूके | 43 |
| 7. | प्रो एम जे डेविडसन<br>( यांत्रिक अभियांत्रिकी) | प्रो असित कुमार खानरा<br>(एमएमई) | डीप लर्निंग आधारित माइक्रोस्ट्रक्चरल भविष्यवाणी और विरूपण ने वायर आर्क एडिटिव मैन्युफैक्चर्ड प्रीफॉर्म्स की सहायता से सुदृढ़ीकरण किया | डॉ. राहुल राय, यूनिवर्सिटी एट बफेलो सनी, यूएसए<br>डॉ. सौमा चौधरी, यूनिवर्सिटी एट बफेलो, यूएसए | 41 |
| 8. | प्रो एस पोरपंडिसेल्वी<br>( विद्युत अभियांत्रिकी ) | प्रो ए किरुबाकरन<br>(ईईई)<br>डॉ. सरवना जी.<br>(ईईई, एनआईटी त्रिची) | एक एकीकृत सॉफ्ट-स्विच्ड सीसी-एलईडी ड्राइवर आधारित सौर एलईडी लाइटिंग सिस्टम का डिजाइन और विकास | याओ-मिंग चेन, नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी, ताइवान<br>डॉ. चिंग-जान चेन, नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी, ताइवान | 41 |
| 9. | प्रो थंगराजू कुप्पुसामी<br>(भौतिकी) | प्रो डी. पॉल जोसेफ<br>(भौतिकी) | हाइब्रिड टेट्रापॉड नैनोमटेरियल्स आधारित सस्टेनेबल ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक टेक्नोलॉजीज | डीआर। योगेन्द्र कुमार मिश्रा,<br>दक्षिण डेनमार्क विश्वविद्यालय, डेनमार्क | 42 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | प्रो वी. जयलक्ष्मी (भौतिकी) | | जोस्ट एडम साउथ डेनमार्क यूनिवर्सिटी, डेनमार्क के प्रो | |

**ii) स्वीकृत नौ (09) चरण- III** परियोजनाएं जिनकी अवधि 02 वर्ष है (01/04/2024 से 31/03/2026 तक)

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 10. | प्रो.रघु चित्ता ( रसायन विज्ञान ) | प्रो श्रीलक्ष्मी वेंकट पत्रि ( रसायन विज्ञान ) | न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के लिए रक्त-मस्तिष्क-बाधा क्रॉसिंग प्रतिदीप्ति-आधारित नॉथरएनोस्टिक्स की एक नई कक्षा | डॉ. सुरेश गड्डे, ओटावा विश्वविद्यालय, कनाडा<br>लिशेंग वांग, ओटावा विश्वविद्यालय, कनाडा | 44 |
| 11. | प्रो अनीता विलवेंथन (नागरिक अभियांत्रिकी) | प्रो शशि मेसापम (नागरिक अभियांत्रिकी) | स्मार्ट शहरों के लिए भूमिगत उपयोगिताओं के डिजिटल ट्विन का विकास | डॉ. रंजीत कुट्टंथरपेल सोमन, डेल्फ़्ट यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी, नीदरलैंड्स<br>डॉ. एलएल ओल्डे शोल्टेनहुइस लियोन, यूनिवर्सिटी ऑफ ट्वेंटे, नीदरलैंड्स | 71 |
| 12. | प्रो मंजैया मलैया (यांत्रिक अभियांत्रिकी) | प्रो किशोर बाबू नागुमोथु (धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी ) | योगात्मक रूप से निर्मित टी आइ-6 ए एल-4वी जाली संरचनाओं की प्रभाव प्रतिक्रिया | क्लोडुल्डो जूनियर अरनास, न्यू ब्रंसविक विश्वविद्यालय, कनाडा<br>प्रो एटियेन मार्टिन, पॉलीटेक्निक डी मॉन्ट्रियल, कनाडा | 85 |
| 13. | प्रो ए किरुबाकरन | प्रो सोमशेखर वी.टी. | अगली पीढ़ी के संचार और नए जीएएन- | प्रो मार्को लिसेरे, कील विश्वविद्यालय, जर्मनी | 52 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | ( विद्युत अभियांत्रिकी ) | (विद्युत अभियांत्रिकी )<br>प्रो शिव कुमार के, आईआईटी हैदराबाद<br>(विद्युत अभियांत्रिकी ) | आधारित बहुस्तरीय पावर कन्वर्टर्स के माध्यम से बातूनी-शक्ति-रूपांतरण-आधारित नेटवर्किंग | <br>पीटर एडम होहर, कील विश्वविद्यालय, जर्मनी | |
| 14. | प्रो एम जेरोल्ड (जैव प्रौद्योगिकी) | डॉ. विनी राउट्रे, एनआईटी राउरकेला<br>(खाद्य प्रसंस्करण इंजीनियरिंग) | बायोरिफाइनरी दृष्टिकोण के माध्यम से बाजरा प्रसंस्करण कचरे से फेनोलिक्स और कैरोटीनॉयड का निष्कर्षण और एनकैप्सुलेशन | डॉ. महेश एम. पुजारी, खाद्य विज्ञान विभाग, कोपेनहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क<br>डेनमार्क के तकनीकी विश्वविद्यालय में प्रो और प्रमुख प्रो चार्लोट जैकबसेन | 71 |
| 15. | प्रो रविशंकर के.वी.आर. ( नागरिक अभियांत्रिकी ) | प्रो रघुराम बी. कडाली<br>(नागरिक अभियांत्रिकी) | भारत में कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं पर सुरक्षित प्रणाली का दृष्टिकोण | डॉ. अलियाकसी लॉरेशिन, लुंड विश्वविद्यालय, स्वीडन<br>डॉ. कार्मेलो डी'ऑगोस्टिनो, लुंड विश्वविद्यालय, स्वीडन | 71 |
| 16. | प्रो एचपी रानी (गणितशास्त्र) | प्रो देवनुरी जया कृष्णा<br>( यांत्रिक अभियांत्रिकी ) | पृथ्वी, ग्रहों और तेजी से घूमने वाले सितारों के अंदर आंतरिक संवहन और चुंबकत्व: नए समानता मानदंड, स्केलिंग कानून और सरलतम मॉडल | प्रो. सर्गेई व्लादिमीरोविच स्टारचेंको, नोवोसिबिर्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी, रूस<br>प्रो. मारिया एस कोटेलनिकोवा, नोवोसिबिर्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी, रूस | 74 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 17. | प्रो सूरजभान सेवड़ा (जैव प्रौद्योगिकी) | प्रो मकरंद घांगरेकर, आईआईटी खड़गपुर (नागरिक अभियांत्रिकी) | एक एकीकृत बायोरिफाइनरी सिस्टम का विकास: बायोइलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम प्लेटफॉर्म में माइक्रोएल्गे जैव ईंधन उत्पादन, अपशिष्ट जल उपचार और बायोगैस उत्पादन का तालमेल | प्रो विजया राघवन मैकगिल विश्वविद्यालय, कनाडा | 46 |
| | | प्रो पोलीशेट्टी वेंकटेश्वर राव ( नागरिक अभियांत्रिकी ) | | डॉ. एडेमोला एडेकुनले मैकगिल विश्वविद्यालय, कनाडा | |
| 18. | प्रो गोपी राम (ईसीई) | प्रो गांडे अरुण कुमार (ईसीई) | टाइम-मॉड्यूलेशन तकनीकों को नियोजित करने वाले 5G/6G एप्लिकेशन के लिए नोवेल बीमफॉर्मिंग और एमआईएमओ एंटीना डिज़ाइन | प्रो. गाय एई वैंडेनबोश कैथोलिएके यूनिवर्सिटिट ल्यूवेन, बेल्जियम | 58 |

**5) विदेशी आगंतुकों का विवरण:**

जुलाई 2023 से जून 2024 के बीच जीआईएएन और स्पार्क कार्यशालाओं के लिए एनआईटीडब्ल्यू का दौरा करने वाले विदेशी आचार्य की सूची नीचे दी गई है

| **क्र.सं.** | नाम **और पदनाम** | **संस्थान / विश्वविद्यालय और देश** | **से** | **तक** | **सम्मेलन का नाम / कार्यशाला** |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | सुश्री योगेन्द्र कुमार मिश्रा, आचार्य | स्मार्ट सामग्री, मैड्स क्लॉसन इंस्टीट्यूट, दक्षिणी डेनमार्क विश्वविद्यालय, डेनमार्क। | 05/03/2024 | 28/03/2024 | एसपीएआरसी - II |
| 2. | प्रो. मनोज गुप्ता आचार्य | यांत्रिक अभियांत्रिकी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस), सिंगापुर | 22/02/2024 | 06/03/2024 | एसपीएआरसी - II |
| 3. | प्रो हेनरिक लियोन | रसायन विज्ञान और रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग | 10/02/2024 | 18/02/2024 | एसपीएआरसी - II |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | आचार्य | चाल्मर्स प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, स्वीडन | | | |
| 4. | डॉ. राजेंद्र एस. वर्मा<br>वरिष्ठ वैज्ञानिक | पर्यावरण समाधान और आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र, अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी, सिनसिनाटी, यूएसए | 16/10/2023 | 20/10/2023 | जीआईएएन - III |
| 5. | डॉ. कल्याणपु अल्फ्रेड ज.<br>सह आचार्य | टेनेसी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, कुकविले, टेनेसी, यूएसए में सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग | 10/07/2023 | 21/07/2023 | जीआईएएन - III |
| 6. | भाई शिवकुमार मणिकम<br>आचार्य | रासायनिक अभियांत्रिकी, यूनिवर्सिटी टेक्नोलोगी ब्रुनेई (यूटीबी), ब्रुनेई | 27/06/2023 | 01/07/2023 | जीआईएएन - III |

## परामर्श

| **क्र.सं.** | **जांचकर्ताओं** | **परियोजना का शीर्षक** | **निधिकरण एजेंसी** | **अनुदान मूल्य (लाख में)** |
|---|---|---|---|---|
| **रासायनिक अभियांत्रिकी** | | | | |
| 1. | प्रो. मनोहर काकुनुरी | उच्च प्रदर्शन इलेक्ट्रोलाइट्स का विकास | तत्व चिंतन फार्मा केमिकल लिमिटेड | 11.9 |
| **विद्युत अभियांत्रिकी** | | | | |
| 2. | प्रो बी. एल. नरसिम्हाराजू,<br>प्रो एन विश्वनाथन, | परियोजना में एमईपी सेवाओं के डिजाइन और चित्रों की सबूत जांच - भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान (आईआईपीई), विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश के लिए स्थायी परिसर का निर्माण | केपीसी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, हैदराबाद | 8.27 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 3. | प्रो. बी. एल. नरसिम्हाराजू,<br>प्रो. एन विश्वनाथन, | तमस एमवीएस, रीवा मध्य प्रदेश से संबंधित ईएम डिजाइन और चित्रों की पुनरीक्षा | एनसीसी लिमिटेड, वरंगल | 1.15 |
| **यांत्रिक अभियांत्रिकी** | | | | |
| 4. | प्रो जया कृष्ण देवनुरी | प्रभावी थर्मल प्रबंधन के लिए लिथियम आयन बैटरी पैक का सिमुलेशन (परामर्श परियोजना) | एएसीसीएनई सॉल्यूशंस प्रा. प्रा लि, चेन्नै | 6.49 |
| 5. | प्रो जया कृष्ण देवनुरी | एचवीएसी ड्राइंग, हीट लोड का प्रूफ रीडिंग/वीटिंग (परामर्श परियोजना ) | सत्या इलिन्द्र इंजीनियर्स, हैदराबाद | 0.41 |
| 6. | प्रो प्रशांत आनंद कुमार लाम | घरेलू रेफ्रिजरेटर के प्राकृतिक संवहन हीट एक्सचेंजर्स के लिए सहसंबंधों का प्रायोगिक विश्लेषण और विकास | व्हर्लपूल कॉर्पोरेशन | 8.02 |
| 7. | प्रो अनंत कुमार राय | तलछट की निगरानी और आग की लपटों में बजट 2, सिक्किम में 110 मेगावाट की जल विद्युत परियोजना प्रचालनात्मक है | स्टेटक्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड | 3.00 |
| 8. | प्रो. शिवरामन | 2319 रिंग की वाम रिंग का निर्माण और आपूर्ति | वीएसएससी | 2.00 |




रिसर्च स्कॉलर्स कॉन्फ्लुएंस राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल का वार्षिक रिसर्च स्कॉलर्स डे है, और यह 17 फरवरी 2024 को आयोजित किया गया था। इंद्रनील मन्ना, कुलपति, बिट्स मेसरा रांची मुख्य अतिथि थे और उन्होंने "विज्ञान - इंजीनियरिंग - प्रौद्योगिकी नवाचार और सिनर्जी" नामक विषय के साथ सभा को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में सभी विभागों के विद्वानों ने भाग लिया और 158 विद्वानों ने पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम

से अपने शोध का प्रदर्शन किया। सभी विभागों के 29 विद्वानों को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर (विजेता और उपविजेता) प्रस्तुति के लिए पुरस्कार दिए गए।



Inauguration of CoE for digital manufacturing and automation by Prof. Indranil Manna

"डिजिटल विनिर्माण और स्वचालन" के लिए उत्कृष्टता केंद्र (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल और सीमेंस की एक संयुक्त पहल) का उद्घाटन 17 फरवरी 2024 को प्रो इंद्रनील मन्ना, (पूर्व निदेशक आईआईटी कानपुर) द्वारा किया गया था। केंद्र अनुसंधान एवं विकास प्रशिक्षण की सुविधा के लिए "उद्योग 4.0 और डिजिटलीकरण" के विषय क्षेत्र में स्थापित किया गया है। केंद्र नवोदित उद्यमियों को उत्पाद विचार से विनिर्माण प्रणाली के डिजिटल जुड़वां डिजाइन करने और स्मार्ट फैक्ट्री लैब के माध्यम से इसके काम को सत्यापित करने में सहायता करने का प्रयास करता है। यह 13 प्रयोगशालाओं के साथ एक बहु-विषयक केंद्र है, उत्पाद डिजाइन, उन्नत विनिर्माण, योजक विनिर्माण, आईओटी, मेक्ट्रोनिक्स, रोबोटिक्स, सीएनसी मशीन और ऑटोमेशन लैब। केंद्र शिक्षा और उद्योग के लिए कौशल विकास के अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है।

## अनुसंधान प्रकाशन

| विभाग | प्रकाशन | | | |
|---|---|---|---|---|
| | पत्रिकाएँ | सम्मेलन | पुस्तकें | पुस्तकों में अध्याय |
| जैव प्रौद्योगिकी | 65 | 28 | 04 | 36 |
| रासायनिक अभियांत्रिकी | 60 | - | - | 12 |
| रसायन विज्ञान | 67 | 01 | - | 06 |
| नागरिक अभियांत्रिकी | 111 | 56 | 5 | 40 |
| संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | 68 | 71 | - | - |
| विद्युत अभियांत्रिकी | 44 | 61 | - | 13 |
| इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | 49 | 29 | - | - |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान | 02 | - | - | - |
| गणितशास्त्र | 76 | 09 | | 04 |
| यांत्रिक अभियांत्रिकी | 203 | 77 | 3 | 16 |
| धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी | 44 | - | - | - |
| भौतिक विज्ञान | 109 | 33 | | 11 |
| प्रबंधन विद्यालय (प्रबंधन अध्ययन विभाग) | 15 | 1 | 1 | 2 |
| खेल गतिविधियों के लिए केंद्र (शारीरिक शिक्षा विभाग) | 7 | - | - | - |
| कुल | 920 | 366 | 13 | 140 |

प्रकाशन विवरण की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट लिंक https://nitw.irins.org/ पर क्लिक करें |

## नवाचार और इनक्यूबेशन केंद्र

सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सीआईआई) एक भूतल +2 बिल्डिंग है, जिसमें लगभग 30,000 वर्ग फुट का फ्लोर स्पेस है। केंद्र का मिशन "उद्योग के सहयोग से नई प्रक्रियाओं, उत्पादों, डिजाइन और प्रौद्योगिकियों के लिए अग्रणी नवाचारों को बढ़ावा देना है और इस तरह समाज में ज्ञान के अनुप्रयोग की सुविधा प्रदान करना है"। केंद्र के उद्देश्य निम्नलिखित हैं

1. अधिक से अधिक उद्योग को बढ़ावा देने के लिए - अकादमिक बातचीत, उद्योगों को इस केंद्र में अपनी शोध प्रयोगशालाएं स्थापित करने और परिसर में प्रतिभा का उपयोग करके अपनी शोध परियोजनाओं को पूरा करने के लिए आमंत्रित करके।
2. एनआईटी वरंगल के साथ अनुसंधान एवं विकास भागीदारी के इच्छुक पहली पीढ़ी के उद्यमियों को प्रोत्साहित करना या अन्यथा इस केंद्र में अपनी अनुसंधान प्रयोगशालाएं स्थापित करना।
3. संस्थान के मानदंडों के अनुसार उचित सुविधाएं, बुनियादी ढांचा और वित्तीय सहायता प्रदान करके बी. टेक और एम. टेक छात्रों की नवाचार परियोजनाओं को बढ़ावा देना।
4. उद्योग की संभावित आवश्यकताओं के लिए एनआईटी वरंगल की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के उन्मुखीकरण को सक्षम करने के लिए उद्योगों के वैज्ञानिकों और संकाय और एनआईटी वरंगल के छात्रों के बीच "परिसर में बातचीत" की सुविधा प्रदान करना।

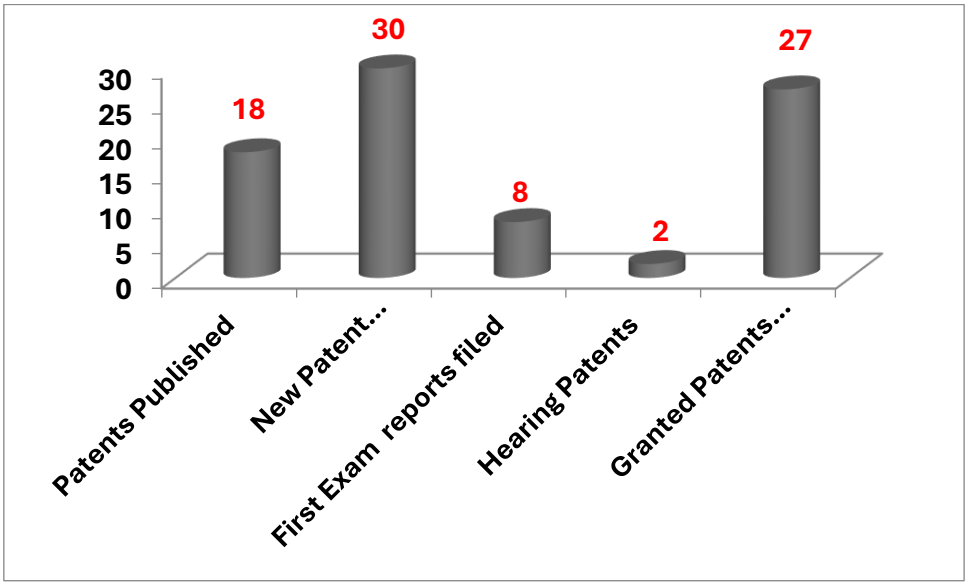
एनआईटी वरंगल एक प्रमुख तकनीकी संस्थान होने के नाते स्टार्टअप निर्माण, व्यवसाय इनक्यूबेशन, पूंजी तक आसान पहुंच और नए और अभिनव विचारों के साथ ज्ञान पहुंच के क्षेत्र में सीआईआई के माध्यम से विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करके प्रौद्योगिकी उद्यमिता की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा,

संस्थान द्वारा उद्यमशीलता दक्षताओं को विकसित करने के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के रूप में उद्यमिता विकास और उद्यम सृजन प्रदान करके उद्यमशीलता केंद्रित शिक्षा की ओर भी जोर दिया गया है। इसके अलावा, संरचित परामर्श कार्यक्रमों, लघु प्रशिक्षण के रूप में विभिन्न सहायता तंत्र भी प्रदान किए गए थे ताकि विचारों को नवाचार और स्टार्टअप प्रतिष्ठान में बदलने के लिए छात्रों के आत्मविश्वास का निर्माण किया जा सके। इनक्यूबेशन सुविधाएं न्यूनतम खर्च पर सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में स्थानीय स्टार्टअप के लिए भी खुली हैं, जिससे संस्थानों और देश के भीतर उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।

### *स्टार्टअप*

छात्र स्टार्टअप वर्तमान आवश्यकताएं हैं और बाजार विस्तार और रोजगार सृजन में एक शानदार अवसर प्रदान करते हैं। एनआईटी वरंगल  की स्टार्टअप नीति का लक्ष्य भारत सरकार के 'स्टार्टअप इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए छात्रों और युवा संकाय के बीच उद्यमशीलता को पोषित और प्रोत्साहित करना है। छात्रों को प्रोटोटाइप कार्यक्रमों में विचार सृजन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और टीईक्यूआईपी-III के माध्यम से आवश्यक हार्डवेयर की खरीद के लिए धन प्रदान किया जाता है।

**पेटेंट डेटा शैक्षणिक वर्ष 2023-24**




**प्रौद्योगिकी हस्तांतरण 2023**

| क्र.सं. | आचार्यों का नाम | प्रौद्योगिकी का शीर्षक | संगठन |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रो सोनवणे शिरीष हरि, | पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट झिल्ली (पीईएम) ईंधन सेल स्टैक और इसके घटकों के रचनात्मक डिजाइन और निर्माण | इनोवेटिव फिल्ट्रेक्स सूरत |
| 2. | प्रो सोनवणे शिरीष हरि, सीएच | नैनोकम्पोजिट लेपित सिरेमिक झिल्ली और हाइड्रोडायनामिक कैविटेशन आधारित हाइब्रिड तकनीक औद्योगिक प्रवाह के क्षरण के लिए और उसके बाद | इनोवेटिव फिल्ट्रेक्स सूरत |

## अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन




रासायनिक, ऊर्जा और पर्यावरण इंजीनियरिंग में नई सीमाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएनसीईई-2023)
24 नवंबर से 25 नवंबर 2023
**रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग**



दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कोकोले 2023, वरंगल , भारत,
29 - 31 अगस्त 2023
**संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग**




उन्नत संचार और मशीन इंटेलिजेंस (एमआईसीए) पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन,
30 - 31 अक्टूबर 2023
**संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग**



सतत ऊर्जा और ऊर्जा अनुसंधान 2024 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसएमईआर -2024)
1 -3 मार्च 2024
**विद्युत अभियांत्रिकी विभाग**




खनिज, धातु सामग्री में प्रगति पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया
22 सितंबर - 23 सितंबर 2023
**धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग**




सतत प्रौद्योगिकियों के लिए उभरती बहुक्रियाशील सामग्री और उपकरणों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई ई एम डी एस टी-2024) 4 और 5 जुलाई 2024
**भौतिक विज्ञान विभाग**



इंडियन सोसाइटी ऑफ थियोरेटिकल एंड एप्लाइड मैकेनिक्स (आईएसटीएएम) - 2023
7 -9 दिसंबर, 2023
गणितशास्त्र विभाग



**प्रो. विद्याधर सुबुद्धि**
निदेशक, एनआईटीडब्ल्यू और अध्यक्ष, आरएसी



डॉ टाटा नरसिम्हा राव,
निदेशक, एआरसीआई, हैदराबाद



डॉ. रामानुज नारायण
निदेशक सीआईएमएमटी, भुवनेश्वर



प्रो अमित प्रशांत,
सिविल इंजीनियरिंग, आईआईटी गांधीनगर



प्रो संतोष के द्विवेदी,
यांत्रिक अभियांत्रिकी, आईआईटी गुवाहाटी



प्रो सुदीप मिश्रा,
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी.
आईआईटी खड़गपुर



प्रो एम चंद्रशेखर,
निदेशक, आईआईएम
विशाखापत्तनम



प्रो. विवेक अग्रवाल,
विद्युत अभियांत्रिकी, आईआईटी बॉम्बे

**अनुसंधान सलाहकार समिति**

**अनुसंधान और विकास कॉन्क्लेव और इंडस्ट्री आउटरीच**

एनआईटी वरंगल ने 15-16 दिसंबर, 2023 को एक अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) सम्मेलन और उद्योग आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो विद्याधर सुबुद्धि ने किया। एआरसीआई के निदेशक प्रो टाटा नरसिंग राव ने ट्रांसलेशनल रिसर्च का अवलोकन प्रदान किया।





कार्यक्रम के दौरान, प्रो **विद्याधर सुबुद्धि**, डॉ. रामानुज नारायण, निदेशक सीएसआईआर एमएमटी, भुवनेश्वर, डॉ. एस. ग्लोरी स्वरूप, महानिदेशक एनआईएमएसएमई, और डॉ. जे. आर. जोशी, परियोजना निदेशक, डीआरडीएल के साथ, ने एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया कि कैसे एनआईटी उद्योग भागीदारों को अपने नवाचारों का प्रदर्शन कर सकते हैं। विभिन्न स्टालों ने अनुसंधान एवं विकास नवाचारों को प्रदर्शित किया, जिससे उद्योग के विशेषज्ञों को शिक्षाविदों के साथ जुड़ने और इन प्रौद्योगिकियों को अपनाने में रुचि व्यक्त करने की अनुमति मिली।




Industry Outreach


TIONS INDIA PVT LTD


VNIT NAGPUR
NIT CALICUT

## आई आई एन वी ई एन टी आई वी - 2024 में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का प्रदर्शन (19-20 जनवरी 2024, आईआईटी हैदराबाद)

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल ने प्रतिष्ठित आईआईएनवीईएनटीआईवी - 2024 कार्यक्रम के दौरान सतत प्रौद्योगिकी श्रेणी के तहत स्वदेशी तकनीक, "कपड़ा प्रवाह उपचार के लिए हाइब्रिड अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली" का गर्व से प्रदर्शन किया, जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा किए गए अनुसंधान और नवाचार के प्रभाव को प्रदर्शित करना है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया। एनआईटी वरंगल ने सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी श्रेणी के तहत स्वदेशी तकनीक, "हाइब्रिड अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली फॉर टेक्सटाइल एफ्लुएंट ट्रीटमेंट" का गर्व से प्रदर्शन किया।




### संस्थान व्याख्यान श्रृंखला



प्रो पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती
आईआईटी खरगपुर

विषय: प्रभावी पीएच.डी. पर्यवेक्षण



प्रो शांतनु भट्टाचार्य
निर्देशक, आईआईएसईआर
तिरुपति

विषय: प्रभावी पीएच.डी. पर्यवेक्षण के विविध पहलू



प्रो अशोक झुनझुनवाला
आईआईटीएम रिसर्च पार्क के अध्यक्ष
विषय: विश्वविद्यालय के माहौल में स्टार्ट-अप को सफल बनाना



डॉक्टर तपन नायक
यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन, यूएसए
विषय: सर्न लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर में बिग बैंग की स्थिति को फिर से बनाना



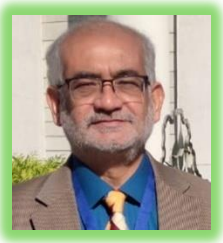
प्रो शुभाशीष डे
प्रमुख, नागरिक अभियांत्रिकी,
आईआईटी जोधपुर
विषय: तलछट परिवहन के हाइड्रोडायनामिक्स: अनाज पैमाने से सातत्य पैमाने तक



प्रो मंजू शर्मा
उप निदेशक, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो, हैदराबाद
विषय: इसरो के पृथ्वी अवलोकन उपग्रह, डेटा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में महिलाएं



डी.आर. नेटेम वेंकटेश्वरलु चौधरी
प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईआईसीटी
हैदराबाद
विषय: ऊर्जा संक्रमण - चुनौतियां और अवसर



प्रोफ़ेसर इंद्रनील मन्ना
अध्यक्ष, आईएनएई
कुलपति, बीआईटी मेसरा, रांची
विषय: विज्ञान- अभियांत्रिकी - प्रौद्योगिकी नवाचार और सिनर्जी



प्रो अजय कुमार दलाई
सस्केचेवान विश्वविद्यालय, कनाडा
विषय: बायोप्रोसेसिंग टेक्नोलॉजीज का उपयोग करके प्रदूषण उन्मूलन के लिए बायोमास से स्वच्छ सतत ऊर्जा उत्पादन



प्रो सरमा वी. पिसुपति
पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी,
यूएसए



प्रो देवांग खाखर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे
विषय: दानेदार प्रवाह, मिश्रण और अलगाव के मूल सिद्धांत



डॉ. कोमल कपूर
परमाणु ईंधन परिसर (एनएफसी)
अध्यक्ष, एनएफसी बोर्ड

विषय: शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन की ओर मार्ग: चुनौतियाँ और अनुसंधान आवश्यकताएँ

विषय: परमाणु ऊर्जा आधार बनाने के लिए विनिर्माण क्षमता



श्री संजीव कुमार वार्षणेय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
विषय: अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग



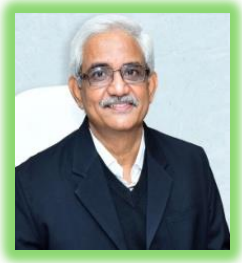
प्रो एस के सारंगी
एफएनएई, प्रोफेसनल फेलो, आईआईटी भुवनेश्वर।
विषय: क्रायोजेनिक्स के लिए विद्युत अभियांत्रिकी



डॉ आर एन संखुआ,
पीएचडी, एफआईई, सीई (आई), मुख्य अभियंता, दक्षिण, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार
विषय: आईएलआर में विशिष्ट डिजिटल हाइड्रोलिक इन्फ्रास्ट्रक्चर की कल्पना करना



श्री विनीत आर भट्ट
विषय: केवल डिग्री अर्जित करने की तुलना में एक सफल कैरियर बनाने में अधिक समय लगता है



प्रो के. उमामहेश्वर राव
निदेशक, एनआईटी राउरकेला
विषय: राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2022



प्रो यिंग-चिह लियाओ
रासायनिक अभियांत्रिकी, राष्ट्रीय ताइवान विश्वविद्यालय, ताइवान
एसपीएआरसी संसाधन व्यक्ति: प्रतिक्रियाशील ईंधन, छोटी बूंद ब्रेक-अप, इंकजेट प्रिंटिंग और स्याही गठन का मॉडलिंग और विश्लेषण



डॉ. राजेंद्र स. वर्मा
पर्यावरण समाधान और आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र, यू.एस.ए.
विषय: कार्बनिक संश्लेषण में गैर-पारंपरिक तरीके



डॉ. कल्याणपु अल्फ्रेड ज.
टेनेसी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, टेनेसी, यूएसए
विषय: 21 वीं में जल संसाधन सदी: चुनौतियों से निपटना और स्थिरता की दिशा में प्रगति करना



प्रो हेनरिक लियोन
रसायन विज्ञान और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग चाल्मर्स प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, स्वीडन
एस पी ए आर सी संसाधन व्यक्ति:
सतत बिजली और हाइड्रोजन उत्पादन के लिए लूपिंग टेक्नोलॉजीज



प्रो. मनोज गुप्ता
सिंगापुर विश्वविद्यालय
एस पी ए आर सी संसाधन व्यक्ति:
उन्नत समग्र सामग्री



प्रो योगेन्द्र कुमार मिश्रा
दक्षिणी डेनमार्क विश्वविद्यालय, डेनमार्क
एसपीएआरसी संसाधन व्यक्ति:
भविष्य के ऑप्टोइलेक्ट्रोनिक टेक्नोलॉजीज के लिए हाइब्रिड-नैनोट्रापॉड संरचनाओं का निर्माण और मॉडलिंग

## समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

**सहयोगी/भागीदार**




Prof. Bidyadhar Subudhi, Director, NIT Warangal and Prof.Goutam Sutradhar, Director, NIT Jamshedpur exchanging the MoU



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद
Indian Institute of Technology Hyderabad





विद्याधनं सर्वधन प्रधानम्

IIT JAMMU




विद्या परं दैवतम्

IIM

VISAKHAPATNAM




IIITDM

KURNOOL



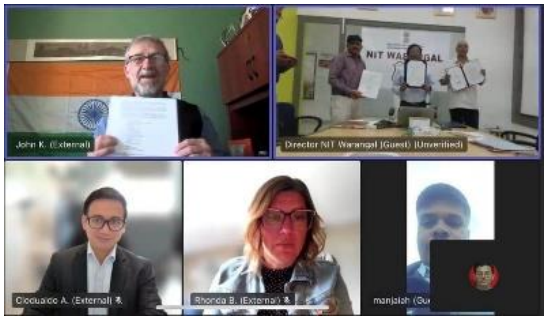

Technologies
SEMINAR AT NIT, WARANGAL
FEBRUARY 13, 2024










John K. (External)
Director NIT Warangal (Guest) (Unverified)
Cioduaioe A. (External)
Rhonda B. (External)

## अंतर्राष्ट्रीय संबंध और पूर्व छात्र गतिविधियाँ

### 1) इंटरनेशनल एलुमनी मीट

एनआईटी वरंगल  एलुमनी एसोसिएशन (एनआईटीडब्ल्यूएए) ने 15 से 18 मार्च 2024 तक काठमांडू, नेपाल में लगभग 100 पूर्व छात्रों के साथ उनके परिवारों और एनआईटीडब्ल्यू फैकल्टी के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय पूर्व छात्र बैठक का आयोजन किया है।  इस दौरान पूर्व छात्र बैठक के साथ ही 26वीं कार्यकारी परिषद की बैठक भी हुई।

### 2) विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार (डी ए ए)

"वर्ष 2023 के लिए विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार" के पुरस्कार विजेता निम्नलिखित हैं

| S No | फोटो | डीएए श्रेणी | पुरस्कार विजेता का नाम | वर्तमान स्थिति |
|---|---|---|---|---|
| 1. |  | व्यावसायिक उत्कृष्टता - शैक्षणिक और अनुसंधान | डॉक्टर कौशिक कुमार बी. टेक (मेक) - 1990 | प्रो, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची, झारखंड |
| 2. |  | व्यावसायिक उत्कृष्टता - उद्योग/कॉर्पोरेट | डॉ. श्रीनिवास म. मंत्रला बी. टेक (सिविल) - 1986 | हेड, फिक्स्ड इंफ्रास्ट्रक्चर, नाकाला लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर, वल्कन इंटरनेशनल, मोजाम्बिक |
| 3. |  | व्यावसायिक उत्कृष्टता - उद्योग / कॉर्पोरेट | श्री वीएनआर नायडू बी. टेक (एम ई टी) - 1993 | मुख्य महाप्रबंधक, भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद |
| 4. |  | लोक सेवा - लोक प्रशासन | श्री मुथियाला राजू रेवु बी. टेक (ई ई ई) - 2002 | आंध्र प्रदेश राज्य सरकार के प्रधान सचिव |
| 5. |  | लोक सेवा - सामाजिक और सामुदायिक सेवा | श्री राजा श्रीनिवास राव ऐता बी. टेक (सिविल) - 1994 | लीड प्रोजेक्ट लाइट- अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी, अबू धाबी (एडीएनओसी ऑफशोर) |

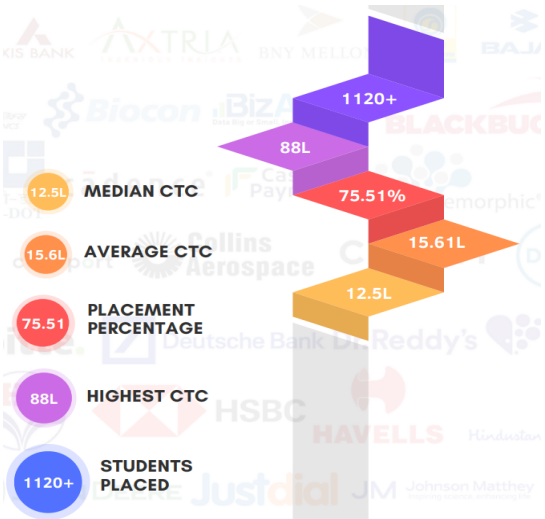
## नियोजन विवरण

### कैरियर योजना और विकास के लिए केंद्र (सीसीपीडी)

संभावित मंदी के प्रभावों के साथ एक चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल के बावजूद, एनआईटी वरंगल के सेंटर फॉर करियर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट (सीसीपीडी) ने 2023-24 में एक सफल प्लेसमेंट सीजन दिया। जून के अंत तक, एक उल्लेखनीय **75.5%** पात्र छात्रों ने प्लेसमेंट हासिल किया, जो छात्र की सफलता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। पात्र 1483 छात्रों में से कुल 1128 छात्रों को दुनिया भर में प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा भर्ती किया जाता है। विशेष रूप से, स्नातक छात्रों के लिए 8% का उच्च प्रतिशत 746 उम्मीदवारों में से 615 छात्र के प्लेसमेंट के रूप में प्राप्त किया जाता है। सभी विभागों में प्री-फाइनल वर्ष के छात्रों द्वारा अब तक 270 इंटर्नशिप ऑफर प्राप्त हुए हैं। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में करीब 300 कंपनियों की आमद देखी गई, जिनमें से 30% पहली बार आ रही थीं। माइक्रोसॉफ्ट , ओरेकल, मास्टरकार्ड, गोल्डमैन सैक्स, डीई शॉ, सेल्सफोर्स, सिटी बैंक, कैटरपिलर, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, बीपीसीएल आदि जैसी वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित कंपनियों ने इस साल के भर्ती सत्र में भाग लिया। 88 लाख रुपये का उच्चतम पैकेज "**थॉट स्पॉट**" कंपनी द्वारा ईसीई विभाग से श्री रवि शाह को दिया गया था। सीएससी, ईसीई, एमई, ईईई के कुल 12 छात्रों को अकेले ओरेकल कंपनी द्वारा 68 लाख की पेशकश की गई थी। एस्टर-वर्षों के नक्शेकदम पर चलते हुए, आईटी क्षेत्र ने सभी कार्यक्रमों से कुल एफ टी ई ऑफ़र का लगभग 54% योगदान करके ए वाई 2023-24 में फ्रेशर स्नातकों को काम पर रखने में प्रभुत्व दिखाया। सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट, डेटा एनालिस्ट और अन्य जैसी आईटी भूमिकाओं की सबसे अधिक मांग पाई गई।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में करीब 300 कंपनियों की आमद देखी गई, जिनमें से 30% पहली बार आ रही थीं। सीसीपीडी ने सभी विभागों के छात्रों के लिए कठोर प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों और सहयोगी कार्यक्रमों के माध्यम से सक्रिय रूप से कई पहल की हैं। छात्रों के संचार, व्यावहारिक डोमेन ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें वर्तमान भर्ती परिदृश्य के आधार पर साक्षात्कार के लिए तैयार करने के लिए पाठ्यक्रम की पेशकश की गई थी। इसके अलावा, विभागों और बाहरी संगठनों के सहयोग से, सीसीपीडी ने संचार कौशल-निर्माण कार्यशालाओं, औद्योगिक यात्राओं और इंटर्नशिप जैसे कार्यक्रमों की मेजबानी की। 2023-24 में एनआईटी वरंगल का प्लेसमेंट रिकॉर्ड संस्थान की अपने छात्रों के करियर के विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करना, उद्योग साझेदारी को बढ़ावा देना और छात्रों को आवश्यक कौशल से लैस करना, सीसीपीडी आने वाले वर्षों में निरंतर सफलता सुनिश्चित करने के लिए अच्छी तरह से तैनात है।

### नियोजन आँकड़े



## केंद्रीय पुस्तकालय

**परिचय**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वरंगल  में केन्द्रीय पुस्तकालय, जिसकी स्थापना संस्थान की स्थापना के साथ ही की गई थी, प्रशासनिक ब्लॉक के निकट स्थित है। पुस्तकालय 4000 वर्ग मीटर (भूतल + 2 मंजिल) के एक प्लिंथ क्षेत्र के साथ स्थित है, जिसमें स्टैक रूम (पाठ्यपुस्तकों के लिए), रीडिंग हॉल (संदर्भ अनुभाग), वर्तमान पत्रिकाएं / आवधिक क्षेत्र (प्रिंट संस्करण), समाचार पत्र अनुभाग, वीडियो व्याख्यान कक्ष, डिजिटल पुस्तकालय, पुस्तक बैंक, अलग संदर्भ क्षेत्र (टीईक्यूआईपी हॉल) शामिल हैं। केंद्रीय पुस्तकालय संस्थान के छात्रों, आचार्यों और गैर- आचार्यों के लिए आवश्यक पुस्तकें प्रदान करके संस्थान की नियमित शैक्षणिक गतिविधियों (शिक्षण और अनुसंधान) का समर्थन करता है। यह संस्थान के उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं के अनुसार सूचना का प्रसार भी करता है.

**सीखने के संसाधन (ई-संसाधनों सहित):**

केंद्रीय पुस्तकालय में अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी, विज्ञान, प्रबंधन और मानविकी और सामाजिक विज्ञान पर संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला है.

| क्र.सं. | संग्रह | बड़ तादाद |
|---|---|---|
| 1. | पुस्तकों की संख्या | 1,83,697 |
| 2. | ई-पुस्तकों की संख्या | 350 |
| 4. | सदस्यता ली गई ई-पत्रिकाओं की संख्या | 8977 |
| 5. | प्रिंट पत्रिकाओं की संख्या | 17 |
| 6. | बुक बैंक में पुस्तकों की संख्या (एस.सी. और एस.टी. बुक बैंक सहित) | 30,445 |

केंद्रीय पुस्तकालय ई-शोधसिंधु कंसोर्टियम का सदस्य है और ई-शोधसिंधु कंसोर्टियम और संस्थान के फंड के माध्यम से ऑनलाइन पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। एमवाईएलओएफटी  ऐप के माध्यम से, रिसर्च स्कॉलर और आचार्यगण एन आई टी डब्लू द्वारा सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों को कहीं भी और कभी भी एक्सेस कर सकते हैं। एनआईटी वरंगल  द्वारा सब्सक्राइब की गई– ई-पत्रिकाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

**ई-जर्नल सदस्यता और डेटाबेस:**

| Sl.No। | डेटाबेस / प्रकाशकों का नाम | पत्रिका ओं की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | एएसटीएम मानक + डिजिटल लाइब्रेरी | डेटाबेस |
| 2. | एल्सेवियर साइंस डायरेक्ट | 1,112 |
| 3. | एमराल्ड ए-शोधसिंधु | 309 |
| 4. | रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री | 56 |
| 5. | ऋषि - सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग संग्रह | 85 |
| 6. | स्किफाइंडर स्कॉलर | डेटाबेस |
| 7. | स्प्रिंगर लिंक | 1,714 |
| 8. | टेलर और फ्रांसिस | 349 |
| 9. | अमेरिकन केमिकल सोसायटी पत्रिकाओं | 80 |
| 10. | आईईईई ऑनलाइन | 595 |
| 11. | मैथसाईनेट | डेटाबेस |
| 12. | जॉन विले & संस लिमिटेड | 11 |
| 13. | IOP पत्रिकाओं | 4 |
| 14. | विश्व वैज्ञानिक ई-पत्रिकाएं | 2 |
| 15. | एआईपी पत्रिकाएं | 2 |
| 16. | सियाम ई-जर्नल | 2 |
| 17. | ICE प्रकाशन ई-पत्रिकाएँ | 2 |
| 18. | एनआरसी रिसर्च प्रेस जर्नल | 2 |
| | **कुल** | **4325** |

**ईएसएस कंसोर्टियम के माध्यम से इनफ्लिबनेट द्वारा प्रदान किए गए ई-संसाधन:**

| Sl.No। | डेटाबेस / प्रकाशकों का नाम | पत्रिकाओं की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी | 1153 |
| 2. | ए एस सी ई पत्रिकाएँ ऑनलाइन | 36 |
| 3. | ए एस एम ई  पत्रिकाओं ऑनलाइन | 36 |
| 4. | जे-गेट प्लस | सार डेटाबेस |
| 5. | जेएसटीओआर | 3,165 |
| 6. | ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस | 262 |
| 7. | वेब आफ साइंस | उद्धरण डेटाबेस |
| | **कुल** | **4652** |

**पुस्तकों की खरीद वित्तीय वर्ष 2023-24:**

केंद्रीय पुस्तकालय ने विभागाध्यक्षों की सिफारिशों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 1432 प्रिंट पुस्तकों की खरीद की.

**पुस्तकालय सांख्यिकी:**

| | |
|---|---|
| कुल निर्मित क्षेत्र | 4,000 वर्ग मीटर |
| पुस्तकालय स्टाफ सदस्य | 12 |
| पुस्तकों की संख्या | 1,83,697 |
| रिप्रोग्राफिक सुविधा | हाँ |
| पढ़ने की जगह में सीटों की संख्या | 472 |
| वार्षिक बजट | 5 करोड़ (लगभग) |
| कार्य दिवसों के दौरान समय | सुबह 8:45 बजे से रात 9:00 बजे तक |
| शनिवार और रविवार को समय | सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक (राष्ट्रीय छुट्टियों पर बंद) |

**डिजिटल लाइब्रेरी:**

केंद्रीय पुस्तकालय ने प्रोफेसरों और छात्रों के लाभ के लिए डिजिटल लाइब्रेरी के लिए उच्च विन्यास (32 रैम और 1 टीबी एचडीडी) के साथ 60 नए कंप्यूटर हासिल किए हैं और स्थापित किए हैं.

**स्व-शिक्षण गतिविधियों के लिए छात्रों को सहायता:**

- केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में नए शामिल हुए प्रोफेसरों और छात्रों के लिए उपयोगकर्ता अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करता है.
- केन्द्रीय पुस्तकालय को इंटरनेट तक वायरलेस अभिगम प्रदान करने के लिए वाई-फाई सक्षम किया गया है। पुस्तकालय में अपने लैपटॉप का उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ताओं का स्वागत है.

**रिमोट एक्सेस सेवा:**

सेंट्रल लाइब्रेरी ने रिसर्च स्कॉलर्स और फैकल्टी को लाभ पहुंचाने के लिए "रिमोट एक्सेस सर्विसेज - मायलॉफ्ट (माई लाइब्रेरी ऑन फिंगरटिप्स)" नामक एक नई सेवा शुरू की। है। एमवाईएलओएफटी एक मोबाइल ऐप है। है। एमवाईएलओएफटी के माध्यम से, शोधार्थी और आचार्यगण कभी भी सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं।

**केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम:**

- केंद्रीय पुस्तकालय ने आचार्यों, पीजी और पीएचडी छात्रों के लाभ के लिए 17 अगस्त 2023 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक "अनुसंधान नैतिकता और पुस्तकालय संसाधन" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया.
- केंद्रीय पुस्तकालय ने 26 और 27 अप्रैल 2024 को "उभरते पुस्तकालय और सूचना प्रौद्योगिकी" (एनसीईलाइट-2024) पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया है। सम्मेलन में पूरे भारत के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।




**संकाय सूचना प्रणाली:**

केंद्रीय पुस्तकालय ने संस्थान के संकाय सदस्यों की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को प्रदर्शित करने और विद्वानों के अनुसंधान नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करने के लिए भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आईआरआईएनएस) के तहत एक नई "आचार्य सूचना प्रणाली" लागू की है।

एनआईटीडब्ल्यू-भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आईआरआईएनएस) मौजूदा अनुसंधान प्रबंधन प्रणाली जैसे एचआर प्रणाली, पाठ्यक्रम प्रबंधन, अनुदान प्रबंधन प्रणाली, संस्थागत भंडार, मुक्त और वाणिज्यिक उद्धरण डेटाबेस, विद्वानों के प्रकाशकों आदि को एकीकृत करने में सहायता करेगी। इसे विभिन्न स्रोतों से

विद्वानों के प्रकाशनों को अंतर्ग्रहण करने के लिए ओरकिड आईडी, स्कोपस आईडी, रिसर्च आईडी, माइक्रोसॉफ़्ट आकादिमिक आईडी और गूगल स्कॉलर आईडी जैसी अकादमिक पहचान के साथ एकीकृत किया जाएगा। यह संकाय सूचना प्रणाली एनआईआरएफ, टीएचई और अन्य अंतरराष्ट्रीय रेकिंग सिस्टम के लिए स्रोत बन सकती है।

**संस्थागत रिपोजिटरी:**

केंद्रीय पुस्तकालय ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वरंगल के विद्वानों के प्रदर्शन को प्रदर्शित करने, व्यवस्थित करने, साझा करने और संरक्षित करने के लिए संस्थागत भंडार बनाया है। रिपोजिटरी को एनआईटीडब्ल्यू द्वारा बनाए गए ज्ञान संसाधनों तक पहुंच प्रदान करके और विद्वानों की भावी पीढ़ियों के लिए इसे संरक्षित करके विद्वानों के संचार को सुविधाजनक बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। केंद्रीय पुस्तकालय को भंडार की मेजबानी और रखरखाव करने और एनआईटीडब्ल्यू समुदाय के ज्ञान संसाधनों तक पहुंच की सुविधा प्रदान करने पर गर्व है। http://ir.library.nitw.ac.in:8080/jspui/

**शोधगंगा:**

पीएचडी शोध की संपूर्ण सामग्री को शोधगंगा पर अपलोड किया गया है: भारतीय शोध का एक भंडार @ इनफ्लिबनेट. एनआईटीडब्ल्यू थीसिस को नीचे दिए गए लिंक से एक्सेस किया जा सकता है:

https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/349258

**सर्वोत्तम प्रक्रियाएं:**

केंद्रीय पुस्तकालय, सर्वोत्तम कार्यविधियों का पालन करता है जैसे

- छात्रों, प्रोफेसरों और कर्मचारियों के नए शामिल हुए छात्रों के लिए सूचना विवरणिका का प्रसार.
- हम केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में नए शामिल हुए आचार्यगण और छात्रों के लिए उपयोगकर्ता अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं.
- संस्थान और देश के अन्य संस्थानों द्वारा सूचना प्रदर्शन और अधिसूचनाएं.

**पुस्तकों, पत्रिकाओं/पत्रिकाओं और विविध सामग्री पर पुस्तकालय व्यय:**

| साल | व्यय (रु. में) | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | पुस्तकें | पत्रिकाएं/पत्रिकाएं (प्रिंट सदस्यता) | ई-जर्नल और डेटाबेस | उपकरण/फर्नीचर | विविध व्यय | कुल |
| 2023-24 | 24,82,387.00 | 16,398.00 | 4,34,47,494.68 | 15,66,278.00 | 19,26,760.00 | 4,94,39,317.68 |
| 2022-23 | 32,39,222.00 (ई-पुस्तकें) | 63,698.00 | 4,30,76,587.00 | 57,92,286.00 | 4,82,704.00 | 5,26,54,497.00 |
| 2021-22 | 2,75,776.00 | 89,100.00 | 3,67,57,506.40 | 3,46,920.00 | 3,56,899.00 | 3,78,26,201.40 |
| 2020-21 | 26,76,732.00 (ई-पुस्तकें) | 43,580.00 | 2,91,94,331.00 | 23,68,286.00 | 1,45,233.00 | 3,44,28,162.00 |
| 2019-20 | शून्य | 83,761.00 | 2,84,25,105.00 | 6,08,804.00 | 1,63,732.00 | 2,92,81,402.00 |

## जैव प्रौद्योगिकी विभाग

एनआईटी वरंगल  में जैव प्रौद्योगिकी विभाग नवाचार, अनुसंधान और अकादमिक उत्कृष्टता के लिए एक प्रमुख केंद्र है, जो जैव प्रौद्योगिकी में बी.टेक., एम.टेक और पीएचडी कार्यक्रम पेश करता है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना **2006** में टीईक्यूआईपी पहल के तहत जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में बी.टेक के साथ की गई थी। विभाग ने लगातार अपने शैक्षणिक प्रसाद का विस्तार किया है। एम.टेक कार्यक्रम **2021** में पेश किया गया था, और पीएचडी कार्यक्रम **2008** में शुरू हुआ था। जैव प्रौद्योगिकी उद्योग की लगातार विकसित मांगों को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है और नवीनतम प्रगति के साथ संरेखित करने के लिए नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। जैव प्रौद्योगिकी के विविध डोमेन में विशेषज्ञता वाले **20** समर्पित संकाय सदस्यों के साथ, विभाग एक जीवंत शैक्षणिक और अनुसंधान वातावरण को बढ़ावा देता है। विभाग ने कई अनुसंधान परियोजनाओं को सफलतापूर्वक निष्पादित किया है और वर्तमान में भारत सरकार के तहत डीबीटी, डीएसटी, आईसीएमआर और सीएसआईआर जैसी प्रमुख एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित **10** चल रही अनुसंधान परियोजनाओं का प्रबंधन करता है। विभाग सक्रिय रूप से विभिन्न एजेंसियों से वित्त पोषण के माध्यम से अनुसंधान सहयोगियों का समर्थन करता है और उद्योगों के लिए परामर्श परियोजनाएं भी शुरू करता है, जो शिक्षा और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच अंतर को पाटता है। हमारे छात्र प्रतिष्ठित फेलोशिप और इंटर्नशिप के प्राप्तकर्ता रहे हैं, जिनमें शामिल हैं: खुराना स्कॉलर्स प्रोग्राम, डीएएडी फैलोशिप, एमआईटीएसीएस फैलोशिप और आईएनएसए फैलोशिप।

| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन | पत्रिकाएं | 65 |
| | सम्मेलन | 28 |
| | पुस्तकें | 04 |
| | पुस्तक अध्याय | 36 |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | 01 |
| | स्नातकोत्तर | 01 |
| | पीएचडी | 01 |
| प्रदान की गई डिग्रियाँ | स्नातकीय | 70 |
| | परास्नातकीय | 20 |
| | पीएचडी | 09 |
| एफडीपी/सम्मेलनों का आयोजन | | 01 |
| कर्मचारियों की संख्या | | 07 |

**आचार्य और उनकी विशेषज्ञता:**

| क्र. सं. | नाम एवं योग्यता | | विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **आचार्य** | | | |
| 1. |  | प्रो. कोर्रापति नरसिम्हुलु पीएचडी (एनआईटी वरंगल ) | पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी, मॉडलिंग और बायोप्रोसेस का सिमुलेशन, जैव ईंधन और बायोएनेर्जी, सिस्टम जीवविज्ञान |
| 2. |  | प्रो. आर. सतीश बाबू पीएचडी (जेएनटीयू हैदराबाद) | बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी मॉडलिंग और बायोप्रोसेस मेटाबोलिक इंजीनियरिंग जैव सूचना विज्ञान का अनुकरण |
| 3. |  | प्रो. श्रीनिवासा राव पारचा पीएचडी (जेएनटीयू हैदराबाद) | स्टेम सेल इंजीनियरिंग, डाउनस्ट्रीम प्रसंस्करण और एंजाइम इंजीनियरिंग |
| **सह आचार्य** | | | |
| 4. |  | प्रो. प्रकाश सौदागर विभागाध्यक्ष<br>पीएचडी (आईआईटी गुवाहाटी) | आणविक कोशिका जीवविज्ञान और प्रोटीन जैव रसायन, संक्रामक रोगों के लिए आणविक दृष्टिकोण, आणविक और जैव रासायनिक परजीवी विज्ञान |
| 5. |  | प्रो. अमिताभ बंधु पीएचडी (कलकत्ता विश्वविद्यालय) | माइकोबैक्टीरिया में जीन विनियमन, प्रोटीन जैव रसायन, प्रोटीन की संरचनात्मक गतिशीलता |
| 6. |  | प्रो. असीम बिकास दास पीएचडी (आईआईटी गुवाहाटी) | कम्प्यूटेशनल जीनोमिक्स, नेटवर्क सिस्टम बायोलॉजी, एआई और प्रेसिजन मेडिसिन |
| 7 |  | प्रो. ओंकारा पेरुमल पी पीएचडी (एनआईटी वरंगल ) | जैव सूचना विज्ञान; कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान; कार्यात्मक जीनोमिक्स; चयापचय संबंधी विकार |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 8. |  | प्रो. रामा राजू बी<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल ) | मेटाबोलिक अभियांत्रिकी, जैव ईंधन और बायोमैटेरियल्स |
| 9. |  | प्रो. उर्मिला सक्सेना<br>पीएचडी (आईआईटी गुवाहाटी) | बायोमार्कर पहचान के लिए जैविक डेटा का सांख्यिकीय विश्लेषण; चिकित्सा बायोसेंसर; नैनोबायोटेक्नोलॉजी |
| 10. |  | प्रो. वी. कोहिला<br>पीएचडी (आईआईटी गुवाहाटी) | प्रोटीन अभियांत्रिकी, इम्यूनोलॉजी |
| **सहायक आचार्य** | | | |
| 11. |  | प्रो. अंबुमती पी<br>पीएचडी (आईआईटी बॉम्बे) | सिस्टम जीवविज्ञान, रोग मानचित्र, गणितीय मॉडलिंग और जैविक प्रणालियों का अनुकरण |
| 12. |  | प्रो. आशीष प्रभु<br>पीएचडी (आईआईटी गुवाहाटी) | बायोप्रोसेस अभियांत्रिकी और मेटाबोलिक अभियांत्रिकी |
| 13. |  | प्रो. चोक्कालिंगम एस<br>पीएचडी (आईआईटी गुवाहाटी) | कैंसर जीव विज्ञान; कैंसर सेल सिग्नलिंग; कैंसर स्टेम सेल जीव विज्ञान |
| 14. |  | प्रो. एम. जेरोल्ड,<br>पीएचडी (एनआईटी कालीकट) | जैव ईंधन और जैव ऊर्जा; बायोप्रोसेसिंग; बायोसोर्प्शन; अपशिष्ट जल उपचार; जैव पृथक्करण; अल्गल जैव प्रौद्योगिकी; बायोपॉलिमर; बायोरिफाइनरी; बायोमास वीरता |
| 15. |  | प्रो. पेरुगु श्याम<br>पीएचडी (हैदराबाद विश्वविद्यालय) | जैव सूचना विज्ञान, सिस्टम जीव विज्ञान, कैंसर जीव विज्ञान, आणविक गतिशीलता और सिमुलेशन, ड्रग डिजाइन और डिस्कवरी, मशीन लर्निंग। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 16. |  | प्रो. प्रिया पी<br>पीएचडी (आईआईटी बॉम्बे) | कोशिका और आणविक जीव विज्ञान; एपिजेनेटिक्स |
| 17. |  | प्रो. रत्नप्रभा डी<br>पीएचडी (काकतिया विश्वविद्यालय) | प्लांट बायोटेक्नोलॉजी |
| 18. |  | प्रो. सौम्य लिप्सा रथ,<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | कम्प्यूटेशनल बायोफिज़िक्स, मशीन लर्निंग |
| 19. |  | प्रो.सूरजभान सेवड़ा<br>पीएचडी (आईआईटी दिल्ली) | पर्यावरण बायोप्रोसेस, जैव विद्युत प्रणाली |
| 20. |  | प्रो. थ्यागेश्वर चंद्रन<br>पीएचडी (आईआईएससी बंगलोर) | संरचनात्मक प्रोटिओमिक्स; मैक्रोमोलेक्यूल्स की आणविक गतिशीलता; आणविक बायोफिज़िक्स |

**पीएचडी डिग्री से सम्मानित:**

| Sl.No। | छात्र का नाम | थीसिस शीर्षक | पर्यवेक्षक (ओं) |
|---|---|---|---|
| 1. | गायन मैती | माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के Mce1R का कार्यात्मक और इन-सिलिको लक्षण वर्णन | अमिताव बंधु और परचा श्रीनिवास राव |
| 2. | एमडी मोमिना शानवाज़ | "विटेक्स नेगुंडो से शुद्ध जैविक रूप से सक्रिय यौगिक का इनविट्रो और इंसिलिको विश्लेषण"। | पेरुगु श्याम |
| 3. | सना मुनक्वाड | ग्लियोमा की सटीक चिकित्सा के लिए जीनोमिक्स डेटा के आधार पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल का विकास | असीम बिकास दास |
| 4. | सर्वपल्ली मोनिका | समुद्री बैक्टीरिया से साइडरोफोरस का उत्पादन, शुद्धिकरण और लक्षण वर्णन और भारी धातु केलेशन और चांदी नैनो कणों के संश्लेषण में उनका अनुप्रयोग | कोररापति नरसिम्हुलु |

## रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

विभाग की स्थापना वर्ष 1964 में हुई थी। विभाग उद्योग की मांगों को पूरा करने और शीर्ष प्रतिभा को आकर्षित करने के लिए डिज़ाइन किए गए B.Tech, M.Tech और पीएचडी सहित शैक्षणिक कार्यक्रमों की एक विविध सरणी प्रदान करता है। निपुण संकाय, सम्मिश्रण अनुभव और युवा, शिक्षण और अभूतपूर्व अनुसंधान में उत्कृष्टता। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस प्रयोगशालाएं अनुभवात्मक शिक्षा और उद्योग-संरेखित पाठ्यक्रम का समर्थन करती हैं। विभाग के पूर्व छात्र विश्व स्तर पर प्रमुख पदों पर हैं, जो प्रभावशाली नेताओं को आकार देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। विभाग 2014-15 में हमारी स्वर्ण जयंती जैसे मील के पत्थर तक पहुंच गया और प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की मेजबानी की। विभाग ने वर्षों में प्रशंसा प्राप्त की, जिसमें 2015 में B.Tech कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) से प्रतिष्ठित 5 साल की मान्यता, बाद में 2022 में एक और 6 साल की मान्यता शामिल है। M.Tech कार्यक्रम ने भी 2016 में इसी तरह की 5 साल की मान्यता अर्जित की। विभाग 30 छात्रों के प्रारंभिक सेवन से B.Tech में 126 की वर्तमान क्षमता तक विकसित हुआ है, जिसमें M.Tech में उद्योग के रुझानों और एक अच्छी तरह से वित्त पोषित पीएचडी कार्यक्रम के अनुरूप गतिशील विशेषज्ञता है। विभाग पीएमआरएफ फैलोशिप, क्यूआईपी, उद्योग प्रायोजित पीएचडी विद्वानों और पोस्ट-डॉक्टरल फेलो का समर्थन करता है। अत्याधुनिक इमारत, हरे भरे माहौल और सौंदर्य भूनिर्माण के साथ पूर्ण, वास्तुशिल्प लालित्य के प्रतीक के रूप में खड़ी है.




| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन | पत्रिकाएं | 60 |
| | सम्मेलन | - |
| | पुस्तकें | - |
| | पुस्तक अध्याय | 12 |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | 01 |
| | स्नातकोत्तर | 04 |
| | पीएचडी | 01 |
| प्रदान की गई डिग्रियाँ | स्नातकीय | 109 |
| | परास्नातकीय | 15 |
| | पीएचडी | 06 |
| एफडीपी/सम्मेलन आयोजित | | 04 |
| कर्मचारियों की संख्या | | 07 |

### संकाय और उनकी विशेषज्ञता:

| क्र.सं. | नाम और योग्यता | | विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **आचार्य** | | | |
| 1. |  | प्रो पी वी सुरेश, प्रमुख पीएच.डी. (आईआईटी मद्रास) | ईंधन कोशिकाओं, रासायनिक लूपिंग दहन - सीओ 2 कैप्चर प्रौद्योगिकी, सतत हाइड्रोजन पीढ़ी, कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता, प्रवाह बैटरी, मॉडलिंग और सिमुलेशन |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2. |  | प्रो सोनवणे शिरीष हरि<br>पीएच.डी. (उत्तर महाराष्ट्र) विश्वविद्यालय) | ध्वनिक और हाइड्रोडायनामिक गुहिकायन; ऊर्जा भंडारण उपकरणों, अपशिष्ट जल, उन्नत बहुलक कोटिंग्स, और हाइब्रिड झिल्ली प्रक्रियाओं के लिए नैनोमटेरियल; माइक्रोरिएक्टरों का उपयोग करके प्रक्रिया गहनता। |
| 3 |  | प्रो ए वेणु विनोद<br>पीएच.डी. (एनआईटी वारंगल) | द्रवित बिस्तर बायोरिएक्टर; जैविक अपशिष्ट जल उपचार; द्रवित बिस्तर बायोरिएक्टर; सीएफडी; नैनोफ्लुइड का उपयोग करके हीट ट्रांसफर; टोंटी-द्रव बिस्तर। |
| 4. |  | प्रो ए सरत बाबू<br>पीएच.डी. (एनआईटी वारंगल) | मॉडलिंग, सिमुलेशन और अनुकूलन; एस्पेन का उपयोग करके प्रक्रिया सिमुलेशन; प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग; तापगतिकी; ऊर्जा प्रबंधन और सीओ 2 कैप्चर |
| 5. |  | आनंद किशोर की कला<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | पर्यावरण इंजीनियरिंग, ऊर्जा, उन्नत पृथक्करण प्रक्रियाएं, मॉडलिंग, सिमुलेशन और अनुकूलन, जैव रासायनिक इंजीनियरिंग, अपशिष्ट जल उपचार, झिल्ली पृथक्करण, प्रतिक्रियाशील आसवन, उलटा द्रवीकरण, फार्मास्यूटिकल्स और नैनो टेक्नोलॉजी |
| 6. |  | प्रो श्रीनाथ सुरानानी<br>पीएच.डी. (एनआईटी वारंगल) | ठोस अपशिष्ट, जैव ईंधन, उत्प्रेरण, प्रक्रिया गहनता, प्रक्रिया मॉडलिंग और सिमुलेशन, नैनो प्रौद्योगिकी, माइक्रो रिएक्टरों का थर्मल रूपांतरण। |
| **सह आचार्य** | | | |
| 7. |  | विद्यासागर शिलापुरम,<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | केमिकल इंजीनियरिंग और संबद्ध क्षेत्रों |
| 8. |  | प्रो मुरली मोहन सीपाना<br>पीएच.डी. (आईआईटी दिल्ली) | ऊर्जा भंडारण और ऊर्जा रूपांतरण प्रौद्योगिकियां: ईंधन सेल और बैटरी; अपशिष्ट जल उपचार; झिल्ली पृथक्करण |
| 9. |  | प्रो जी उदय भास्कर बाबू<br>पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर) | मॉडलिंग और सिमुलेशन; प्रक्रिया गहनता; प्रक्रिया नियंत्रण: डेटा-संचालित नियंत्रण, गुटीय आदेश मॉडलिंग और नियंत्रण, ईंधन सेल - मॉडलिंग और नियंत्रण रणनीतियाँ, अपशिष्ट जल उपचार |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10. |  | प्रो वी रामसागर<br>पीएच.डी. (आईआईटी दिल्ली) | सीओ 2 कैप्चर टेक्नोलॉजीज - कैल्शियम लूपिंग और केमिकल लूपिंग दहन, ग्रीन एनर्जी जनरेशन टेक्नोलॉजीज, केमिकल प्रोसेस शेड्यूलिंग, प्रोसेस मॉडलिंग और सिमुलेशन, हाइब्रिड सेपरेशन, हीट एक्सचेंजर नेटवर्क |
| **सहायक आचार्य** | | | |
| 11. |  | प्रोफ। रघु राजा पंडियन के<br>पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर) | उच्च प्रदर्शन थर्मोसेट कंपोजिट; तरल समग्र मोल्डिंग प्रक्रियाएं; सामग्री प्रक्रिया मॉडलिंग और सिमुलेशन; सामग्री प्रदर्शन विश्लेषण; एएसपीईएन प्रक्रिया सिमुलेशन; बायो-पॉलीओल हाइब्रिड हीट ट्रांसफर नैनो-तरल पदार्थ; धातु नैनो कण जैवसंश्लेषण। |
| 12. |  | प्रो. राजमोहन के.एस.<br>पीएच.डी. (आईआईटी मद्रास) | ऊर्जा और पानी, उच्च तापमान ईंधन कोशिकाओं, रेडॉक्स फ्लो बैटरी और उन्नत धातु-वायु बैटरी, हाइड्रोजन उत्पादन और भंडारण, जैव रासायनिक इंजीनियरिंग, एओपी, हाइड्रोडायनामिक गुहिकायन, हाइब्रिड झिल्ली प्रक्रियाओं, सीओ 2 हाइड्रोकार्बन में कमी के लिए नैनोमटेरियल्स और झिल्ली। |
| 13. |  | प्रो मनोहर काकुनुरी<br>पीएचडी (आईआईटी हैदराबाद) | ऊर्जा भंडारण उपकरण (ली, ना, अल-आयन बैटरी और कैपेसिटर), इलेक्ट्रोस्पिनिंग, फोटो लिथोग्राफी और ग्राफिटाइजेशन, हार्ड और ग्रेफाइटिक कार्बन, कार्बन फाइबर और कंपोजिट |
| 14. |  | प्रो.प्रवीण कुमार बोम्मिनेनी<br>पीएच.डी. (आईआईएससी बैंगलोर) | न्यूक्लियेशन, क्रिस्टलीकरण, और कोलाइडल कणों की आत्म-विधानसभा, कंप्यूटर सिमुलेशन का उपयोग करके चरण आरेख गणना। |
| 15. |  | प्रो अंजना पी.ए.<br>पीएच.डी. (एनआईटी सुरथकल) | विषम उत्प्रेरण, उच्च तापमान ऑक्सीकरण प्रतिक्रिया, ठोस ऑक्साइड ईंधन कोशिकाओं, अपशिष्ट से ऊर्जा |
| 16. |  | प्रो नरेश थोटा<br>पीएच.डी. (एनयूएस सिंगापुर) | प्रतिक्रियाशील आसवन, प्रक्रिया मॉडलिंग और सिमुलेशन, जल उपचार प्रक्रिया नियंत्रण, आणविक सिमुलेशन, स्व-विधानसभा, एम्फीफिलिक पेप्टाइड्स, दवा वितरण, नियंत्रित रिलीज कार्गोस, जल विलवणीकरण। |
| 17. |  | प्रो पी संपत कुमार<br>पीएच.डी. (हैदराबाद विश्वविद्यालय) | ऊर्जा और ईंधन, गैस सेंसर, अपशिष्ट से ऊर्जा, सुरक्षा इंजीनियरिंग, ऊर्जा भंडारण उपकरण। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 18. |  | लीला मनोहर एशाला प्रो. पीएच.डी. (आईआईटी गुवाहाटी) | सीओ2 की विद्युत रासायनिक कमी, पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट्स, स्वच्छ ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन उत्पादन |
| 19. |  | प्रो राम्या अरागा पीएच.डी. (आईआईटी हैदराबाद) | नैनोमटेरियल्स, कंपोजिट का संश्लेषण; उन्नत ऑक्सीकरण प्रक्रियाएं (एओपी), फोटोकैटलिसिस, अपशिष्ट जल उपचार, ऊर्जा भंडारण उपकरण। |
| 20. |  | प्रो फनी कुमार पेंटियाला पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर) | कम्प्यूटेशनल कटैलिसीस, कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान, कार्बन कैप्चर, हाइब्रिड-एमओएफ सामग्री, उच्च-एन्ट्रापी मिश्र धातु, सामग्री गुणों की खोज में मशीन लर्निंग। |
| **अनुलग्नक आचार्य** | | | |
| 1. |  | डॉ. टाटा नरसिंग राव, पूर्व निदेशक, एआरसीआई हैदराबाद | नैनो प्रौद्योगिकी, सामग्री विज्ञान, ऊर्जा सामग्री, ली आयन बैटरी |
| 2. |  | प्रो सरमा वी. पिसुपति सह-निदेशक, पेन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए | दहन प्रक्रियाओं में रासायनिक कैनेटीक्स, द्रव्यमान और गर्मी हस्तांतरण; दहन और वायु प्रदूषण प्रणालियों की सीएफडी मॉडलिंग; ऑक्सी-ईंधन दहन; कोयला प्रसंस्करण और गैसीकरण में खनिज पदार्थ परिवर्तन; कोयला, बायोमास और पेट्रोलियम कोक गैसीकरण और द्वितीयक स्रोतों और औद्योगिक अपशिष्टों से दुर्लभ पृथ्वी और महत्वपूर्ण तत्वों की वसूली |
| 3. |  | प्रो अजय के. दलाई प्रोफेसर, सस्केचेवान विश्वविद्यालय, यूएसए | नैनोकैटलिसिस, रासायनिक प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग, जैव और पेट्रो-ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोप्रोसेसिंग, गैस-से-तरल और पर्यावरण प्रौद्योगिकियां |

पीएचडी डिग्री प्रदान की गई:

| क्र.सं. | छात्र का नाम | शोध प्रबंध शीर्षक | पर्यवेक्षक |
|---|---|---|---|
| 1. | अनीता जेड ज्ञानबा | राल हस्तांतरण ढाला समग्र भागों के निर्माण के लिए एक प्रभावी बहुउद्देश्यीय अनुकूलन रणनीति का विकास | रघु राजा पंडियन के |
| 2. | इरशाद यू खान | क्विनोन आधारित कार्बनिक रेडॉक्स फ्लो बैटरी के लिए गैर-नोबेल इलेक्ट्रा उत्प्रेरक का विकास | मुरली मोहन सीपना, के एस राजमोहन |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3. | किरण डोंथुला | सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए नैनोस्ट्रक्चर्ड एमएक्सन-आधारित इलेक्ट्रोड का विकास | मनोहर काकनुरी |

## रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 1959 में हुई थी। विभाग अधिकांश इंजीनियरिंग शाखाओं को रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम और कार्बनिक और विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ दो साल की एमएससी प्रदान करता है. विभाग कार्बनिक, अकार्बनिक, भौतिक और विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान के समकालीन विषयों में अत्याधुनिक अनुसंधान कर रहा है। विभाग में, विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाएं जैसे 400 मेगाहर्ट्ज एनएमआर, एचआरएमएस, गैस क्रोमैटोग्राफी, एचपीएलसी, एफटीआईआर, यूवी-विज़-एनआईआर, प्रतिदीप्ति, विद्युत रासायनिक वर्कस्टेशन, कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान सॉफ्टवेयर, आदि उपलब्ध हैं। सतत शिक्षा और आउटरीच गतिविधियों के एक भाग के रूप में, विभाग ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन किया। इसके अलावा, विभाग इंस्पायर कार्यक्रम और सोसाइटी के माध्यम से स्कूली बच्चों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में सक्रिय रूप से शामिल है। अधिकांश छात्रों को अच्छे पैकेज के साथ विभिन्न कंपनियों और दूसरे संस्थानों द्वारा नौकरी दी गयी है।

रसायन विज्ञान विभाग, एनआईटी वरंगल के समग्र विकास के साथ तालमेल रखते हुए मजबूती से आगे बढ़ रहा है। विभाग में संकाय की एक टीम है, जो आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा के अन्य प्रमुख संस्थानों से स्नातक है। विभाग के पास अच्छा बुनियादी ढांचा है और यह नवीनतम परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरणों से सुसज्जित है। विभाग दो एमएससी कार्यक्रम की दीक्षा देता है जिनकी विशेषज्ञताएं इस प्रकार हैं : i) कार्बनिक रसायन विज्ञान और ii) विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान। संकाय सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान और कंसल्टेंसी कार्य में लगे हुए हैं।




| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन | पत्रिकाओं | 67 |
| | सम्मेलनों | - |
| | पुस्तकों | - |
| | पुस्तक अध्याय | 12 |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | 01 |
| | स्नातकोत्तर | 04 |
| | पीएचडी | 01 |
| प्रदान की गई डिग्रियाँ | स्नातकीय | 109 |
| | परास्नातकीय | 15 |
| | पीएचडी | 06 |
| एफडीपी/सम्मेलनों का आयोजन | | 01 |
| कर्मचारियों की संख्या | | 07 |

## संकाय और उनकी विशेषज्ञता:

| क्र. सं. | नाम एवं योग्यता | | विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **आचार्य** | | | |
| 1. |  | प्रो डी. काशीनाथ, (विभागध्याक्ष) पीएचडी (आईआईटी बॉम्बे) | जैविक रूप से सक्रिय यौगिकों का संश्लेषण, सिंथेटिक तरीकों का विकास, हरित रसायन विज्ञान |
| 2. |  | प्रो के. वी. गोबी पीएचडी (एमकेयू, मदुरै), डॉ इंजीन्यरिंग (टीआईटी, जापान) | इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर, सुपरकैपेसिटर, ईंधन सेल इलेक्ट्रोकैटलिस्ट |
| 3. |  | प्रो पी. वी. श्रीलक्ष्मी पीएचडी (आईआईसीटी, हैदराबाद) | बायोऑर्गेनिक केमिस्ट्री, ड्रग डिलीवरी / जीन डिलीवरी |
| 4. |  | प्रो विष्णु शंकर पीएचडी (आईआईटी दिल्ली) | नैनोस्ट्रक्चर्ड सामग्री, जल शोधन, एच2-पीढ़ी, एन2-निर्धारण, सीओ 2 में कमी |
| 5. |  | प्रो एन. वेंकटत्री पीएचडी (एनसीएल, पुणे) | सामग्री रसायन विज्ञान, विषम उत्प्रेरण, बायोमैटेरियल्स और इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री |
| **सह आचार्य** | | | |
| 6. |  | प्रो संतोष पेंटा पीएचडी (एनआईटी वारंगल) | कार्बनिक संश्लेषण और औषधीय रसायन विज्ञान |
| 7. |  | प्रो रघु चिट्टा पीएचडी (विचिटा स्टेट यूनिवर्सिटी, कंसास, यूएसए) | सौर ऊर्जा संचयन सामग्री, और फ्लोरोसेंट केमोसेंसर |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 8. |  | प्रो बी श्रीनिवास पीएचडी (हैदराबाद विश्वविद्यालय) | कार्बनिक संश्लेषण, सुपरमॉलिक्यूलर रसायन विज्ञान, क्रिस्टल इंजीनियरिंग, बहुरूपता |
| 9. |  | प्रो के. हरि प्रसाद पीएचडी (आईआईटी कानपुर) | कार्बनिक संश्लेषण, कार्बोहाइड्रेट रसायन विज्ञान और औषधीय रसायन विज्ञान |
| 10. |  | प्रो एस. नागराजन पीएचडी (मद्रास विश्वविद्यालय) | कार्बनिक संश्लेषण, कार्बनिक पदार्थ, आणविक स्व-विधानसभा |
| **सहायक आचार्य** | | | |
| 11. |  | प्रो एम राघसुधा पीएचडी (उस्मानिया विश्वविद्यालय) | फेराइट आधारित नैनोमटेरियल्स, कार्यात्मक चुंबकीय नैनोमटेरियल्स, चुंबकीय नैनोकैटलिसिस, कार्बनिक परिवर्तनों के लिए चुंबकीय नैनोकैटलिस्ट, फोटोकैटलिसिस |
| 12. |  | प्रो सी जुगुन प्रकाश पीएचडी (आईआईटी बॉम्बे) | औषधीय अकार्बनिक और जैव-विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान |
| 13. |  | प्रो रविंदर पवार पीएचडी (सीएसआईआर-सीएलआरआई) | सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान |
| 14. |  | प्रो मुकुल प्रधान पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर) | नया नैनोकम्पोजिट, लचीला थर्मोइलेक्ट्रिक डिवाइस, बैटरी और सुपरकैपेसिटर, ऑक्सीजन कमी प्रतिक्रिया, फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल हाइड्रोजन उत्पादकता. |
| 15. |  | प्रो राजेशखन्ना गद्दाम पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा इलेक्ट्रोकैटलिसिस H2 का उत्पादन, ईंधन सेल, सुपरकैपेसिटर |
| 16. |  | प्रो वी. राजेशकुमार पीएचडी (नेशनल चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी, ताइवान) | सतत कार्बनिक संश्लेषण और धातु उत्प्रेरण; ग्रीन और मेकेनोकेमिस्ट्री; फोटोकैटलिसिस और प्राकृतिक उत्पाद संश्लेषण; जैविक अनुप्रयोगों के लिए बायोएक्टिव अणुओं का संश्लेषण |

**पीएचडी डिग्री प्रदान की गई:**

| क्र. सं. | छात्र का नाम | शोध प्रबंध शीर्षक | पर्यवेक्षक |
|---|---|---|---|
| 1 | बांदा प्रशांत गौड | जैविक परिवर्तनों के लिए फेराइट आधारित विषम नैनोकैटलिस्ट का विकास | एम राघसुधा |

## नागरिक अभियांत्रिकी विभाग

नागरिक अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1959 में क्षेत्रीय अभियांत्रिकी कॉलेज वरंगल (आरईसीडब्ल्यू) के साथ की गई थी, जो भारत सरकार द्वारा अत्याधुनिक अभियांत्रिकी शिक्षा प्रदान करने के लिए स्थापित आर. ई. सी. की श्रृंखला में से पहला था, जिसने राष्ट्रीय एकता की भावना को आत्मसात किया था। नागरिक अभियांत्रिकी विभाग में बी. टेक. संरचनात्मक अभियांत्रिकी, यातायात अभियांत्रिकी, मृदा अभियांत्रिकी, पर्यावरण अभियांत्रिकी, जल संसाधन अभियांत्रिकी, निर्माण प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, और भू-सूचना विज्ञान जैसे विशेष क्षेत्रों में एम.टेक सहित व्यापक शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करता है। एक उच्च अनुभवी संकाय द्वारा समर्थित, विभाग नागरिक अभियांत्रिकी मौलिक और उन्नत दोनों पहलुओं पर जोर देता है। इसकी अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, जिनमें संरचनात्मक विश्लेषण, भू-तकनीकी अध्ययन, पर्यावरण अभियांत्रिकी, द्रव यांत्रिकी और जी आई एस-आधारित कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग शामिल हैं, जो की अत्याधुनिक अनुसंधान और व्यावहारिक शिक्षा की सुविधा प्रदान करती हैं। नागरिक अभियांत्रिकी विभाग, शिक्षण और अनुसंधान एवं विकास के अलावा, भारी मात्रा में परामर्श भी करता है, जो संस्थागत आंतरिक राजस्व सृजन को जोड़ता है और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र की समस्याओं में संकाय और छात्रों को शामिल करता है। विभाग के संकाय प्रायोजित परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल हैं  उदाहरण के लिए स्पार्क, ब्रिक्स, डीएसटी, एसईआरबी, डीबीटी, एआरडीबी जैसी प्रतिष्ठित परियोजनाएं हैं। विभाग को गर्व है कि उसने सबसे अधिक संख्या में जी आई ए एन और एसपीएआरसी कार्यक्रम आयोजित किए हैं। नागरिक अभियांत्रिकी विभाग के पास अत्यधिक प्रतिष्ठित संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन है, उदाहरण के लिए एनएएसी, एनसीसीबीएम, वालामतारी, एससीसीएल, इन्वेंटा, पीएसआई, और दूसरों के बीच में और कई विदेशी विश्वविद्यालयों और कंपनियों जैसे - टेक्सास ए एंड एम, एनसीएआर-कोलोराडो, पीटीवी ग्रुप जर्मनी, आदि के साथ सहयोग है। विभाग में उच्च योग्य और प्रतिबद्ध संकाय सदस्य हैं, संकाय सदस्य अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त हैं और कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय नीति निर्माण और सलाहकार निकायों और विभिन्न विश्वविद्यालयों के अध्ययन बोर्ड के सदस्य हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्य तकनीकी संस्थानों के शिक्षण समुदाय के लिए विभाग को 1978 से पीएचडी और एम. टेक की डिग्रियां प्राप्त करने के लिए क्यू आई पी केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है।



फटिग् परीक्षण मशीन

| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन | पत्रिकाओं | 111 |
| | सम्मेलनों | 56 |
| | पुस्तकों | 5 |
| | पुस्तक अध्याय | 40 |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | 01 |
| | स्नातकोत्तर | 08 |
| | पीएचडी | 02 |
| | स्नातकीय | 103 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | प्रदान की गई डिग्रियाँ | परास्नातकीय | 18<br>1 |
| | | पीएचडी | 28 |
| | एफडीपी/सम्मेलनों का आयोजन | | 08 |
| | कर्मचारियों की संख्या | | 19 |

**संकाय और उनकी विशेषज्ञता:**

| क्र.सं. | नाम और योग्यता | | विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **आचार्य (एचएजी)** | | | |
| 1. |  | प्रो एन वी उमामहेश<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | जल संसाधन प्रणाली; हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग; जलवायु परिवर्तन के मॉडलिंग प्रभाव; हाइड्रोक्लाइमेटिक चरम सीमा; शहरी बाढ़; सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीकों के अनुप्रयोग |
| 2. |  | प्रो सी. एस. आर. के. प्रसाद<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | यात्रा मांग मॉडलिंग, शहरी और क्षेत्रीय योजना, भूमि उपयोग योजना, पारगमन उन्मुख विकास, सार्वजनिक परिवहन, राजमार्ग नेटवर्क डिजाइन, यातायात सुरक्षा, सुरक्षा लेखा परीक्षा, यातायात प्रणाली डिजाइन, परिवहन अर्थशास्त्र, कम मात्रा सड़कों, परियोजना प्रबंधन |
| 3. |  | प्रो राजेश कुमार जी<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | उच्च शक्ति कंक्रीट, प्रेस्ट्रेस्ड कंक्रीट, स्व-कॉम्पैक्टिंग स्व-इलाज कंक्रीट |
| 4. |  | प्रो पी. आनंद राज<br>पीएचडी (आईआईटी खरगपुर) | सिस्टम विश्लेषण, फजी सिस्टम, मल्टी क्राइटेरिया निर्णय लेना, जल विज्ञान और द्रव यांत्रिकी |
| 5. |  | प्रो रामसेशु डी<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | नए कंक्रीट, मरम्मत और संरचनाओं की स्वास्थ्य निगरानी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6. |  | प्रो एम. चंद्रशेखर<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | जल और अपशिष्ट जल उपचार, वायु गुणवत्ता मॉडलिंग, जल गुणवत्ता मॉडलिंग, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ईआईए |
| **आचार्य** | | | |
| 7. |  | प्रो टी डी गुणेश्वर राव, प्रमुख<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | कंक्रीट संरचनाओं के फ्रैक्चर यांत्रिकी, फाइबर प्रबलित कंक्रीट, टिकाऊ निर्माण सामग्री |
| 8. |  | प्रो रतीश कुमार पंचाराथी<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल)<br>डॉ. इंजी. जापान | सतत कंक्रीट बनाने की सामग्री, भूकंप इंजीनियरिंग, संरचनाओं की स्वास्थ्य निगरानी, संरचनाओं की मरम्मत और पुनर्वास |
| 9. |  | प्रो रमण मूर्ति वी<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | विशाल मिट्टी, प्रबलित पृथ्वी, फ्लाई ऐश जैसे अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग |
| 10. |  | प्रो हरि कृष्ण पी<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | दानेदार एंकर पाइल्स, विशाल मिट्टी, भूतापीय ढेर, मूल्य आधारित शिक्षा |
| 11. |  | प्रो एम. हीरालाल<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | फुटपाथ और भू पर्यावरण इंजीनियरिंग में पुनर्नवीनीकरण समुच्चय |
| 12. |  | प्रो वेंकट रेड्डी कीसरा<br>पीएचडी (आईआईटी बॉम्बे) | संख्यात्मक, नरम कंप्यूटिंग और भू-स्थानिक तरीकों का उपयोग करके वाटरशेड मॉडलिंग और प्रबंधन; जलवायु परिवर्तन प्रभाव अध्ययन; ग्रामीण और शहरी वातावरण में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग |
| 13. |  | प्रो वेंकैया चौधरी<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | डामर बाइंडरों और मिश्रण की विशेषता; डामर फुटपाथ विश्लेषण, डिजाइन और मूल्यांकन; सड़क मार्ग और रेल यातायात शोर की मात्रा |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 14. |  | प्रो पी वेंकटेश्वर राव<br>पीएचडी (बी आई टी एस पिलानी) | जल आपूर्ति, उपचार और वितरण, अपशिष्ट जल उपचार, अपशिष्ट प्रबंधन, कम लागत वाला पानी और अपशिष्ट जल उपचार, जैविक कचरे का अवायवीय पाचन, ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए अपशिष्ट |
| 15. |  | प्रो एस वेंकटेश्वर राव<br>पीएचडी (जेएनटीयू, हैदराबाद) | स्व-कॉम्पैक्टिंग कंक्रीट; कंक्रीट और मोर्टार में विशेष कंक्रीट और नैनो सामग्री; संरचनाओं की मरम्मत और पुनर्वास; फाइबर प्रबलित कंक्रीट; स्व-कॉम्पैक्ट मोर्टार में बहु घटक बांधने की मशीन; मोर्टार और कंक्रीट में पुनर्नवीनीकरण कंक्रीट समुच्चय का उपयोग |
| 16. |  | प्रो आरिफ अली बेग मुगल<br>पीएचडी (आईआईएससी बैंगलोर) | भू-पर्यावरण इंजीनियरिंग; असंतृप्त मृदा यांत्रिकी; जैव-भू-तकनीकी |
| **सह आचार्य** | | | |
| 17. |  | प्रो कामेश्वर राव वी.एन.<br>एमटेक (एनआईटी वरंगल) | द्रव यांत्रिकी और हाइड्रोलिक मशीनें; हाइड्रोलॉजिकल सिस्टम मॉडलिंग; जलवायु मॉडलिंग के लिए द्रव्यमान, गति, ऊर्जा की परिवहन घटनाएं; भूजल मॉडलिंग |
| 18. |  | प्रो सुधाकर एम<br>एमटेक (एनआईटी वरंगल) | स्टील फाइबर प्रबलित कंक्रीट |
| 19. |  | प्रो हरि प्रसाद रेड्डी पी<br>पीएचडी (आईआईएससी बैंगलोर) | ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, भू-पर्यावरण इंजीनियरिंग, जल और अपशिष्ट जल उपचार |
| 20. |  | प्रो टी पी तेजेस्वी<br>पीएचडी (मिसिसिपी विश्वविद्यालय, यूएसए) | विस्फोट, प्रभाव, आग और पर्यावरणीय गिरावट के लिए मिश्रित सामग्री और संरचनात्मक प्रणालियों की प्रतिक्रिया; निर्मित बुनियादी ढांचे की भेद्यता और जोखिम मूल्यांकन; इमेजिंग आधारित संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 21. |  | प्रो एस शंकर<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | कम मात्रा सड़क इंजीनियरिंग, फुटपाथ विश्लेषण और डिजाइन, फुटपाथ प्रबंधन प्रणाली, फुटपाथ सामग्री लक्षण वर्णन |
| 22. |  | प्रो एम. शशि<br>पीएचडी (आईआईटी रुड़की) | क्लोज रेंज फोटोग्राम, संरचनात्मक और कृषि स्वास्थ्य निगरानी में यूएवी अनुप्रयोग, माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग, शहरी विकास में रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग, उन्नत सर्वेक्षण |
| 23. |  | प्रो अजय कुमार पटेल<br>पीएचडी (आईआईएससी बैंगलोर) | कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता; पर्यावरण द्रव यांत्रिकी; अपशिष्ट जल इंजीनियरिंग; भूतल वातन प्रणाली |
| 24. |  | प्रो डी. रवि प्रसाद<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | सतत निर्माण सामग्री, संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी, हाइब्रिड फाइबर प्रबलित इंजीनियर सीमेंटियस कंपोजिट |
| 25. |  | प्रो एम वी एन शिवकुमार<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी; धातु और कंक्रीट संरचनाओं के लिए फ्रैक्चर यांत्रिकी अनुप्रयोग; परमाणु रिएक्टर घटकों के लिए परिमित तत्व और विश्वसनीयता अनुप्रयोग; विशेष कंक्रीट पर प्रायोगिक अध्ययन; कंक्रीट का रियोलॉजी |
| 26. |  | प्रो के. वी. आर. रविशंकर<br>पीएचडी (आईआईटी बॉम्बे) | वाहनों की सुरक्षा विश्लेषण; पैदल यात्री व्यवहार विश्लेषण और मॉडलिंग; भीड़ गतिशील विश्लेषण और आपातकालीन निकासी योजना; गैर-लेन आधारित व्यवहार मॉडलिंग और नैनोस्कोपिक मॉडल विकास; मिश्रित यातायात स्थितियों के तहत राजमार्गों का क्षमता विश्लेषण |
| 27. |  | प्रो जी कल्याण कुमार<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | भूकंपीय खतरा विश्लेषण; विश्वसनीयता विश्लेषण; मृदा गतिशीलता; मिट्टी ढेर बातचीत; पार्श्व रूप से भरी हुई बवासीर; भूकंपीय माइक्रोज़ोनेशन; आपदा प्रबंधन; उथले उपसतह जांच; व्यापक कंक्रीट ढेर; ठीक दाने वाली रेत का बायोमोडिफिकेशन और एमआईसीपी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 28. |  | प्रो के. गोपीकृष्ण<br>पीएचडी (आईआईटी रुड़की) | संरचनाओं के बहु खतरों के प्रदर्शन का आकलन, कम्प्यूटेशनल भूकंप इंजीनियरिंग, इमारतों की भूकंपीय नाजुकता विश्लेषण, बिल्डिंग फ्रेम और तरंगिका परिमित तत्व विधियों का अग्नि गंभीरता विश्लेषण। |
| 29. |  | प्रो अर्पण मेहर<br>पीएचडी (आईआईटी रुड़की) | मैक्रोस्कोपिक और सूक्ष्म यातायात विश्लेषण, राजमार्ग क्षमता और सेवा का स्तर, राजमार्ग ज्यामितीय डिजाइन, यातायात प्रवाह सिमुलेशन, यातायात प्रदूषण। |
| **सहायक आचार्य** | | | |
| 30. |  | प्रो. पी श्रीधर<br>पीएचडी (क्यूबेक विश्वविद्यालय, कनाडा) | जल/अपशिष्ट जल उपचार, जीवन चक्र विश्लेषण, जल/अपशिष्ट जल उपचार का मॉडलिंग, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, अपशिष्ट जल से जैव-ऊर्जा उत्पादन, अपशिष्ट जल कीचड़, और जैविक अपशिष्ट, बायोडीजल, बायोप्लास्टिक, जैव-फ्लोकुलेंट |
| 31. |  | प्रो. जी वी रमण<br>पीएचडी (गीतम विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम) | शैल यांत्रिकी और शैल इंजीनियरी, भूमिगत संरचनाओं का डिजाइन और विश्लेषण, भू-तकनीकी इंजीनियरी और भूस्खलन शमन उपाय, समस्याग्रस्त मृदाओं के लिए भू सुधार तकनीक, बहुमिश्रित कंक्रीटों की शक्ति और स्थायित्व अध्ययन, जल संसाधन संरचनाओं पर क्षार सिलिका अभिक्रिया (एएसआर) अध्ययन |
| 32. |  | प्रो एस. अनीता प्रियदर्शिनी<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | सामग्री की विशेषता; फाइबर प्रबलित बहुलक कंपोजिट; कठोर पैनल; प्रायोगिक तकनीक; परिमित तत्व विश्लेषण; नई परीक्षण सुविधाओं की स्थापना, कंक्रीट से भरे स्टील ट्यूब कॉलम, कंक्रीट से भरे एफआरपी ट्यूब (सीएफएफटी) कॉलम, एफआरपी बार सुदृढीकरण के साथ आरसीसी कॉलम, एफआरपी और एफआरसी स्लीपर |
| 33. |  | प्रो कविता बी<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | इंजीनियरिंग भूकंप विज्ञान; भूकंप डेटा विश्लेषण; जमीन की गति का अनुकरण; संभाव्य भूकंपीय खतरा मूल्यांकन; भूकंप की भविष्यवाणी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 34. |  | प्रो अनीता वी<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | बिल्डिंग सूचना मॉडलिंग, सड़क सूचना मॉडलिंग, लीन कंस्ट्रक्शन, निर्माण में आभासी वास्तविकता, निर्माण परियोजना प्रबंधन, सतत निर्माण, बुनियादी ढांचा प्रबंधन। |
| 35. |  | प्रो सुमंत चिंताला<br>पीएचडी (आईआईटी दिल्ली) | वायु प्रदूषण; इनडोर वायु गुणवत्ता; सतत विकास, जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन; ठोस अपशिष्ट प्रबंधन; पर्यावरणीय प्रभाव आकलन, जीवन चक्र विश्लेषण |
| 36. |  | प्रो बी उमेश<br>पीएचडी (आईआईटी हैदराबाद) | सिविल इंजीनियरिंग में संख्यात्मक तरीके: परिमित अंतर विधि, परिमित तत्व विश्लेषण और आइसो-ज्यामितीय विश्लेषण; सामग्री विरूपण और आंतरिक बल वितरण का अध्ययन करने के लिए शास्त्रीय और नवशास्त्रीय सातत्य सिद्धांत; दरार प्रसार और संबंधित क्षेत्रों का अध्ययन करने के लिए क्षति और फ्रैक्चर यांत्रिकी |
| 37. |  | प्रो बी रघुराम कडाली<br>पीएचडी (आईआईटी बॉम्बे) | पैदल यात्री क्रॉस फ्लो मॉडलिंग, गैर-मोटर चालित सुरक्षा, यातायात सुरक्षा, चालक व्यवहार, यातायात प्रवाह मॉडलिंग, परिवहन पर्यावरण यात्रा व्यवहार, सतत परिवहन, माल परिवहन |
| 38. |  | प्रो विष्णु आर<br>पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर) | फुटपाथ सामग्री, फुटपाथ प्रबंधन प्रणाली, फुटपाथ डिजाइन और मूल्यांकन |
| 39. |  | प्रो सुधीर कुमार यमसानी<br>पीएचडी (आईआईटी गुवाहाटी) | भू-पर्यावरण इंजीनियरिंग; मिट्टी-वायुमंडल अन्योन्यक्रिया; प्रबलित मिट्टी संरचनाएं; एप्लाइड मृदा यांत्रिकी; जियोपॉयलर्स और ग्राउंड इम्प्रूवमेंट तकनीक |
| 40. |  | प्रो संजीत बिस्वास<br>पीएचडी (आईआईटी दिल्ली) | मृदा गतिशीलता; मशीन नींव; उथली और गहरी नींव; क्षेत्र और प्रयोगशाला परीक्षण; परिमित तत्व विश्लेषण; कॉन्टिनम दृष्टिकोण मॉडलिंग और विश्लेषण; मृदा यांत्रिकी; भू-पर्यावरण इंजीनियरिंग |
| 41. |  | प्रो मनाली पाल | भूजलविज्ञान; जलवायु परिवर्तन; रिमोट सेंसिंग का उपयोग करके मिट्टी की नमी पुनर्प्राप्ति; स्टोकेस्टिक मॉडलिंग; मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर) | |
| 42. |  | प्रो वेमा वामसी कृष्णा<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग; वाटरशेड प्रबंधन; वाटरशेड मॉडल का पैरामीटरीकरण; कृषि जल प्रबंधन; संसाधनों का इष्टतम आवंटन; अनिश्चितता के तहत निर्णय लेना; जल संसाधन समस्याओं के लिए सॉफ्ट कंप्यूटिंग उपकरणों का अनुप्रयोग |
| 43. |  | प्रो लिटन कुमार राय<br>पीएचडी (आईआईटी रुड़की) | स्टोकेस्टिक जल विज्ञान, बाढ़ और सूखा अनुमान, वास्तविक समय बाढ़ पूर्वानुमान, हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग, जलवायु परिवर्तन, और जलवायु परिवर्तनशीलता अध्ययन, मशीन सीखने का अनुप्रयोग |
| 44. |  | प्रो जीव दास<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | जलवायु परिवर्तन प्रभाव आकलन, हाइड्रोलॉजिकल चरम, गैर-स्थिर विश्लेषण, जनसंख्या जोखिम, अनिश्चितता विश्लेषण, जल संसाधनों में मशीन लर्निंग अनुप्रयोग, हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग |
| 45. |  | प्रो वसुधा दत्तात्रेय कटारे<br>पीएचडी (वीएनआईटी नागपुर) | निर्माण प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, भवन सूचना मॉडलिंग, सतत निर्माण सामग्री, कंक्रीट प्रौद्योगिकी, पॉज़ोलैनिक सामग्री |

**पीएचडी डिग्री प्रदान की गई:**

| क्र.सं. | छात्र का नाम | शोध प्रबंध शीर्षक | पर्यवेक्षक |
|---|---|---|---|
| 1. | कुमारपु कुमार | मल्टीस्पेक्ट्रल और डीआईसी आधारित विधियों का उपयोग करके संरचनात्मक स्थिति की निगरानी | शशि मेसापम और के. वेंकट रेड्डी |
| 2. | टी अर्जुन कुमार | बिटुमिनस बाइंडरों और बिटुमिनस मिश्रण के प्रदर्शन पर रासायनिक गर्म मिश्रण योजक का प्रभाव जिसमें अपशिष्ट प्लास्टिक लेपित मोटे समुच्चय होते हैं | वेंकैया चौधरी |
| 3. | बोड्डू सुधीर कुमार | ट्रैकसाइड निवासियों द्वारा रेल परिवहन शोर का आकलन | वेंकैया चौधरी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4. | रोमाना मरियम रशीद | चिटोसन और कैसिइन बायोपॉलिमर के साथ इलाज की गई कम कार्बनिक मिट्टी पर भू-तकनीकी व्यवहार अध्ययन | आरिफ अली बेग मुगल |
| 5. | सागर बनवाथ | बेसाल्ट फाइबर प्रबलित बहुलक रीबार्स के साथ प्रबलित एफआरसी बीम की फ्लेक्सुरल प्रतिक्रिया पर जांच | एम वी एन शिवकुमारएम वी एन शिवकुमार |
| 6. | सुब्बाराव यारामसेट्टी | बहु-मानदंड निर्णय लेने का उपयोग करके संस्थागत भवनों के संयुक्त आराम सूचकांक और ऊर्जा संरक्षण का मूल्यांकन | एम वी एन शिवकुमार<br>पी. आनंद राज |
| 7. | राकेश पदकांति | उच्च शक्ति जियोपॉलिमर कंक्रीट के प्रदर्शन और बंधन व्यवहार पर एक अध्ययन | एस.वी.राव और पी.रतीश कुमार |
| 8. | अलेमायेहू चलो हंबामो | अफ्रीकी टेक्टोनिक प्लेट के लिए एक यंत्रवत मॉडल का विकास | बी. कविता और टी. पी. तेजस्वी |
| 9. | ज़ेलेके लुलायेहू टेडेसी | मिट्टी-संरचना पर संख्यात्मक अध्ययन बिल्डिंग फ्रेम की प्रतिक्रिया विशेषताओं पर भूमिगत कहानियों का प्रभाव | हरी कृष्णा पी |

## संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग वर्ष 1991 में स्थापित किया गया था। बीटेक (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) प्रोग्राम वर्ष 1983 में 20 छात्रों के साथ शुरू किया गया था। बाद में वर्ष 2008 में यह संख्या बढ़ाकर 120 कर दी गई। एम.टेक (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) प्रोग्राम वर्ष 1987 में 18 छात्रों की क्षमता के साथ शुरू किया गया था और 2008 में इसे बढ़ाकर 20 कर दिया गया। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमसीआईटी), डीओई, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत आईएसईएपी के अंतर्गत वर्ष 2008 में एमटेक (सूचना सुरक्षा) शुरू की गई थी। बाद में, इसका नाम बदलकर संगणक विज्ञान और सूचना सुरक्षा कर दिया गया। मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) कार्यक्रम 1986 में 30 छात्रों के साथ शुरू किया गया था और 2008 से बढ़कर 46 हो गया। बी टेक, एम टेक (सीएस) और एम टेक (सीएसआईएस) कार्यक्रमों को 2014 में वाशिंगटन समझौते के अनुसार एनबीए द्वारा मान्यता दी गई थी।

विभाग ने प्रतिष्ठित संस्थानों से पीएचडी के साथ प्रतिष्ठित और प्रतिबद्ध संकाय सदस्य हैं। इसका माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस, इंफोसिस, ओरेकल, टीआरडीडीसी-पुणे, सन माइक्रोसिस्टम्स, ईएमसी 2, एक्सेंचर, सी-डैक, मोटोरोला, हनीवेल, नोवेल, फिलिप्स, सैमसंग और आईबीएम-बैंगलोर के साथ घनिष्ठ संबंध है। विभाग के पास नवीनतम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर छात्रों और संकाय को प्रशिक्षित करने और अनुसंधान और विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए टीसीएस, आईबीएम, सी-डैक और इंफोसिस के साथ समझौता ज्ञापन हैं। विभाग को सूचना सुरक्षा जागरूकता परियोजना (आईएसईएपी) चरण II, एमसीआईटी आईटी विभाग के तहत एक दूरस्थ केंद्र के रूप में चुना गया है। ईसीई विभाग के साथ, यह तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक राज्यों और पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप संघ शासित प्रदेशों में अभियांत्रिकी और पॉलिटेक्निक धाराओं से संकाय को प्रशिक्षित करने के लिए 25 करोड़ रुपये के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत ई और आईसीटी अकादमी परियोजना में जुड़ा हुआ है।




| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन | पत्रिकाओं | 68 |
| | सम्मेलनों | 71 |
| | पुस्तकों | - |
| | पुस्तक अध्याय | - |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | 01 |
| | स्नातकोत्तर | 03 |
| | पीएचडी | 01 |
| प्रदान की गई डिग्रियाँ | स्नातकीय | 161 |
| | परास्नातकीय | 46 |
| | पीएचडी | 14 |
| एफडीपी/सम्मेलनों का आयोजन | | 25 |

| | | |
|---|---|---|
| | कर्मचारियों की संख्या | 09 |

**संकाय और उनकी विशेषज्ञता:**

| क्र.सं. | नाम और योग्यता | | विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **आचार्य (एचएजी)** | | | |
| 1. |  | प्रो डीवीएलएन सोमयाजुलु<br>पीएचडी (आईआईटी दिल्ली)<br>(निदेशक आईआईआईटी कुरनूल के रूप में प्रतिनियुक्ति पर) | डेटाबेस, सूचना निष्कर्षण और बड़ा डेटा |
| **आचार्य** | | | |
| 2. |  | प्रो बी बी अंबरकर<br>पीएचडी (आईआईएससी बैंगलोर) | सुरक्षा, क्रिप्टोग्राफी |
| 3. |  | प्रो एस जी संजीवी<br>पीएचडी (आईआईटी बॉम्बे) | सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, मशीन लर्निंग |
| 4. |  | प्रो आर पद्मावती, विभागाध्यक्ष<br>पीएचडी (यूओएच) | क्रिप्टएनालिसिस और नेटवर्क सुरक्षा |
| 5. |  | प्रो आर.बी.वी. सुब्रह्मण्यम<br>पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर) | डेटा माइनिंग, बिग डेटा एनालिटिक्स |
| 6. |  | प्रो पी राधा कृष्ण<br>पीएचडी (आईआईआईटी हैदराबाद) | डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग, बिग डेटा, डेटाबेस और वर्कफ़्लो सिस्टम |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7. |  | प्रो के. रमेश<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | सीएन में आर्किटेक्चर और कोडिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर |
| 8. |  | प्रो सी एच सुधाकर<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | क्लाउड कम्प्यूटिंग, वितरित सिस्टम |
| 9. |  | प्रो रश्मि रंजन राउत<br>पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर) | कंप्यूटर नेटवर्क, मोबाइल कंप्यूटिंग |
| | | **सह आचार्य** | |
| 10. |  | प्रो एस रवि चंद्रा<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर |
| 11. |  | प्रो टी रामकृष्णुडु<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | एसोसिएशन नियम खनन; वितरित डीएम |
| 12. |  | प्रो राजू भुक्या<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर संगठन |
| 13. |  | प्रो. यू.एस.एन. राजू<br>पीएचडी (जेएनटीयू काकीनाडा) | कंप्यूटर विजन और इमेज प्रोसेसिंग |
| 14. |  | प्रो के वी कादंबरी<br>पीएचडी (जेएनयू नई दिल्ली) | कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाइंस |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 15. |  | प्रो पी वेंकट सुब्बा रेड्डी<br>पीएचडी (एनआईटी त्रिची) | एल्गोरिदम और ग्राफ थ्योरी |
| 16. |  | प्रो प्रियंका चावला<br>पीएचडी (टीआईईटी, पटियाला) | क्लाउड कंप्यूटिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, प्रकृति प्रेरित कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस |
| 17. |  | प्रो श्रीराम कैलासम<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | वितरित सिस्टम, औपचारिक अवधारणा विश्लेषण के लिए स्केलेबल एल्गोरिदम, बिग डेटा एनालिटिक्स |
| 18. |  | प्रो मनीष कुमार बाजपेयी<br>पीएचडी (आईआईटी कानपुर) | संवर्धित बुद्धिमत्ता, भिन्नात्मक कलन के इंजीनियरिंग अनुप्रयोग, उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग, जाल मुक्त संगणना |
| 19. |  | प्रो वेंकन्ना उदुथलापल्ली<br>पीएचडी (एनआईटी त्रिची) | स्वायत्त वाहन सुरक्षा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), आईआईओटी, नेटवर्क सुरक्षा, एआई मॉडल पर सुरक्षा और गोपनीयता, सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्क |
| **सहायक आचार्य** | | | |
| 20. |  | प्रो बी मंजूबाला<br>पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर) | सॉफ्टवेयर विश्वसनीयता मॉडलिंग |
| 21. |  | प्रो अर्नेस्ट पॉल इजिना<br>पीएचडी (आईआईटी हैदराबाद) | कंप्यूटर दृष्टि, वीडियो सामग्री विश्लेषण |
| 22. |  | प्रो ई सुरेश बाबू<br>पीएचडी (जेएनटीयू काकीनाडा) | वायरलेस नेटवर्क, ब्लॉक चेन, आईओटी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 23. |  | प्रो एम संध्या<br>पीएच.डी. (हैदराबाद विश्वविद्यालय) | बॉयोमीट्रिक्स, पैटर्न पहचान |
| 24. |  | प्रो एम श्रीनिवास<br>पीएचडी (आईआईटी हैदराबाद) | इमेज प्रोसेसिंग, मेडिकल इमेजिंग, |
| 25. |  | प्रो आई कावती<br>पीएचडी (हैदराबाद विश्वविद्यालय) | पैटर्न मान्यता, छवि प्रसंस्करण |
| 26. |  | प्रो सुजीत दास<br>पीएचडी (एनआईटी दुर्गापुर) | सॉफ्ट कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इवोल्यूशनरी कम्प्यूटेशन, मशीन लर्निंग और मल्टी-क्राइटेरिया डिसीजन मेकिंग |
| 27. |  | प्रो संजय कुमार पांडा<br>पीएच.डी. (आईआईटी धनबाद) | क्लाउड और फॉग कंप्यूटिंग, सिफारिशकर्ता सिस्टम और इंटरनेट ऑफ थिंग्स |
| 28. |  | प्रो बालाप्रकाश किल्ली<br>पीएचडी (आईआईटी गुवाहाटी) | सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्किंग, चीजों का इंटरनेट, सुदृढीकरण सीखना, गेम थ्योरी, नेटवर्क अनुकूलन |
| 29. |  | प्रो संघरत्न गोडबोले<br>पीएचडी (एनआईटी राउरकेला) | कार्यक्रम विश्लेषण; सॉफ्टवेयर परीक्षण; फ़ज़िंग; सत्यापन; स्मार्ट अनुबंध; मशीन लर्निंग |
| 30. |  | प्रो रामलिंगस्वामी चेरुकु<br>पीएचडी (एनआईटी गोवा) | सॉफ्ट कंप्यूटिंग, ऑप्टिमाइज़ेशन, डीप लर्निंग और इसके एप्लीकेशन, एएनएन, मशीन लर्निंग, बायो एंड नेचर प्रेरित एल्गोरिदम, डेटा माइनिंग, फजी लॉजिक |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 31. |  | प्रो वेंकटेश्वर राव कगिता<br>पीएचडी (हैदराबाद विश्वविद्यालय) | अनुशंसाकर्ता प्रणाली; मशीन लर्निंग; गहरी शिक्षा; डेटा माइनिंग |
| 32. |  | प्रो तपन कुमार साहू<br>पीएचडी (आईआईटी धनबाद) | इमेज प्रोसेसिंग, पैटर्न एनालिसिस और मशीन लर्निंग, सॉफ्ट कंप्यूटिंग |
| 33. |  | प्रो निधि सोनकर<br>पीएचडी (नाइट रायपुर) | आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, देरी सहिष्णु नेटवर्क, वायरलेस नेटवर्क और मोबाइल संचार |
| 34. |  | प्रो शिवदर्शन एस एल<br>पीएचडी (नाइट सुरथकल) | नेटवर्क सुरक्षा, सूचना सुरक्षा, मैलवेयर विश्लेषण |
| **अनुलग्नक आचार्य** | | | |
| 1. |  | डॉ. सी. वी. राव<br>पूर्णकालिक सलाहकार, सी-डैक | |

**पीएचडी डिग्री प्रदान की गई:**

| क्र.सं. | छात्र का नाम | शोध प्रबंध शीर्षक | पर्यवेक्षक |
|---|---|---|---|
| 1. | वी. उमा शंकरराव | गोपनीयता-संरक्षण सिफरटेक्स्ट-नीति विशेषता- क्लाउड स्टोरेज में एन्क्रिप्टेड डेटा पर आधारित खोज | के वी कादंबरी |
| 2. | अमाडेवर गोदावरी रामुलु | क्लाउड वातावरण के लिए प्राथमिक भंडारण डुप्लीकेशन योजनाओं का डिज़ाइन | चपरम सुधाकर |
| 3. | मुक्कू निशांत कार्तिक | चेहरे की अभिव्यक्ति पहचान के लिए बनावट आधारित फ़ीचर निष्कर्षण रणनीतियाँ | राजू भुक्या |

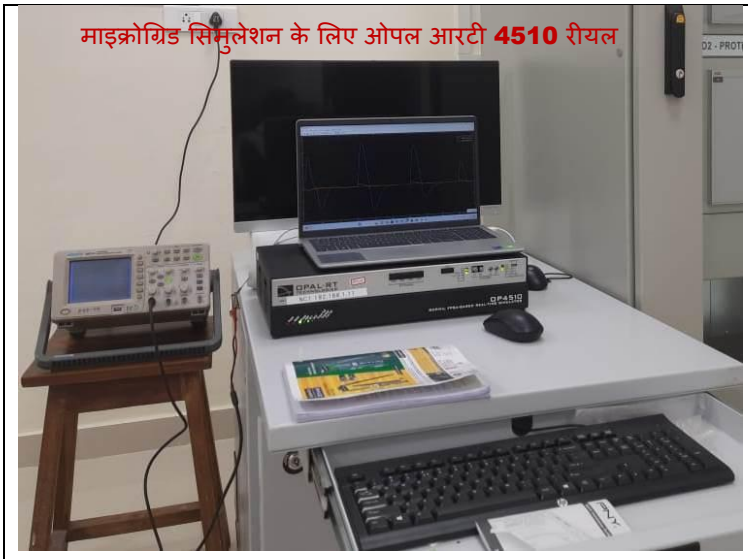
| | | | |
|---|---|---|---|
| 4. | देबांजन पाठक | दस्तकारी और गहरी सीखने के तरीकों के आधार पर सामग्री आधारित छवि पुनर्प्राप्ति | यू.एस.एन. राजू |
| 5. | जी. स्पूर्ति | सहयोगात्मक फ़िल्टरिंग का उपयोग करके क्रॉस-डोमेन और मल्टी मानदंड अनुशंसा प्रणाली में कुछ अध्ययन | एस.वी. संजीवी |
| 6. | उमामहेश्वर शर्मा | सॉफ्टवेयर दोषों के लिए मशीन लर्निंग मॉडल की कुछ जांच | रविचंद्र सदाम |
| 7. | प्रियंका परिमी | ऑनलाइन सामाजिक नेटवर्क के लिए अफवाह शमन दृष्टिकोण का डिजाइन | रश्मि रंजन राउत |
| 8. | भूक्य पद्म | आईओटी में एक सुरक्षित संचार प्रोटोकॉल डिजाइन करना ब्लॉकचेन सिस्टम का उपयोग करके ज़िगबी नेटवर्क सक्षम करना | ई सुरेश बाबू |
| 9. | चिलुकमारी राजेश | चिकित्सा छवि पहचान के लिए गहरे तंत्रिका नेटवर्क डिजाइन करने के लिए कुछ मेटाहेयुरिस्टिक एल्गोरिदम | रविचंद्र सदाम |
| 10 | पी वी शालिनी | सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग करके SDN में DDoS हमलों का पता लगाना और उनका शमन | एस.जी. संजीवी, वी. राधा |
| 11 | श्रीनिवास अरुकोंडा | मेटाहेरिस्टिक एल्गोरिदम आधारित एन्हांस्ड क्रोनिक डिजीज डायग्नोसिस के लिए पहनावा मॉडल | रामलिंगस्वामी |
| 12 | थानेदार एमडी आसिफ | कोहरे-सशक्त वाहन नेटवर्क के लिए संसाधन प्रबंधन और ऊर्जा-कुशल कार्य शेड्यूलिंग एल्गोरिदम का डिजाइन | संजय कुमार पांडा |

## विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वरंगल (एनआईटीडब्ल्यू) के सबसे पुराने विभागों में से एक है। 1959 में संस्थान के प्रमुख विभागों में से एक के रूप में स्थापित, विद्युत विभाग सक्रिय रूप से विद्युत अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान में लगा हुआ है। उत्कृष्ट संकाय के साथ, विभाग विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में स्नातक (बी.टेक) कार्यक्रम और "पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्राइव", "पावर सिस्टम इंजीनियरिंग", "स्मार्ट इलेक्ट्रिक ग्रिड" में स्नातकोत्तर (एम.टेक) कार्यक्रम प्रदान करता है और पीएचडी भी प्रदान करता है। विभाग के पास शोध कार्य को बढ़ाने और अनुसंधान क्षमता बढ़ाने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं हैं।

विभाग के पास शिक्षाविदों, अनुसंधान और उद्योग में गहन अनुभव के साथ संकायों का एक गतिशील समूह है, जो शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में समर्पित है और विशेषज्ञता के व्यापक क्षेत्रों के साथ अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है; पावर इलेक्ट्रॉनिक और ड्राइव, ऊर्जा कुशल प्रकाश व्यवस्था के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स का अनुप्रयोग, डीएसपी नियंत्रित औद्योगिक ड्राइव, विद्युत वाहन और वायरलेस पावर ट्रांसफर और पावर गुणवत्ता में सुधार, पावर सिस्टम के राज्य अनुमान और वास्तविक समय नियंत्रण, पावर सिस्टम में एएनएन और फजी लॉजिक के अनुप्रयोग, पावर सिस्टम डीरेग्यूलेशन, पावर सिस्टम ट्रांजिएंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आदि।

विभाग को विभिन्न प्रतिष्ठित योजनाओं के माध्यम से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित बाहरी अनुसंधान परियोजनाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा दृढ़ता से समर्थन प्राप्त है; इंप्रिंट-इंडिया, स्पार्क, डीएसटी, एसईआरबी, सीपीआरआई,डीआरडीओ,एमएनआरई,एमईआईटीवाई,जीआईएएन, एआईसीटीई-अटल, ई एंड आईसीटी, पीएमएमएमएनएमटीटी आदि। विभाग के पास मजबूत उद्योग संपर्क है और विभिन्न उद्योगों और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सरकार के लिए विभिन्न परामर्श परियोजनाओं को लगातार संभालने में शामिल रहा है। सहयोगी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए हिताची एनर्जी इंडिया, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), पावरग्रिड, ग्रिड इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन है।




| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन | पत्रिकाओं | 44 |
| | सम्मेलनों | 61 |
| | पुस्तकों | - |
| | पुस्तक अध्याय | 13 |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | 01 |
| | स्नातकोत्तर | 04 |
| | पीएचडी | 01 |
| प्रदान की गई डिग्रियाँ | स्नातकीय | 137 |
| | परास्नातकीय | 82 |
| | पीएचडी | 14 |
| एफडीपी/सम्मेलनों का आयोजन | | 4 |
| कर्मचारियों की संख्या | | 13 |

## संकाय और उनकी विशेषज्ञता:

| क्र.सं. | | नाम और योग्यता | विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **आचार्य (एचएजी)** | | | |
| 1. |  | प्रो शिव शर्मा डी वी एस एस<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | माइक्रोग्रिड संरक्षण और संचालन, मांग प्रतिक्रिया प्रबंधन, दोष निदान और स्थिति मूल्यांकन, बिजली की गुणवत्ता |
| 2. |  | प्रो सोमशेखर वी.टी.<br>पीएचडी (आईआईएससी बैंगलोर) | ओपन-एंड वाइंडिंग एसी मोटर ड्राइव, मल्टीलेवल इनवर्टर, पीडब्लूएम रणनीतियाँ, सोलर पीवी आधारित पंपिंग सिस्टम, फॉल्ट-टॉलरेंट मोटर ड्राइव |
| **आचार्य** | | | |
| 3. |  | प्रो नरसिम्हाराजू बी.एल. सी<br>पीएचडी (आईआईटी रुड़की) | कुशल एलईडी लाइटिंग सिस्टम, द्विदिश पावर कन्वर्टर्स और नियंत्रण के लिए पावर ड्राइवर, इलेक्ट्रिक ड्राइव कंट्रोल (एसआरएम, सिनआरएम, बीएलडीसी, पीएमएसएम), ईवी चार्जिंग और प्रोपल्शन सिस्टम, ईवी / यूपीएस / ग्रिड अनुप्रयोगों के लिए सौर पीवी इनवर्टर, ई-ड्राइव के लिए मल्टी-स्टेज / मल्टीलेवल इनवर्टर |
| 4. |  | प्रो श्रीकांत एन वी<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | पावर सिस्टम/स्मार्ट ग्रिड के लिए एआई तकनीकों का अनुप्रयोग, पावर सिस्टम/माइक्रो ग्रिड की समग्र स्थिरता में वृद्धि, एचवीडीसी और फैक्ट्स टेक्नोलॉजीज के लिए इंटेलिजेंट कंट्रोलर |
| 5. |  | प्रो भगवान कृष्णा मूर्ति<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | डीएसपी नियंत्रित ड्राइव, दोगुना फेड इंडक्शन जेनरेटर, पवन और तरंग ऊर्जा के लिए आवेदन |
| 6. |  | प्रो विश्वनाथन एन<br>पीएचडी (आईआईएससी बैंगलोर) | एलईडी प्रकाश व्यवस्था के लिए पावर कनवर्टर, प्रेरण हीटिंग सिस्टम के लिए उच्च आवृत्ति इनवर्टर, द्वि-दिशात्मक पावर कन्वर्टर्स, बैटरी चार्जिंग के लिए कन्वर्टर्स |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7. |  | प्रो श्रीनिवास राव दक्षिणी<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां, बिजली की गुणवत्ता, पावर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टर्स, प्रेरण मोटर ड्राइव, एकध्रुवीय और द्विध्रुवी डीसी माइक्रोग्रिड, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसर नियंत्रित ड्राइव |
| 8. |  | प्रोफेसर शैलजा कुमारी एम<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | पावर मार्केट्स, पावर सिस्टम्स में सिंक्रोफेजर एप्लिकेशन, पावर सिस्टम ऑप्टिमाइजेशन, पावर सिस्टम्स में एआई एप्लिकेशन |
| 9. |  | प्रो चिंथम वेंकैया<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | पावर सिस्टम |
| **सह आचार्य** | | | |
| 10. |  | प्रो पोरपंडिसेल्वी एस<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | पीवी-फेड एलईडी ड्राइवर, इंडक्शन हीटिंग एप्लीकेशन, उच्च आवृत्ति सॉफ्ट-स्विच्ड इनवर्टरप्रो पोरपंडिसेल्वी एस<br>पीएचडी (एनआईटी वारंगल) |
| 11. |  | प्रो सुरेश बाबू पर्ली<br>पीएचडी (जेएनटीयू हैदराबाद) | पावर सिस्टम प्रोटेक्शन, इलेक्ट्रिक वाहन |
| 12. |  | प्रो ए किरुबाकरन<br>पीएचडी (एम ए एन आई टी भोपाल) | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स- डीसी-डीसी कन्वर्टर्स, डीसी-एसी कन्वर्टर्स, पावर क्वालिटी और ग्रिड इंटरफेस, मल्टीलेवल इनवर्टर, रिड्यूस्ड डिवाइस काउंट एमएलआई, डिस्ट्रिब्यूटेड जनरेशन, रियल टाइम कंट्रोल |
| 13. |  | प्रो भुक्या नागू<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | पावर सिस्टम स्थिरता, नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन, सौर पीवी, ईंधन सेल, माइक्रो ग्रिड |
| 14. |  | प्रो जी शिव कुमार<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | पावर सिस्टम, नवीकरणीय प्रणाली, एसी माइक्रोग्रिड के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग |
| 15. |  | प्रो डी. श्रीनिवास राव<br>पीएचडी (आईआईटी रुड़की) | बहुस्तरीय पावर कन्वर्टर्स, पावर इलेक्ट्रॉनिक कनवर्टर डिजाइन और नियंत्रण, इलेक्ट्रिक वाहन, सक्रिय पावर फ़िल्टरिंग |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 16. |  | प्रो ए वी गिरिधर<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | बिजली उपकरण, उच्च वोल्टेज इंजीनियरिंग, स्पंदित पावर प्रौद्योगिकी, उच्च लाभ डीसी-डीसी कन्वर्टर्स की स्थिति निगरानी और निदान |
| 17. |  | प्रो एम उदय भास्कर<br>पीएचडी (सी आई टी सी ई ए यू पी सी, स्पेन) | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव, द्वि-दिशात्मक डीसी-डीसी कन्वर्टर्स, ऊर्जा भंडारण प्रणाली, डिजिटल नियंत्रण, सिंक्रोट्रॉन बिजली की आपूर्ति |
| 18. |  | प्रो बी वेणुगोपाल रेड्डी<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | मल्टीलेवल इनवर्टर, ओपन-एंड वाइंडिंग इंडक्शन मोटर ड्राइव, ग्रिड कनेक्टेड/स्टैंड-अलोन पीवी सिस्टम |
| 19. |  | प्रो शर्मिली दास<br>पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर) | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव, विशेष मशीनें |
| **सहायक आचार्य** | | | |
| 20. |  | प्रो श्रीनिवासन प्रदाबेन<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव |
| 21. |  | प्रो सी एच रामुलु<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव, गैर-पारंपरिक ऊर्जा कंडीशनिंग के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स का अनुप्रयोग, एसी-डीसी इलेक्ट्रोलाइटिक कैपेसिटर-कम सिंगल-फेज एलईडी ड्राइवर, उच्च लाभ डीसी-डीसी कन्वर्टर्स |
| 22. |  | प्रो विनय कुमार टी<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक ड्राइव, इंडक्शन मोटर ड्राइव की गति नियंत्रण योजना, पीएमएसएम ड्राइव |
| 23. |  | प्रो सतीश कुमार<br>पीएचडी (जेएनटीयू काकीनाडा) | पावर सिस्टम प्लानिंग, ऑपरेशन और कंट्रोल, माइक्रोग्रिड्स में ऊर्जा प्रबंधन, एलएफसी, और एजीसी, संसाधन आवंटन और अनुकूलन, डब्ल्यूएसएन और आईओटी, डिजिटल इमेज और सिग्नल प्रोसेसिंग |
| 24. |  | प्रो अल्ताफ क्यू एच बदर<br>पीएचडी (वीएनआईटी नागपुर) | पावर सिस्टम, ऊर्जा बाजार, विकासवादी अनुकूलन तकनीक, ऊर्जा प्रबंधन |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 25. |  | प्रो स्वाति देववकटोनी<br>पीएचडी (जेएनटीयू हैदराबाद) | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कन्वर्टर्स, नियंत्रक डिजाइन, प्रेरण मोटर ड्राइव की गति नियंत्रण, पीएमएसएम ड्राइव, रैखिक प्रेरण मोटर ड्राइव, प्रेरण हीटिंग |
| 26. |  | प्रो पलाश मिश्रा<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | उच्च वोल्टेज डीसी / एसी सिस्टम, नैनो डाइलेक्ट्रिक्स, बिजली उपकरण की स्थिति की निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक, पॉलिमरिक इन्सुलेशन |
| 27. |  | प्रो राम कृष्ण<br>पीएचडी (आईआईटी दिल्ली) | पावर सिस्टम स्थिरता, माइक्रोग्रिड, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण |
| 28. |  | प्रो आर जेसेंथिल<br>पीएचडी (आईआईटी बॉम्बे) | मजबूत नियंत्रण प्रणाली डिजाइन, मात्रात्मक प्रतिक्रिया सिद्धांत (क्यूएफटी) और एच-अनंत डिजाइन विधियों, पावर कन्वर्टर्स और मेक्ट्रोनिक प्रणाली का नियंत्रण |
| 29. |  | कंसोट्टू अनिल नायक<br>पीएचडी (आईआईटी रुड़की) | बिजली प्रणाली, माइक्रो-ग्रिड स्थिरता और नियंत्रण, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली ग्रिड एकीकरण मुद्दों में बुद्धिमान नियंत्रक अनुप्रयोग |
| 30. |  | प्रो देबस्मिता पांडा<br>पीएचडी (आईआईटी कानपुर) | पावर मार्केट ऑप्टिमाइजेशन, स्मार्ट ग्रिड |
| 32. |  | प्रो महमद नबाब आलम<br>पीएचडी (आईआईटी रुड़की) | पावर सिस्टम संरक्षण, नेटवर्क माइक्रोग्रिड, अनुकूलन तकनीक, स्मार्ट ग्रिड |
| **अनुलग्नक आचार्य** | | | |
| 1. |  | प्रो अक्षय कुमार राठौर<br>[आचार्य, सिंगापुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सिंगापुर] | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स स्वर-सामंजस्य, परिवहन विद्युतीकरण इलेक्ट्रिकल ड्राइव |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2. |  | प्रो एनडीआर शर्मा [संस्थापक और सीईओ, एनडीआरएस एसईएमएस कंसल्टेंसी, एलएलसी,] | पावर सिस्टम<br>स्मार्ट ग्रिड |

**पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई:**

| क्र सं | **छात्र का नाम** | **शोध प्रबंध शीर्षक** | **पर्यवेक्षक** |
|---|---|---|---|
| 1 | टी विनोद कुमार | बहुउद्देश्यीय अनुकूलन दृष्टिकोण का उपयोग करके अनिश्चितताओं पर विचार करते हुए वितरण प्रणाली में वितरित जनरेटर की इष्टतम योजना पर जांच | आई सतीश कुमार |
| 2 | श्रीमती पार्वती एम एल | स्थायी चुंबक तुल्यकालिक मोटर ड्राइव के लिए प्रभावी मॉडल भविष्य कहनेवाला वर्तमान नियंत्रण योजनाएं | टी विनय कुमार |
| 3 | सीएच करासला | मल्टीफंक्शनल पीवी ग्रिड कनेक्टेड इन्वर्टर का नियंत्रण कम स्विचिंग लॉस और कॉमन मोड वोल्टेज रिडक्शन के साथ | जी शिव कुमार |
| 4 | भाविन साल्वी | मल्टी-लोड इंडक्शन कुकिंग सिस्टम के लिए उच्च आवृत्ति सॉफ्ट-स्विच्ड इन्वर्टर कॉन्फ़िगरेशन का विकास | एस पोरपंडिसेल्वी,<br>एन विश्वनाथन |
| 5 | कृष्ण कुमार राय | गतिशील प्रतिबाधा मिलान और उच्च वोल्टेज उच्च पल्स बिजली की आपूर्ति के पल्स आकार देने | ए. वी. गिरिधर,<br>डी आर जहागीरदार |
| 6 | लोकेश वंकुडोथ | नेटवर्क माइक्रोग्रिड्स में लाभ अधिकतमकरण के लिए रणनीतियों पर जांच | अल्ताफ क्यू एच बदर |

## इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

इलेक्ट्रॉनिकी और संचार अभियांत्रिकी विभाग वर्ष 1971 में अपनी स्थापना के बाद से संस्थान के प्रमुख विभागों में से एक रहा है। विभाग ने पिछले कुछ दशकों में तेजी से विस्तार किया है और अब इसे भारत के अग्रणी शैक्षणिक और अनुसंधान केंद्रों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है। विभाग के दुनिया भर में शिक्षाविदों और उद्योग के साथ मजबूत संपर्क हैं। विभाग अनुसंधान एवं विकास संगठनों को भी सहायता प्रदान करता है। संकाय सक्रिय रूप से सलाहकार के रूप में उद्योग की समस्याओं के समाधान प्रदान करने में लगा हुआ है। विभाग के शैक्षणिक कार्यक्रमों को देश में शीर्ष पर रखा गया है। स्नातक छात्रों को अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान संगठनों और उद्योगों में अच्छी तरह से रखा जाता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग भारत में सभी एनआईटी के बीच देश के सबसे बड़े ईसीई विभागों में से एक है और सबसे बड़े राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वरंगल (एनआईटीडब्ल्यू) विभागों में से एक है। एनआईटीडब्ल्यू में ईसीई विभाग शिक्षण, अनुसंधान और सेवा में उत्कृष्टता के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा है। उत्कृष्ट प्रयोगशाला सुविधाओं और समर्पित संकाय के साथ, ईसीई विभाग कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन, वीएलएसआई सिस्टम डिजाइन, संचार प्रणाली और अनुसंधान (पीएचडी) कार्यक्रमों में स्नातक (बी टेक) और स्नातकोत्तर (एम टेक) शामिल हैं। विभाग द्वारा हाल ही में शुरू की गई कुछ प्रायोजित परियोजनाओं में डीएलआरएल, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके रडार एमिटर पहचान और एमआईटी-सरकार द्वारा प्रायोजित वीएलएसआई में विशेष जनशक्ति विकास शामिल हैं। विभाग कर निर्धारण वर्ष 2023-24 से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी (वीएलएसआई डिजाइन और प्रौद्योगिकी) में प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में एक व्यापक स्नातक प्रदान करता है। तीन विशेषज्ञताओं में प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में एक गहन मास्टर- इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंटेशन, वीएलएसआई और उन्नत संचार ।

| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन | पत्रिकाओं | 49 |
| | सम्मेलनों | 29 |
| | पुस्तकों | - |
| | पुस्तक अध्याय | - |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | 02 |
| | स्नातकोत्तर | 03 |
| | पीएचडी | 01 |
| प्रदान की गई डिग्रियाँ | स्नातकीय | 157 |
| | परास्नातकीय | 79 |
| | पीएचडी | 15 |
| एफडीपी/सम्मेलनों का आयोजन | | 06 |
| कर्मचारियों की संख्या | | 13 |

## संकाय और उनकी विशेषज्ञता:

| क्र.सं. | | नाम और योग्यता | विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| | | **आचार्य (एचएजी)** | |
| 1. |  | प्रो नरसिम्हा शर्मा एन वी एस<br>पीएचडी (आईआईटी खरगपुर)<br>निदेशक आईआईआईटी त्रिची के रूप में प्रतिनियुक्ति पर | संख्यात्मक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स एएनएन और वायरलेस सेंसर नेटवर्क एंटेना |
| | | **आचार्य** | |
| 2. |  | प्रो. डी. वकुला (विभागाध्यक्ष)<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | बहुक्रिया एंटेना, अल्ट्रावाइडबैंड एंटेना, मेटामटेरियल्स, एंटीना सरणियों के दोष निदान, तरंगपथ निर्धारित्र स्लॉट रेडिएटर, अनुरूप एंटेना, कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क, टेराहर्ट्ज़ सिस्टम |
| 3. |  | प्रो टी किशोर कुमार<br>पीएच.डी. (जेएनटीयू हैदराबाद) | भाषण, छवि और के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग चिकित्सा अनुप्रयोग, वास्तविक समय एम्बेडेड सिस्टम और चीजों का इंटरनेट |
| 4. |  | प्रो एल अंजनेयुलु<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | कंप्यूटर नेटवर्क, एंटेना, माइक्रोवेव इंजीनियरिंग, सिग्नल प्रोसेसिंग, रडार सिग्नल प्रोसेसिंग, एंटेना पानी के नीचे संचार |
| 5. |  | प्रो एन भीम राव<br>पीएच.डी. (आईआईटी बॉम्बे) | आरएफ अनुप्रयोगों और डिवाइस मॉडलिंग के लिए ऑन-चिप इंडक्टर्स |
| 6. |  | प्रो बी. लक्ष्मी<br>पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर) | आईओटी वीएलएसआई आर्किटेक्चर एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन एफपीजीए डिज़ाइन लो पावर वीएलएसआई डिज़ाइन |
| 7. |  | प्रो टीवीके हनुमंत राव<br>पीएच.डी. (अन्ना विश्वविद्यालय) | बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग और चिप पर फॉल्ट टॉलरेंट नेटवर्क |
| 8. |  | प्रो श्रीहरि राव पत्री<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | एनालॉग और मिश्रित-सिग्नल आईसी डिजाइन, पावर प्रबंधन आईसीएस, आईओटी अनुप्रयोगों के लिए स्मार्ट एसओसी डिजाइन, संचार प्रणाली, स्मार्ट सेंसर, एसईआरडीईएस सर्किट |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 9. |  | प्रो.वी.वी. मणि<br>पीएच.डी. (आईआईटी दिल्ली) | B5जी/6जी के लिए वायरलेस कम्युनिकेशन, कम्युनिकेशन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो, IRS असिस्टेड वायरलेस कम्युनिकेशन |
| 10. |  | प्रो जे रवि कुमार<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | सिग्नल प्रोसेसिंग, कंट्रोल सिस्टम डिजाइन, मशीन लर्निंग |
| 11. |  | प्रो एस अनुराधा<br>पीएच.डी. (आंध्र विश्वविद्यालय) | वायरलेस संचार, कोडिंग तकनीक, लुप्त होती चैनल, संज्ञानात्मक रेडियो, संचार के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग, संज्ञानात्मक रेडियो के लिए एंटेना |
| **सह आचार्य** | | | |
| 12. |  | प्रो. एम.वी. रघुनाथ<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | 5 संचार, इमेज प्रोसेसिंग, पैटर्न पहचान |
| 13. |  | प्रो के. रवि किशोर<br>एम टेक (एनआईटी वरंगल) | वायरलेस सेंसर और कंप्यूटर नेटवर्क डिजिटल सिस्टम डिजाइन वायरलेस संचार |
| 14. |  | प्रो. एस.के.एल.वी. साई प्रकाश<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | स्थलीय और गैर-स्थलीय कॉम, तदर्थ और सेंसर नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और साइबर-भौतिक सिस्टम, मशीन लर्निंग और स्मार्ट सिस्टम डिजाइन |
| 15. |  | प्रो पी हरि कृष्ण प्रसाद<br>एम ई (श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय) | वायरलेस संचार |
| 16. |  | प्रो के वी श्रीधर<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | बायो-मेडिकल सिग्नल/इमेज प्रोसेसिंग एडेप्टिव सिग्नल प्रोसेसिंग |
| 17. |  | प्रो ए प्रकाश राव<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | स्मार्ट एंटीना सिस्टम, अनुकूलन तकनीक, ईडीसी, और सिग्नल और सिस्टम |
| 18. |  | प्रो पी मुरलीधर<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | वीआईएसआई आर्किटेक्चर, एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन, एफपीजीए सिस्टम ऑन चिप (एसओसी) डिज़ाइन |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 19. |  | प्रो सीएच वी रामा राव<br>पीएचडी (जेएनटीयू हैदराबाद) | स्पीच प्रोसेसिंग, सिग्नल प्रोसेसिंग, सिग्नल प्रोसेसिंग के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम, उन्नत संचार प्रणालियों में सिग्नल प्रोसेसिंग मुद्दे, पैटर्न मान्यता |
| | | **सहायक आचार्य** | |
| 20. |  | प्रो. पी. प्रथ्वी<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | डिजिटल सिस्टम डिजाइन, एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, भाषण प्रसंस्करण |
| 21. |  | प्रो वी. राम<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेडिकल डायग्नोसिस में डीप लर्निंग, एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल लॉजिक डिजाइन, लीनियर आईसी एप्लीकेशन, डिजिटल आईसी एप्लीकेशन |
| 22. |  | प्रो के. सारंगम<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | वीएलएसआई सर्किट डिजाइन कम बिजली डिजाइन उपन्यास डिवाइस |
| 23. |  | प्रो कल्पना नायडू<br>पीएच.डी. (आईआईटी हैदराबाद) | वायरलेस संचार, 5 जी संचार, विषम संचार, संसाधन आवंटन |
| 24. |  | प्रो जी अरुण कुमार<br>पीएच.डी. (जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता) | माइक्रोवेव और मिलीमीटर तरंग निष्क्रिय और सक्रिय सर्किट, संचार और रडार फ्रंट एंड डिज़ाइन, मेटामटेरियल्स, सब्सट्रेट इंटीग्रेटेड वेवगाइड्स सर्किट और एंटेना, और पुन: कॉन्फ़िगर करने योग्य फिल्टर और एंटेना |
| 25. |  | अतुल कुमार निषाद<br>पीएचडी (आईआईटी रोपर) | वीएलएसआई इंटरकनेक्ट, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और वीएलएसआई, 2 डी सामग्री, वीएलएसआई सर्किट और सिस्टम |
| 26. |  | प्रो वी नरेंद्र<br>पीएच.डी. (एम ए एन आई टी इलाहाबाद) | सीएमओएस से परे, नैनोस्केल डिवाइस डिजाइन और मॉडलिंग, मॉडलिंग और अर्धचालक उपकरणों का सिमुलेशन, कार्बन नैनोट्यूब और 2डी सामग्री-आधारित उपकरण, वीएलएसआई सर्किट और सिस्टम |
| 27. |  | प्रो हिमांशु शेखर प्रधान<br>पीएच.डी. (आईआईटी भुवनेश्वर) | ऑप्टिक सेंसर; ऑप्टिकल सिग्नल प्रोसेसिंग; नॉनलाइनियर फाइबर ऑप्टिक्स; ऑप्टिकल संचार; फाइबर ऑप्टिक सेंसर का उपयोग कर संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; मुक्त अंतरिक्ष ऑप्टिकल संचार; एफएसओ प्रणाली में चैनल मॉडलिंग। |
| 28. |  | प्रो गोपी राम | समय-संग्राहक एंटीना सरणी संरचनाओं के विकिरण पैटर्न का विश्लेषण और संश्लेषण; विकासवादी अनुकूलन तकनीक; इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स में सॉफ्ट कंप्यूटिंग का अनुप्रयोग; आरएफ और माइक्रोवेव |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | पीएच.डी. (एन आई टी दुर्गापुर) | |
| 29. |  | प्रो बी के एन श्रीनिवास राव<br>पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर) | छवि और वीडियो प्रसंस्करण के लिए वीएलएसआई आर्किटेक्चर, एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, चिप पर सिस्टम (एसओसी), चिप पर नेटवर्क (एनओसी) |
| 30. |  | प्रो एमडी फारुख हाशमी<br>पीएच.डी. (वीएनआईटी, नागपुर) | डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विजन, मशीन विजन, वीडियो प्रोसेसिंग, वीडियो कोडेक डिजाइन, एम्बेडेड सिस्टम, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग (डीएसपी), मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग फॉर हेल्थ केयर एंड कंप्यूटर विजन, डिजिटल डिजाइन, एम्बेडेड इमेज प्रोसेसिंग, बायोमेडिकल इमेज प्रोसेसिंग, रियल टाइम ऑपरेटिंग सिस्टम। |
| 31. |  | प्रो एम सतीश<br>पीएच.डी. (आईआईटी रुड़की) | कैलिब्रेटेड टीसीएडी का उपयोग करके उपन्यास उपकरण डिजाइन; उपन्यास उपकरणों की कॉम्पैक्ट मॉडलिंग; एमओएस उपकरणों/परिपथों की विशेषता और संविरचन; कम शक्ति एनालॉग और डिजिटल सर्किट का डिजाइन; एम्बेडेड/ आईओटी अनुप्रयोगों या प्रणालियों का डिज़ाइन |
| 32. |  | प्रो प्रकाश<br>पीएच.डी. (आईआईएससी बैंगलोर) | मुद्रित लचीला इलेक्ट्रॉनिक्स, एम्बेडेड सिस्टम और बायोमेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स |
| 33. |  | प्रो चयन भर<br>पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर) | नेटवर्क के लिए एआई; सुदृढीकरण सीखना आधारित नेटवर्क डिजाइन; नेटवर्क डिजाइन और विश्लेषण |
| 34. |  | प्रो ए गोयल<br>पीएच.डी. (आईआईटी बीएचयू) | मॉडलिंग और उन्नत एमओएस उपकरणों का अनुकरण |
| 35. |  | प्रो अमरजीत कुमार<br>पीएच.डी. (आईआईटी रुड़की) | सक्रिय और निष्क्रिय आरएफ माइक्रोवेव डिवाइस और टी एच जेड घटक, सेंसर |
| 36. |  | प्रो वसुंधरा<br>पीएच.डी. (आईआईटी भुवनेश्वर) | अनुकूली सिग्नल प्रोसेसिंग, श्रवण सहायता डिजाइन, वितरित सिस्टम अनुमान, सक्रिय शोर नियंत्रण |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 37. |  | प्रो शुवम पवार<br>पीएच.डी. (आईआईटी रुड़की) | एस ए डब्ल्यू और बी ए डब्ल्यू रेज़ोनेटर, सेंसर और एक्ट्यूएटर्स, थिन फिल्म्स टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर डिवाइसेस |
| 38. |  | प्रो सौरभ सोलंकी<br>पीएचडी (आईआईटी इंदौर) | 5जी/6जी वायरलेस संचार, गैर-स्थलीय नेटवर्क (यूएवी, एचएपीएस, उपग्रह), प्रदर्शन विश्लेषण और रेडियो संसाधन प्रबंधन, भौतिक परत सुरक्षा, स्पेक्ट्रम साझाकरण नेटवर्क, टी हर्ट्ज संचार |
| **अनुलग्नक आचार्य** | | | |
| 1 |  | प्रो बी एच वी एस नारायण मूर्ति [पूर्व प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और महानिदेशक (मिसाइल और सामरिक प्रणाली) | |

**पीएचडी डिग्री प्रदान की गई:**

| क्र.सं. | छात्र का नाम | शोध प्रबंध शीर्षक | पर्यवेक्षक |
|---|---|---|---|
| 1 | गणेश मिरियाला | वीएलसी सिस्टम और हार्डवेयर कार्यान्वयन के लिए कम जटिल, बिजली-कुशल मॉड्यूलेशन योजनाएं | वी.वी. मणि |
| 2 | मोनिका जमला | इंटरनेट ऑफ थिंग्स में विषम वातावरण के लिए अल्ट्रा-लाइट वेट क्रिप्टोग्राफिक एल्गोरिथ्म का डिज़ाइन | वी.वी. मणि |
| 3 | पत्री उपेंद्र | परिपत्र ध्रुवीकृत ढांकता हुआ गुंजयमान यंत्र एंटेना और टीएचजेड अवशोषक पर जांच | अमरजीत कुमार |
| 4 | कल्लेपेली सागर | संलग्न परिपत्र डबल गेट एमओएसएफईटी का डिजाइन और सर्किट प्रदर्शन विश्लेषण | एम. सतीश |
| 5 | श्री श्रीपति शिव प्रसाद | डिजिटल हियरिंग एड उपकरणों में ध्वनिक प्रतिक्रिया रद्द करने के लिए अनुकूली एल्गोरिदम पर कुछ जांच | सी.बी. रामा राव<br>वी.राम |

## मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

एन आई टी वरंगल में मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग 2009 में शुरू किया गया था। विभाग अंग्रेजी संचार और दो विदेशी भाषाओं में बुनियादी से लेकर उन्नत पाठ्यक्रमों तक के पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो यूजी / पीजी और पीएचडी स्तरों पर छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करता है। इसके अलावा, विभाग नियमित, अंशकालिक और स्व-वित्त माध्यम से ईएलटी, ब्रिटिश साहित्य और अमेरिकी साहित्य के व्यापक क्षेत्रों में अनुसंधान कार्यक्रम भी प्रदान करता है। विभाग में उच्च योग्य और प्रतिबद्ध संकाय सदस्य हैं जो अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त हैं और राज्य स्तर के विश्वविद्यालयों से संबद्ध कॉलेजों में कई बोर्डों के सदस्य हैं। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान, एनईपी दिशानिर्देश 2020 के अनुसार, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग ने मौजूदा पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम को संशोधित किया है और यूजी/पीजी/पीएचडी स्तरों पर 16 नए पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। पाठ्यचर्या संशोधन के भाग के रूप में विभाग ने अवर स्नातक स्तर पर प्रस्तुत किए जाने वाले लघु कार्यक्रम भी तैयार किए हैं जिसका शीर्षक है एसटीईएम के लिए व्यावसायिक संचार कौशल ।



23 से 27 सितंबर 2024 के दौरान स्पार्क के एक भाग के रूप में आयोजित "समावेश के लिए शिक्षण: प्रभावी अभ्यास के सिद्धांत" पर पांच दिवसीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम का उद्घाटन.

| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन | पत्रिकाओं | 02 |
| | सम्मेलनों | - |
| | पुस्तकों | - |
| | पुस्तक अध्याय | - |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | - |
| | स्नातकोत्तर | - |
| | पीएचडी | 01 |
| प्रदान की गई डिग्रियाँ | स्नातकीय | - |
| | परास्नातकीय | - |
| | पीएचडी | 01 |
| एफडीपी/सम्मेलनों का आयोजन | | 03 |
| कर्मचारियों की संख्या | | 03 |

### संकाय और उनकी विशेषज्ञता:

| क्र.सं. | नाम और योग्यता | | विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **आचार्य** | | | |
| 1. |  | प्रो के. माधवी<br>पीएच.डी. (उस्मानिया विश्वविद्यालय) | अकादमिक लेखन कौशल; कार्य-आधारित ईएसपी पाठ्यक्रम डिजाइन करना; एकाधिक बुद्धिमत्ता -दृश्य साक्षरता; प्रौद्योगिकी का उपयोग करके पढ़ना और लिखना सिखाना; शिक्षार्थी रणनीतियों और शैलि |
| **सह आचार्य** | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2. |  | प्रो एम आर विश्वनाथन, विभाग अध्यक्ष<br>पीएचडी (उस्मानिया विश्वविद्यालय) | ईएलटी (दो-भाषावाद और दो-भाषी शिक्षा; अंग्रेजी शिक्षण में विचारधारा; दूसरी भाषा अधिग्रहण; शिक्षार्थी रणनीतियों; संचार रणनीतियों; शैली विश्लेषण; अकादमिक लेखन); अमेरिकी साहित्य; ब्रिटिश साहित्य; अंग्रेजी में भारतीय लेखन |
| **सहायक आचार्य** | | | |
| 3 |  | प्रो बी स्पूर्ति<br>पीएचडी (ईएफएल-विश्वविद्यालय) | अंग्रेजी भाषा शिक्षण के लिए एआई कौशल विकास के लिए एआई सीएलआईएल -सामग्री और भाषा एकीकृत शिक्षा; सामाजिक भावनात्मक शिक्षा; कार्य आधारित भाषा शिक्षण |
| 4 |  | प्रो आर वेनेला<br>पीएचडी (हैदराबाद विश्वविद्यालय) | भारत में अंग्रेजी भाषा सीखने और शिक्षण का इतिहास; दो-भाषी शिक्षा; भाषा योजना और नीति; अनुवाद; कोशकारिता |

## प्रबंधन अध्ययन विभाग

विभाग की स्थापना वर्ष 2000 में एक प्रबंधन अध्ययन केंद्र के रूप में की गई थी। बाद के वर्षों में, प्रतिष्ठित विभाग का नाम प्रबंधन स्कूल (एस ओ एम) कर दिया गया, जिसे अब प्रबंधन अध्ययन विभाग (डी ओ एम एस) नाम दिया गया है। टेक्नो-मैनेजर बनाने की अनूठी अवधारणा अपने आप में एस ओ एम, एन आई टी वरंगल के लिए एक खासियत थी। लेकिन अब बदलती जरूरतों और प्रबंधन अनुशासन की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए इसने एम बी ए करने के इच्छुक सभी स्नातकों के लिए दरवाजे खोल दिए हैं।

प्रबंधन अध्ययन विभाग का ध्येय अपने प्रथम द्विवर्षीय, पूर्णकालिक एम बी ए प्रोग्राम पर है, जो मानव संसाधन (एच आर), व्यवसाय (मार्केटिंग), वित्त, संचालन, वैश्लेषिकी (एनालिटिक्स), सूचान प्रौद्योगिकी (आई टी) आदि जैसे विशेषज्ञता की विभिन्न धाराओं के साथ चार छमाही में पूरा होता है। यह कोर्स आम तौर पर एमबीए करने वाले सभी स्नातकों के लिए रचना किया गया है, जिससे छात्रों में तकनीकी और प्रबंधकीय दोनों प्रकार की क्षमताओं का विकास होता है। एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते, यह पूरे देश से छात्रों को प्रवेश का अवसर प्रदान करता है, जिससे बौद्धिक क्षमताओं का एक समूह एकत्र होता है, जिन्हें दुनिया की सबसे मूल्यवान संपत्ति बनाने के लिए सावधानीपूर्वक पोषित किया जाता है।

यह विभाग शैक्षणिक और शोध कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, साथ ही प्रबंधन के विविध क्षेत्रों में अमूल्य प्रशिक्षण, परामर्श सेवाएँ और आउटरीच पहल भी प्रदान करता है। वर्ष 2009 में, प्रबंधन अध्ययन विभाग ने एक नया उद्यम शुरू किया, जिसमें विद्या वाचस्पति (पीएचडी) कार्यक्रम की शुरुआत की गई, जो विभिन्न प्रबंधन विषयों में सन्निहित है। यह कार्यक्रम अपने प्रतिभागियों को प्रबंधन के क्षेत्र में ज्ञान के मौजूदा निकाय को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रणाली तंत्रों की गहन समझ से परिपूर्ण करता है। इस वाचस्पति प्रयास की कठोर प्रकृति न केवल एक सम्मानजनक शैक्षणिक कैरियर का मार्ग प्रशस्त करती है, बल्कि शैक्षणिक क्षेत्र से परे प्रभावशाली शोध भूमिकाओं के लिए व्यक्तियों को तैयार भी करती है। प्रबंधन अध्ययन विभाग को संस्थान के अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे तक पहुँच प्राप्त है। इसमें अत्याधुनिक सुविधाएँ शामिल हैं जैसे कि परस्पर संवादात्मक कक्षाएँ, अच्छी तरह से सुसज्जित संगोष्ठी कक्ष, एक समृद्ध पुस्तकालय, एक व्यापक खेल परिसर, आरामदायक छात्रावास, और बहुत कुछ, जो सामूहिक रूप से एक समृद्ध शैक्षणिक अनुभव में योगदान करते हैं।

| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन | पत्रिकाएं | 15 |
| | सम्मेलन | 1 |
| | पुस्तकें | 1 |
| | पुस्तक अध्याय | 2 |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | - |
| | स्नातकोत्तर | 01 |
| | पीएचडी | 01 |
| प्रदान की गई डिग्रियाँ | स्नातकीय | - |
| | परास्नातकीय | 22 |
| | पीएचडी | - |
| एफडीपी/सम्मेलन आयोजित | | 02 |
| कर्मचारियों की संख्या | | 01 |

## संकाय और उनकी विशेषज्ञता:

| क्र. सं. | नाम एवं योग्यता | | विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **आचार्य** | | | |
| 1 |  | प्रो. वी. रमा देवी, विभागाध्यक्ष<br>पीएचडी (श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय) | संगठनात्मक व्यवहार, मानव संसाधन प्रबंधन, भाषाई अध्ययन |
| 2 |  | प्रो. पी. रामलाल<br>पीएच.डी. (काकतीय विश्वविद्यालय) | मानव संसाधन प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, व्यावहारिक कौशल, कार्यस्थल प्रशिक्षण |
| **सह आचार्य** | | | |
| 3 |  | प्रो. सुनीता जी<br>पीएच.डी. (काकतीय विश्वविद्यालय) | न्याय-संबंधी और धोखाधड़ी लेखांकन, व्यवहारिक वित्त, निवेश प्रबंधन, सेवानिवृत्ति योजना पर विशेष ध्यान देने के साथ व्यक्तिगत वित्तीय योजना, कुशल ज्ञान प्रबंधन एवं अंकीय ज्ञान, महिला उद्यमिता और महिला नेतृत्व वाले उद्यमों की मापनीय चुनौतियां। |
| 4 |  | प्रो. लक्ष्मी तुलसी देवी एस<br>पीएच.डी. (आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय) | निगमित वित्त, वित्तीय अर्थमिति, वित्तीय प्रौद्योगिकी, जोखिम प्रबंधन, सतत वित्त, हरित वित्त और महिला उद्यमिता |
| 5 |  | प्रो. फ्रांसिस सुधाकर<br>पीएच.डी. (उस्मानिया विश्वविद्यालय) | उपभोक्ता व्यवहार और सेवा विपणन |
| **सहायक आचार्य** | | | |
| 6 |  | प्रो. रामचंद्र गोपाल पी<br>पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर) | परिचालन प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, गुणवत्ता प्रबंधन, परियोजना प्रबंधन |
| 7 |  | प्रो. राहुल थंगेडा<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | उपभोक्ता व्यवहार, बेहतर दुनिया के लिए विपणन, विश्लेषिकी |

## गणितशास्त्र विभाग

गणितशास्त्र विभाग की स्थापना वर्ष 1959 में हुई थी और इसने हमेशा शिक्षण और शोध गतिविधियों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने में संस्थान के दृष्टिकोण को साझा किया है। पिछले कुछ वर्षों में, विभाग अनुप्रयुक्त गणितीय विज्ञान में उत्कृष्ट शिक्षण और शोध प्रदान करने वाले विभाग के रूप में विकसित हुआ है।

| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन | पत्रिकाएं | 76 |
| | सम्मेलन | 09 |
| | पुस्तकें | - |
| | पुस्तक अध्याय | 04 |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | 01 |
| | स्नातकोत्तर | 02 |
| | पीएचडी | 01 |
| प्रदान की गई डिग्रियाँ | स्नातकीय | - |
| | परास्नातकीय | 57 |
| | पीएचडी | 10 |
| एफडीपी/सम्मेलन आयोजित | | 06 |
| कर्मचारियों की संख्या | | 04 |

### संकाय और उनकी विशेषज्ञता:

| **क्रम सं.** | | **नाम एवं योग्यता** | **प्रमुख विशेषज्ञता के क्षेत्र** |
|---|---|---|---|
| | | **आचार्य (एचएजी)** | |
| 1. |  | प्रो. जे.वी. रमण मूर्ति<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | द्रव गतिविज्ञान, गैर-न्यूटोनियन द्रव प्रवाह, समरूपता विश्लेषण विधि, गड़बड़ी विधियाँ |
| 2. |  | प्रो. वाई एन रेड्डी<br>पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर) | संख्यात्मक विश्लेषण |
| | | **आचार्य** | |
| 3. |  | प्रो. काशी विश्वनाथम केएनएस<br>पीएच.डी. (आईआईटी बॉम्बे) | संख्यात्मक विश्लेषण, परिमित तत्व विधियाँ, अनुकूलन तकनीकें |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4. |  | प्रो. देबाशीष दत्ता<br>पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर) | परिचालन अनुसंधान, सांख्यिकी, मृदु संगणन, गणितीय प्रतिमान |
| 5. |  | प्रो. डी. श्रीनिवासाचार्य<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | द्रव यांत्रिकी, अभिकलनात्मक द्रव गतिकी, हाइड्रोडायनामिक स्थिरता, माइक्रोपोलर और युगल तनाव द्रव, संवहनीय ऊष्मा और द्रव्यमान स्थानांतरण, जैव यांत्रिकी, छिद्रपूर्ण माध्यम से प्रवाह, अतिसूक्ष्म द्रव प्रवाह, द्रव यांत्रिकी में ए एन एन |
| 6. |  | प्रो. हरि पोन्नम्मा रानी<br>पीएच.डी. (अन्ना विश्वविद्यालय) | परिमित अंतर विधियाँ, परिमित आयतन विधियाँ, अस्थिरता और भंवर विश्लेषण, प्रवाह सहायता प्राप्त संक्षारण, अभिकलनात्मक द्रव गतिकी |
| | | **सह आचार्य** | |
| 7. |  | प्रो. बेनर्जी बाबू ए (विभागाध्यक्ष)<br>पीएच.डी. (उस्मानिया विश्वविद्यालय) | डायनमो सिद्धांत, द्रव गतिविज्ञान (भूभौतिकीय द्रव गतिविज्ञान), एमएचडी प्रवाह, गणितीय प्रतिरूपण और अस्थिरता। |
| 8. |  | प्रो. पी. मुथु<br>पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर) | अभिकलनात्मक द्रव गतिकी (सीएफडी); जैव यांत्रिकी; गणितीय प्रतिमान; हाइड्रोडायनामिक स्नेहन; गणितीय जीवविज्ञान |
| 9. |  | प्रो. आर.एस. सेल्वराज<br>पीएच.डी. (आईआईटी मद्रास) | बीजगणितीय कूट लेखन सिद्धांत; अमूर्त बीजगणित, रैखिक बीजगणित, संयोजन, परिमित मानक/मीट्रिक स्थान |
| 10. |  | प्रो. प्रणिता जे<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | द्रव गतिविज्ञान, संवहनीय ऊष्मा और द्रव्यमान परिवहन, छिद्रपूर्ण माध्यम से प्रवाह, अतिसूक्ष्म द्रव |
| 11। |  | प्रो.च. रामरेड्डी<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | द्रव गतिविज्ञान, संवहनीय ऊष्मा और द्रव्यमान परिवहन, छिद्रपूर्ण माध्यम से प्रवाह, स्थिरता विश्लेषण, अभिकलनात्मक विधियाँ। |
| 12. |  | प्रो. डी. भार्गवी<br>पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर) | द्रव गतिविज्ञान, छिद्रयुक्त माध्यम से प्रवाह, संख्यात्मक ऊष्मा स्थानांतरण, नलिकाओं में स्थिरता विश्लेषण |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 13. |  | प्रो. सत्यनारायण इंगु<br>पीएच.डी. (आईआईटी मद्रास) | आंशिक अंतर समीकरण |
| **सहायक आचार्य** | | | |
| 14. |  | प्रो. श्रीनिवास राव वाई<br>पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर) | विशेषता-आधारित क्रिप्टोग्राफी, क्लाउड डेटा सुरक्षा, इंटरनेट-ऑफ-ड्रोन (आई ओ डी) सुरक्षा, पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी |
| 15. |  | प्रो. के. कलाधर<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | द्रव गतिविज्ञान, संवहनीय ऊष्मा और द्रव्यमान स्थानांतरण, छिद्रपूर्ण माध्यम से प्रवाह, विश्लेषणात्मक और अर्ध-विश्लेषणात्मक विधियाँ, जैव-गणित |
| 16. |  | प्रो. दीपिका नीला<br>पीएच.डी. (आईआईटी हैदराबाद) | हाइड्रोडायनामिक स्थिरता, छिद्रपूर्ण मध्यम में ताप संवहन |
| 17. |  | प्रो. त्रिवेणी प्रसाद शुक्ला<br>पीएच.डी. (आईआईटी बॉम्बे) | अर्ध रेखीय आंशिक अंतर समीकरण, अरेखीय तरंगें, शास्त्रीय और गैर-शास्त्रीय शॉक तरंगें, फैलाव शॉक तरंगें |
| 18. |  | प्रो. श्रीनिवास जंगीली<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | सूक्ष्म तरल यांत्रिकी, अतिसूक्ष्म तरल यांत्रिकी, विद्युदगतिकी, स्थानांतरण परिघटना, बहुपरतीय प्रवाह, ऊष्मा स्थानांतरण का विश्लेषण, विश्लेषणात्मक और अर्ध-विश्लेषणात्मक विधियाँ |
| 19. |  | प्रो. जगन्नाथ रॉय<br>पीएच.डी. (एनआईटी दुर्गापुर) | परिचालन अनुसंधान, अस्पष्ट समुच्चय सिद्धांत, निर्णय सिद्धांत, परिवहन और रसद प्रबंधन |

**पीएचडी डिग्री प्रदान की गई:**

| **क्र.सं.** | **छात्र का नाम** | शोध प्रबंध **शीर्षक** | **पर्यवेक्षक** |
|---|---|---|---|
| 1 | नितीश गुप्ता | स्थानीय तापीय असंतुलन के साथ छिद्रयुक्त संतृप्त द्रव नली में विकासशील तापीय क्षेत्र में ऊष्मा संचरण का प्रवर्धन | डी. भार्गवी |
| 2 | सुभ्रब्रत रथ | नवोन्मेषी संकर मेटाहेयूरिस्टिक कलन विधि और अस्पष्ट या नियतात्मक वातावरण में उनके अनुप्रयोग | देबाशीष दत्ता |

## यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल के सबसे पुराने विभागों में से एक है। संस्थान के प्रमुख विभागों में से एक के रूप में स्थापित, 1959 में अपनी स्थापना के बाद से, यह विभाग यांत्रिक अभियांत्रिकी के विविध क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। उत्कृष्ट संकाय के साथ, यह विभाग ऑटोमोबाइल अभियांत्रिकी, संगणक एकीकृत विनिर्माण, योजक विनिर्माण, मशीन रचना , विनिर्माण अभियांत्रिकी, सामग्री एंड प्रणाली अभियांत्रिकी, रचना और ऊष्मीय अभियांत्रिकी में स्नातक (बीटेक.) और स्नातकोत्तर (एमटेक.) और अनुसंधान (पीएचडी) कार्यक्रम प्रदान करता है।




| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन | पत्रिकाएं | 203 |
| | सम्मेलन | 77 |
| | पुस्तकें | 3 |
| | पुस्तक अध्याय | 16 |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | 01 |
| | स्नातकोत्तर | 07 |
| | पीएचडी | 01 |
| प्रदान की गई डिग्रियाँ | स्नातकीय | 146 |
| | परास्नातकीय | 107 |
| | पीएचडी | 22 |
| एफडीपी/सम्मेलन आयोजित | | 14 |
| कर्मचारियों की संख्या | | 21 |

### संकाय और उनकी विशेषज्ञता:

| क्रम सं. | तस्वीर | नाम एवं योग्यता | विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **आचार्य (एचएजी)** | | | |
| 1. |  | प्रो. के. मधु मूर्ति<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | ऊष्मा अभियांत्रिकी; आंतरिक दहन इंजन; वैकल्पिक ईंधन; उद्यमिता; औद्योगिक और लघु उद्यम प्रबंधन |
| 2. |  | प्रो. सी. सूर्य प्रकाश राव<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | विनिर्माण: इसमें सी ए डी / सी ए एम, सी आई एम, प्रतिरूपण और अनुरूपण, विकासवादी संगणना, धातु काटना और धातु-मैट्रिक्स संमिश्रित शामिल हैं |
| 3. |  | प्रो. एल. कृष्णानंद<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | औद्योगिक अभियांत्रिकी; सी ए डी / सी ए एम आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन; संकलनी विनिर्माण |
| 4. |  | प्रो. एस. श्रीनिवास राव<br>पीएच.डी. (आईआईटी बॉम्बे) | दो-चरण प्रवाह, आंतरिक दहन इंजन, प्रायोगिक ऊष्मा स्थानांतरण, सौर ऊर्जा |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. |  | प्रो. पी. बंगारू बाबू<br>पीएच.डी. (आईआईटी मद्रास) | यांत्रिक कंपन; कंपन नियंत्रण; परिमित तत्व विश्लेषण; तंत्र विज्ञान; अभियांत्रिकी रचना, घूर्णक गतिकी, वाहन गतिकी |
| 6. |  | प्रो. ए. वेणु गोपाल<br>पीएच.डी. (आईआईटी दिल्ली) | पारंपरिक और गैर-पारंपरिक मशीनिंग, तीव्र गति मशीनिंग के लिए पुटीन, तीव्र प्रतिरूप, माप-विद्या |
| 7. |  | प्रो. एन. सेल्वराज<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | प्रतिरूपण और अनुरूपण, लचीली विनिर्माण प्रणाली, सीएनसी प्रौद्योगिकी, मशीन उपकरण, संकलनी विनिर्माण, समग्र सामग्री और पुल प्रणाली |
| 8. |  | प्रो. पी. रवि कुमार<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | आईसी इंजन, वैकल्पिक ईंधन, एयर कार का संरचना, ईंधन सेल कार (सौर/हाइड्रोजन), उड़ने वाली कार, इंजन अनुरूपण, लीन बर्न दहन, स्थिरोष्म इंजन, सीएनजी और एचसीएनजी इंजन, निकास गैस पुनःपरिसंचरण, टर्बोचार्जर इंजन |
| 9. |  | प्रो. जी. अम्बा प्रसाद राव पीएच.डी.<br>(एनआईटी वरंगल) | आईसी इंजन; इंजन निकास उत्सर्जन नियंत्रण; वैकल्पिक ईंधन; एचसीसीआई दहन |
| **आचार्य** | | | |
| 10. |  | प्रो. वी. सुरेश बाबू, विभागाध्यक्ष<br>पीएच.डी. (आईआईटी दिल्ली) | मशीन गतिकी, तंत्र का विश्लेषण, समग्र सामग्री, कार्यात्मक वर्गीकृत सामग्री, स्थिति निगरानी और दोष निदान |
| 11. |  | प्रो. केवी साई श्रीनाद<br>पीएच.डी. (आईआईटी बीएचयू) | सामग्रियों का यांत्रिक व्यवहार, विनिर्माण प्रक्रिया |
| 12. |  | प्रो. आर. नरसिम्हा राव<br>पीएच.डी. (मैनिट, भोपाल) | ट्राइबोलॉजी, गतिकी (किनेमेटिक्स और डायनेमिक्स), मशीन रचना, कंपन, एफईएम, संमिश्रित उन्नत |
| 13. |  | प्रो. अदेपु कुमार<br>पीएच.डी. (ओसमानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद) | घर्षण हलचल वेल्डिंग / प्रसंस्करण, संकलनी विनिर्माण, टाइटेनियम और सुपर मिश्र धातुओं की विद्युत अवतारण मशीनिंग, सूक्ष्म और अतिसूक्ष्म संमिश्रित का निर्माण और लक्षण वर्णन |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 14. |  | प्रो. ए. वीरेश बाबू<br>पीएच.डी. (आंध्र विश्वविद्यालय) | आईसी इंजन, वैकल्पिक ईंधन, उत्सर्जन नियंत्रण, ईंधन सेल, प्रशीतन और वातानुकूलन |
| 15. |  | प्रो. एम. जोसेफ डेविडसन<br>पीएचडी. (एनआईटी वरंगल) | धातु निर्माण, सीएडी/सीएएम, वायर आर्क संकलनी विनिर्माण |
| 16. |  | प्रो. वाई. रवि कुमार<br>पीएच.डी. (ओसमानिया विश्वविद्यालय) | संकलनी विनिर्माण, 3डी प्रिंटिंग और इसके चिकित्सा अनुप्रयोग |
| 17. |  | प्रो. पी. सुभाष चंद्र बोस<br>पी.एच.डी. (एनआईटी वरंगल) | उच्च तापमान और सुपर मिश्र धातुओं की मशीनिंग, सीएनसी प्रौद्योगिकियां, अनुकूलन तकनीकें, सिरेमिक मिश्रण का निर्माण और मशीनिंग, संकलनी विनिर्माण, एमएमसी की लेजर सहायता प्राप्त मशीनिंग, सिरेमिक यौगिक, सुपर मिश्र धातु, संमिश्रित का लक्षण वर्णन |
| 18. |  | प्रो. वी. वासु<br>पी.एच.डी. (जेएनटीयू हैदराबाद) | अतिसूक्ष्म स्नेहक, अतिसूक्ष्म यौगिक, अतिसूक्ष्म ट्राइबोलॉजी, रोबोटिक्स, मेक्ट्रोनिक्स और औद्योगिक इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स, चतुर विनिर्माण, मशीन उपकरण का पूर्वानुमानित रखरखाव |
| 19. |  | प्रो. जी. नागा श्रीनिवासुलु<br>पीएच.डी. (आंध्र विश्वविद्यालय) | पीईएम ईंधन सेल; आईसी इंजन; ताप स्थानांतरण और टर्बो मशीनें |
| 20. |  | प्रो. पी. वामसी कृष्णा<br>पीएच.डी. (आंध्र विश्वविद्यालय) | मशीनिंग प्रक्रिया में ठोस स्नेहक, अतिसूक्ष्म कटिंग तरल पदार्थ, कंपन सहायता प्राप्त मशीनिंग, विनिर्माण प्रक्रियाओं का प्रतिरूपण और अनुरूपण, मिश्रित सामग्री |
| 21. |  | प्रो. के. किरण कुमार<br>पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर) | ऊष्मीय अभियांत्रिकी; ऊष्मा स्थानांतरण; अतिसूक्ष्म द्रव; इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रशीतन और वातानुकूलन का ऊष्मीय प्रबंधन; सीएफडी; गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत |
| 22. |  | प्रो. वी. राजेश खाना राजू<br>पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर) | द्रव गतिविज्ञान; ऊष्मा स्थानांतरण; सीएफडी; दहन; सूक्ष्म तरल पदार्थ प्रणालियों का अध्ययन |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 23. |  | प्रो. श्रीकांत कोरला<br>पीएच.डी. (फ्लोरिडा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय) | संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी, कंपन विश्लेषण और ऊर्जा संचयन, तन्तु धातु का परत, उत्पाद रचना |
| 24. |  | प्रो. हरि कुमार वोरुगंती<br>पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर) | संरचना के लिए आकार और सांस्थिति अनुकूलन, सीएडी के लिए ज्यामितीय प्रतिरूपण, परिमित तत्व / समज्यामितीय विश्लेषण, रोबोटिक्स (रोबोट किनेमेटिक्स और पथ योजना), संरचना के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता |
| 25. |  | प्रो. डी. जया कृष्णा<br>पीएच.डी. (आईआईटी मद्रास) | चरण परिवर्तन सामग्री; सौर ऊर्जा का उपयोग; गणितीय द्रव गतिकी (सीएफडी); तापीय ऊर्जा भंडारण; छिद्रपूर्ण मध्यम में ऊष्मा स्थानांतरण; बैटरी/इलेक्ट्रॉनिक घटकों का तापीय प्रबंधन |
| 26. |  | प्रो. बीरा सतीश बेनपीएच.डी. (आंध्र विश्वविद्यालय) | संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी, एफआरपी यौगिक, स्व-उपचार पॉलिमर यौगिक, और चिपकने वाला बंधन |
| 27. |  | प्रो. चंद्र मोहन, वी पी पी पीएचडी (आईआईटी दिल्ली) | सौर सुखाने, सौर अपड्राफ्ट टॉवर, अभिकलनीय तरल गतिकी, संवहन और चालन ताप स्थानांतरण, सुखाने और ताप और द्रव्यमान स्थानांतरण का एक साथ समाधान, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत |
| **सह आचार्य** | | | |
| 28. |  | श्री जी.आर.के. गुप्ता<br>एमटेक (आईआईएससी बैंगलोर) | सीएफडी, टर्बोमशीन, क्षिपप्रणोदन |
| 29. |  | प्रो. टी. सदाशिव राव<br>पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | विनिर्माण प्रौद्योगिकी, फाउंड्री प्रौद्योगिकी |
| 30. |  | प्रो. सैयद इस्माइल<br>पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर) | ट्राइबोलॉजी; सतह बनावट; स्नेहन; अतिसूक्ष्म स्नेहक; सतह कोटिंग्स; यौगिक; लेजर एब्लेशन |
| 31. |  | प्रो. कार्तिक बालसुब्रमण्यम<br>पीएच.डी. (एनयूएस, सिंगापुर) | माइक्रोचैनल फ्लो बॉयलिंग; चरण परिवर्तन ताप अंतरण; सूक्ष्मद्रवता; ऊष्मीय प्रबंधन; सौर ऊष्मीय; सौर पीवी और संकर तंत्र; एचवीएसी तंत्र |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 32. |  | प्रो. पी. रवि कुमारपीएच.डी. (आईआईटी गुवाहाटी) | संपीडनीय प्रवाह, सीएफडी, ली-बैटरी का तापीय प्रबंधन और हाइपरसोनिक प्रवाह अनुप्रयोग के लिए पतली फिल्म संवेदक का संरचना और निर्माण |
| **सहायक आचार्य** | | | |
| 33. |  | प्रो गुज्जला राघवेंद्र पीएच.डी. (एनआईटी राउरकेला) | यौगिक, अतिसूक्ष्म पदार्थ, ट्राइबोलॉजी, पॉलिमर, एफजीएम |
| 34. |  | प्रो. गुडीपाडु वेंकटेशपीएचडी (आईआईटी रुड़की) | विनिर्माण में मशीन लर्निंग अनुप्रयोग, अपघर्षक प्रवाह मशीनिंग; चुंबकीय अपघर्षक परिष्करण; सूक्ष्म तंरग सामग्री प्रसंस्करण; संकर मशीनिंग; उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाएँ; सतह अभियांत्रिकी, विनिर्माण में कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस |
| 35. |  | प्रो. पी. सुरेशपीएचडी (आईआईटी मद्रास) | वितरित-पुनः विन्यास योग्य (1डी-3डी) और एकीकृत मैक्रो/सूक्ष्मसंवेदक संरचना, गैर-विनाशकारी परीक्षण और तरंग प्रसार, ठोस/द्रव पदार्थों के तापमान पर निर्भर सामग्री गुण माप, साथ ही, उन्नत ऊर्जा में रुचि |
| 36. |  | प्रो. मरापु भार्गव पीएच.डी. (आईआईटी बॉम्बे) | धातु निर्माण - शीट धातु निर्माण - निर्माण क्षमता का मूल्यांकन और पूर्वानुमान; हाइड्रोफॉर्मिंग; उच्च तापमान पर निर्माण क्षमता; सामग्रियों का यांत्रिक व्यवहार; ताप उपचार प्रक्रियाएँ; सामग्री रूप विकास |
| 37. |  | प्रोफेसर चिलुकोटि हरि कृष्ण पीएच.डी. (तोहोकू विश्वविद्यालय, जापान) | अतिसूक्ष्म स्तर ऊष्मा स्थानांतरण, द्रव्यमान स्थानांतरण, इंटरफेसियल घटना, 2 डी सामग्री, वाष्पीकरण, आणविक गतिशीलता, चरण परिवर्तन सामग्री |
| 38. |  | प्रो. अनंत कुमार राय पीएचडी (आईआईटी रुड़की) | द्रव यांत्रिकी, हाइड्रोलिक टर्बाइन, टर्बोमशीनरी, जलविद्युत, नवीकरणीय ऊर्जा, सामग्री घिसाव परीक्षण, तलछट परिवहन |
| 39. |  | प्रो. शिवरामन पीएचडी (आईआईटी रुड़की) | वायर आर्क योजक विनिर्माण, वेल्डिंग और एएम में मशीन लर्निंग, घर्षण हलचल वेल्डिंग और प्रसंस्करण; वेल्डिंग और वेल्डिंग धातु विज्ञान; सामग्रियों का पहनने का व्यवहार |
| 40. |  | प्रो. मंजैया एम. पी.एच.डी. (एनआईटी सूरथकल) | धातु योजक विनिर्माण; उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाएं; एएम भागों का संपादन; आकार स्मृति मिश्र धातु |
| 41. |  | प्रो. गौरव कुमार शर्मा पीएचडी (आईआईएससी बैंगलोर) | संगणक-साधित अभिकल्प, उत्पाद संरचना, 3डी प्रिंटिंग, डिजिटल विनिर्माण |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 42. |  | प्रो. सत्यानंद अब्राहम पीएच.डी. (आईआईटी बॉम्बे) | ऊष्मा स्थानांतरण संवर्द्धन तकनीक और उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक पैकेज, गैस टरबाइन घटकों और वाहन बैटरी का ऊष्मीय प्रबंधन, अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्प्राप्ति, सतह गीलापन |
| 43. |  | प्रो. गंगाधरुडु तल्ला<br>पीएच.डी.(एनआईटी राउरकेला) | आधुनिक मशीनिंग प्रक्रियाएँ, संकर मशीनिंग, प्रतिरूपण और अनुकूलन |
| 44. |  | प्रो. थमराई सेल्वन<br>पीएच.डी. (आईआईटी बॉम्बे) | अभिकलनीय ठोस यांत्रिकी, संपर्क यांत्रिकी, एफईएम, एफजीएम, पटल उपसमुच्चय तंत्र |
| 45. |  | प्रो. प्रशांत आनंद कुमार लैमपीएच.डी. (आईआईटी मद्रास) | अभिकलनीय तरल गतिकी, अशांति, वायुगतिकी, द्रव-संरचना इंटरैक्शन, जैवफ्लुइड यांत्रिकी, हीट ट्रांसफर ऑग्मेंटेशन और प्रशीतन, और वातानुकूलन |
| 46. |  | प्रो. चिनिगे संपत कुमारपीएच.डी. (आईआईटी मद्रास) | उच्च तापीय प्रवाह शीतलन अनुप्रयोग; जेट इम्पिंगमेंट शीतलन; छिद्रपूर्ण मध्यम; जाली बोल्ट्ज़मान विधि |
| 47. |  | प्रो. श्रीनागलक्ष्मी नम्मी पीएच.डी. (आईआईटी मद्रास) | लेजर मशीनिंग, संरचना, अग्रिम सूक्ष्म मशीनिंग, ऑप्टिकल संवेदन, मेक्ट्रोनिक्स |
| 48. |  | प्रो. पी. रमेश बाबू<br>पीएचडी (आईआईटी गुवाहाटी) | मशीन संरचना प्रायोगिक वायुगतिकी, पानी के नीचे बल माप, प्रणालियों का कंपन विश्लेषण, शॉक तरंगों का जैव-चिकित्सा अनुप्रयोग |
| 49. |  | प्रो. विजय चोयल,<br>पीएच.डी. (आईआईटी इंदौर) | सामग्री संरचना के लिए मशीन लर्निंग, अभिकलनीय सामग्री विज्ञान, सामग्रियों का बहुस्तरीय प्रतिरूपण, चतुर सामग्री और संरचनाएं, बैटरी, कार्बन और बोरॉन नाइट्राइड (बीएन) आधारित अतिसूक्ष्म संरचना के अतिसूक्ष्म यांत्रिकी |

**पीएचडी डिग्री प्रदान की गई:**

| **क्र.सं.** | **छात्र का नाम** | शोध प्रबंध **शीर्षक** | **पर्यवेक्षक** |
|---|---|---|---|
| 1. | ए रमण रेड्डी | स्नेहन स्थितियों के तहत एकल और बहु-स्तरीय बनावट वाले स्लाइडिंग संपर्कों का ट्रिबोलॉजिकल प्रदर्शन | सैयद इस्माइल |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2. | के नागेन्द्र प्रसाद | टिकाऊ मशीनिंग के लिए एचएसएस कटिंग टूल पर सतह उपचार | सैयद इस्माइल |
| 3. | कास राघवन | संख्यात्मक जांच पूर्वमिश्रित एच 2–एयर से ईंधन वाले एक नियंत्रित केंद्रीय स्लॉटेड ब्लफ़ बॉडी वाले सूक्ष्म-कम्बस्टर के दहन विशेषताओं पर ज्यामितीय मापदंडों का प्रभाव | वीआरके राजू और एसएस राव |
| 4. | वेंकट रामाणैया | बेहतर संरचनात्मक प्रदर्शन के लिए एल्युमीनियम और सीएफआरपी यौगिक के बीच बंधन शक्ति की जांच | केवी साई श्रीनाध और सतीश बेन |
| 5. | कामेश्वर रेड्डी | टंगस्टन कार्बाइड अतिसूक्ष्म कणों से भरे कार्बन का यांत्रिक और ट्राइबोलॉजिकल व्यवहार - एपॉक्सी पॉलिमर संकर अतिसूक्ष्म यौगिक | केवी साई श्रीनाध एवं वी सुरेश बाबू |
| 6. | सरवण सुन्दर. ए. | Al6061 से Ti6Al4V की असमान धातुओं को जोड़ने में स्थैतिक कंधे घर्षण हलचल वेल्डिंग की प्रभावशीलता | अदेपु कुमार |
| 7. | एम. नितिनकुमार | रेडियल घुमावदार सूक्ष्म चैनलों के माध्यम से ऊष्मा स्थानांतरण का संवर्धन | कार्तिक बालसुब्रमण्यम |
| 8. | अजय कुमार नंदी | छिद्रयुक्त पंख सूक्ष्म चैनलों के माध्यम से ऊष्मा स्थानांतरण | कार्तिक बालसुब्रमण्यम |
| 9. | अभिषेक कुमार | तरल पदार्थों के स्तर संवेदन और मिलावट का पता लगाने के लिए अल्ट्रासोनिक वेवगाइड तकनीक | पी. सुरेश |
| 10. | टी. रामलिंगम | क्वार्ट्ज साइनेट एस्टर पॉलीमेट्रिक कम्पोजिट की मशीनेबिलिटी अध्ययन और यांत्रिक व्यवहार | एन. सेल्वराज |
| 11. | एनवी राघवैया | टेपर्ड बेलनाकार छिद्रों का उपयोग करते हुए विभिन्न धारा संग्राहक सामग्रियों के साथ निष्क्रिय प्रत्यक्ष मेथनॉल ईंधन सेल के प्रदर्शन पर प्रायोगिक जांच, परिवर्तनशील गतिशील क्षेत्रों का उपयोग, और सेवा-उन्मुख गिरावट की पहचान | जी. नागा श्रीनिवासुलु |
| 12. | कामेपल्ली अंजनेयुलु | हेस्टेलॉय सी-276 पर अल्ट्रासोनिक सहायताप्राप्त चुंबकीय अपघर्षक परिष्करण प्रक्रिया की संख्यात्मक और प्रायोगिक जांच | गुडीपाडु वेंकटेश |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 13. | के. विजय भास्कर रेड्डी | स्टेनलेस स्टील (316L) और हेस्टेलॉय (C-276) के सूक्ष्मवेव-वेल्डेड समान और असमान जोड़ों पर संख्यात्मक और प्रायोगिक अध्ययन | गुडीपाडु वेंकटेश |
| 14. | गुंडालभागव और अमरनाथ | परिवर्तनीय लंबाई सर्पेन्टाइन प्रवाह क्षेत्र का उपयोग करके पीईएम ईंधन कोशिकाओं के प्रदर्शन वृद्धि पर एक संख्यात्मक अध्ययन | ए.वीरेश बाबू |
| 15. | नरेश काली | एयरोस्पेस और संरचनात्मक अनुप्रयोगों के लिए संकर फाइबर धातु लेमिनेट (एफएमएल) पर विकास और अंतर्दृष्टि अध्ययन | श्रीकांत कोरला |
| 16. | सोमैया चौधरी | यांत्रिक और ट्राइबोलॉजिकल अनुप्रयोगों के लिए ग्लास/केवलर/सिसल संकर पॉलिमर अतिसूक्ष्म यौगिक का विकास | जी. राघवेन्द्र |
| 17. | अंबादास | Ti-6Al-4V का शुद्ध से भिन्न ड़ाव एयरोस्पेस दबाव पोत अनुप्रयोगों के लिए एल्यूमीनियम | अदेपु कुमार |

## धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग

धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विभाग (जिसे पहले धातुकर्म अभियांत्रिकी विभाग के नाम से जाना जाता था) की स्थापना वर्ष 1965 में 30 छात्रों के प्रवेश के साथ की गई थी। वर्ष 1983 में औद्योगिक धातुकर्म में स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू किया गया था जिसमें 10 छात्र प्रवेश ले सकते थे। विभाग 1983 से पीएचडी कार्यक्रम भी प्रदान कर रहा है। विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2011-2012 से सामग्री प्रौद्योगिकी में एक और एम. टेक. कार्यक्रम भी शुरू किया है। 2023-24 शैक्षणिक वर्ष में, विभाग ने वेल्डिंग प्रौद्योगिकी और गैर-विनाशकारी परीक्षण में एक नया एमटेक. कार्यक्रम शुरू किया।

धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी में अध्ययन के मुख्य क्षेत्रों में भौतिक धातुकर्म, निष्कर्षण धातुकर्म (लौह, इस्पात और अलौह धातु निष्कर्षण), खनिज प्रसंस्करण, इस्पात का ताप उपचार, विनिर्माण प्रौद्योगिकियां (धातु कास्टिंग, धातु निर्माण, पाउडर धातुकर्म और वेल्डिंग), यांत्रिक धातुकर्म (सामग्री परीक्षण - विनाशकारी और गैर-विनाशकारी शामिल हैं), संक्षारण अभियांत्रिकी, और सामग्री लक्षण वर्णन तकनीक आदि शामिल हैं। सामग्री विकास में बढ़ती मांग को देखते हुए, विभाग ने वर्ष 2004 में सामग्री पृष्ठभूमि के साथ अपने पाठ्यक्रम में नए विषयों को शामिल किया है। तदनुसार, अनुदेश की योजना उपरोक्त मुख्य क्षेत्रों के अलावा मिश्रित सामग्री, सिरेमिक, पॉलिमर, अतिसूक्ष्म पदार्थ, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी में अभिकलक अनुप्रयोग आदि।










| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशनों | पत्रिकाएं | 44 |
| | सम्मेलन | - |
| | पुस्तकें | - |
| | पुस्तक अध्याय | - |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | 01 |
| | स्नातकोत्तर | 02 |
| | पीएचडी | 01 |
| प्रदान की गई डिग्रियाँ | स्नातकीय | 66 |
| | परास्नातकीय | 09 |
| | पीएचडी | 04 |
| एफडीपी/सम्मेलन आयोजित | | 01 |
| कर्मचारियों की संख्या | | 07 |

### संकाय और उनकी विशेषज्ञता:

| क्रम सं. | नाम एवं योग्यता | | विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **आचार्य (एचएजी)** | | | |
| 1. |  | प्रो. जीवीएस नागेश्वर राव, पीएच.डी. (एनआईटी वरंगल) | यांत्रिक धातुकर्म; सामग्री परीक्षण और अभिलक्षण; रेंगना, थकान और रेंगना-थकान परस्पर क्रिया अध्ययन; इस्पातों का ताप यांत्रिक प्रसंस्करण; ट्रिबोलॉजी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **आचार्य** | | | |
| 2. |  | प्रो. एन. किशोर बाबू, (विभागाध्यक्ष), पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | धातुमें शामिल होने से, योगात्मक विनिर्माण तकनीक, अतिसूक्ष्म यौगिक |
| 3. |  | प्रो. एन. नरसैया<br>पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर) | सामग्रियों का यांत्रिक व्यवहार, थकान, फ्रैक्चर यांत्रिकी, विफलता विश्लेषण |
| 4. |  | प्रो. सी. वनिता<br>पीएचडी (आईआईटी बॉम्बे) | योगात्मक विनिर्माण तकनीक, संक्षारण, बनावट, घर्षण हलचल वेल्डिंग |
| 5 |  | प्रो. असित कुमार खानरा<br>पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर) | पाउडर धातुकर्म, प्रसंस्करणउन्नत सिरेमिक, संक्षारण, जैवपदार्थ, विद्युत अवतारण मशीनिंग (ईडीएम) और विरूपण व्यवहार |
| 6 |  | प्रो. टी. महेश कुमार<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | धातुमें शामिल होने से, योगात्मक विनिर्माण तकनीक, उच्च तापमान सामग्री |
| **सह आचार्य** | | | |
| 7. |  | प्रो. ब्रह्मा राजू गोल्ला<br>पीएचडी (आईआईटी कानपुर) | अत्यंत उच्च तापमान सिरेमिक, उन्नत सामग्री प्रसंस्करण, ट्राइबोलॉजी |
| 8. |  | प्रो. बी. श्रीनिवास राव<br>पीएचडी (एनआईएमएस जापान) | प्रक्रिया-सूक्ष्म- गुण संबंध, अतिसूक्ष्म क्रिस्टलाइन सामग्री |
| 9. |  | प्रो. अजय कुमार पांडे<br>पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर) | यांत्रिकधातुकर्म, जैव-सिरेमिक, चूर्णन धातुकर्म |
| 10. |  | प्रो. आर. अरोकिया कुमार | आकार स्मृतिमिश्र, घर्षण हलचल प्रसंस्करण, भौतिक धातु विज्ञान, गंभीर प्लास्टिक विरूपण |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | पीएचडी (केएआईएसटी दक्षिण कोरिया) | |
| **सहायक आचार्य** | | | |
| 11. |  | प्रो. वरम श्रीदेवी<br>पीएचडी (हैदराबाद विश्वविद्यालय) | एच 2 उत्पादन के लिए ए एल आधारित मिश्रधातुओं/मिश्रधातुओं का विकास; मशीन पदार्थों के चरण/गुण पूर्वानुमान के लिए सीखना; थोक अतिसूक्ष्म क्रिस्टलाइन पदार्थों का संश्लेषण; पदार्थों का यांत्रिक व्यवहार |
| 12. |  | प्रो. वी. रंगधर चारी पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | उच्च प्रदर्शन संरचनात्मक, सिरेमिक, चरण परिवर्तन, वेल्डमेंट्स का संक्षारण, पॉलिमर अतिसूक्ष्म यौगिक |
| 13. |  | प्रो. उमा महेश्वर राव एस पीएचडी (सेंट्रल फ्लोरिडा विश्वविद्यालय) | गैर-संतुलन प्रसंस्करण सामग्री, उन्नत लक्षण वर्णन, चुंबकीय सामग्री |
| 14. |  | प्रो. सुक्ला मोंडोल पीएचडी (आईआईएससी बैंगलोर) | मिश्र धातुविकास, हल्की मिश्रधातु, सूक्ष्म संरचनात्मक लक्षण वर्णन, टीईएम |
| 15. |  | प्रो. संघमित्रा मोहराणा पीएचडी (वारविक विश्वविद्यालय) | संलयन मिश्र धातु, ऑटोमोटिव स्टील्स, असमान धातु वेल्डिंग, चरण परिवर्तन, मिश्र धातु संरचना। |
| 16. |  | प्रो. भरत बंदी<br>पीएचडी (वारविक विश्वविद्यालय) | ऊर्जा सामग्री, बैटरी, लिथियम आयन बैटरी, गिरावट तंत्र, लक्षण वर्णन तकनीक। |

**पीएचडी डिग्री प्रदान की गई:**

| क्र.सं. | छात्र का नाम | शोध प्रबंध शीर्षक | पर्यवेक्षक |
|---|---|---|---|
| 1. | सी. रविकांत रेड्डी | उच्च शक्ति वाले एमजी-नी-जीडी और एमजी-नी-जेडएन-जीडी-ली मिश्रधातुओं का विकास | बी. श्रीनिवास राव |
| 2. | भाव सिंह | कवच अनुप्रयोगों के लिए उच्च नाइट्रोजन स्टील पर बैलिस्टिक प्रभाव अध्ययन | आर अरोकिया कुमार, वी मधु |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3. | के. वामसी कृष्णा | Ti-15V-3Al-3Cr-3Sn इलेक्ट्रॉन बीम और गैस टंगस्टन आर्क वेल्डमेंट्स के सूक्ष्म संरचनात्मक और यांत्रिक गुणों पर अध्ययन | एन. किशोर बाबू |

## भौतिक विज्ञान विभाग

भौतिक विज्ञान विभाग की स्थापना 1959 में हुई थी, जो कि तत्कालीन आरईसी, वरंगल की स्थापना का वर्ष था। विभाग अभियांत्रिकी कार्यक्रमों की भौतिकी आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा स्नातकोत्तर और वाचस्पति कार्यक्रम भी प्रदान करता है। विभाग के पास अत्याधुनिक तकनीकों में अनुसंधान करने के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढाँचा उपलब्ध है। एम.एस.सी. (टेक.) अभियांत्रिकी भौतिकी, विभाग का एक प्रमुख कार्यक्रम रहा है। यह कार्यक्रम वर्ष 1970 में यूनेस्को के प्रायोजन के तहत यू.के. और रूस के विशेषज्ञों के सक्रिय सहयोग से शुरू किया गया था। इसके अलावा, एम.एस.सी. (टेक.) एक उद्योग-उन्मुख कार्यक्रम है और यह शोध प्रबंध कार्य के लिए एक पूर्ण छमाही और आठ सप्ताह के बीच के औद्योगिक प्रशिक्षण के साथ अभियांत्रिकी के तत्कालीन पीजी कार्यक्रमों के बराबर संरचित है। एम.एस.सी. (टेक.) कार्यक्रम में देश और विदेश में उद्योग और अनुसंधान एवं विकास संगठनों में सर्वश्रेष्ठ स्थानन के साथ अपनी शुरुआत से ही 100% नौकरी की संभावना है। वर्तमान में दो विशेषज्ञताएँ - इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन, एवं फोटोनिक्स की पेशकश की जा रही है। भौतिक विज्ञान में प्रतिभा समूह बनाने की आवश्यकता को समझते हुए, एनईपी 2020 के अनुरूप, विभाग ने 5 वर्षीय एकीकृत एम.एससी कार्यक्रम शुरू किया है। इसके अलावा, विभाग सभी बी.टेक कार्यक्रमों के लिए अभियांत्रिकी भौतिकी, खुला ऐच्छिक, माइनर्स और विभिन्न एम. टेक कार्यक्रमों के लिए ऐच्छिक प्रदान करता है। विभाग सक्रिय रूप से अनुसंधान में लगा हुआ है और कई प्रायोजित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है। अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में ऊर्जा संचयन के लिए सामग्री, उत्तम संधारित्र, ग्लास और ग्लास सिरेमिक, जैवसामग्री, ल्यूमिनसेंट सामग्री, फेरोइलेक्ट्रिक्स, चुंबकीय सामग्री, पॉलिमर गिरावट अध्ययन, फोटोनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा उपकरण, ट्रोपोस्फेरिक रेडियो प्रसार, फाइबर ऑप्टिक संवेदक, उच्च तापमान माप, होलोग्राफिक एनडीटी, सूक्ष्मनियंत्रक और संचार, अतिसूक्ष्म फेराइट्स और अतिसूक्ष्म यौगिक, अतिसूक्ष्म फॉस्फोर और जैव ग्लास सिरेमिक, ऑप्टिकल तंत्र रचना, कार्बनिक लाइट एमिटिंग डायोड, कार्बनिक, पॉलिमर और डाई-सेंसिटाइज़्ड सौर कोशिकाएं, सेमीकंडक्टर क्वांटम डॉट्स/2डी सामग्री, पेरोव्स्काइट सौर कोशिकाएं, दबाव संवेदन, तरल क्रिस्टल, सूक्ष्मद्रवता, पारदर्शी पतली फिल्में, कंपन माप विभाग को डीएसटी (भारत सरकार) के एफआईएसटी कार्यक्रम के पहले चरण के तहत एफई-एसईएम और एक्सआरडी सुविधाएं स्थापित करने के लिए 2.75 करोड़ रुपये का अनुदान मिला है। विभाग ने बीईएल, सीएसआईआर, डीआरडीओ, डीएसटी, बीएआरसी, एलोइरा, आरसीआई, एआरसीआई, सीएसआईओ, एलआरडीई, आईआरडीई, महाराष्ट्र बांस विकास बोर्ड, सिंपली फ्रेश, न्यूट्रानक्स्ट बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, कैटालिन इंफ्रा प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठित उद्योगों और अनुसंधान एवं विकास संगठनों के साथ संपर्क स्थापित किया है।




| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन | पत्रिकाएं | 109 |
| | सम्मेलन | 33 |
| | पुस्तकें | - |
| | पुस्तक अध्याय | 11 |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | स्नातक | - |
| | स्नातकोत्तर | 01 |
| | पीएचडी | 01 |
| प्रदान की गई डिग्रियाँ | स्नातकीय | - |
| | परास्नातकीय | 49 |
| | पीएचडी | 07 |
| एफडीपी/सम्मेलन आयोजित | | 03 |
| कर्मचारियों की संख्या | | 08 |

## संकाय और उनकी विशेषज्ञता:

| क्र. सं. | नाम एवं योग्यता | | विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| **आचार्य** | | | |
| 1. |  | प्रो. टी. वेंकटप्पा राव,<br>विभागाध्यक्ष<br>पीएचडी (काकतिया विश्वविद्यालय) | ग्रीन अतिसूक्ष्म पदार्थ; पॉलिमर अतिसूक्ष्म यौगिक; जैवसंवेदक |
| 2 |  | प्रो. डी. दिनाकर<br>पीएचडी (एनआईटी वरंगल) | इलेक्ट्रॉनिक्स, फाइबर ऑप्टिक संवेदक और सामग्री विज्ञान |
| 3. |  | प्रो. डी. हरनाथ<br>पीएचडी (शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र) | ल्यूमिनेसेंस, अतिसूक्ष्म पदार्थ, फोटोनिक्स, सोल-जेल प्रौद्योगिकी, अतिसूक्ष्मफॉस्फोर, छिद्रयुक्त पदार्थ, एरोजेल, फ्रैक्टल और उनके अनुप्रयोग |
| 4. |  | प्रो. के. थंगाराजू<br>पीएचडी (अन्ना विश्वविद्यालय) | कार्बनिक अर्धचालक, कार्बनिक अर्धचालकों के ऑप्टिकल और विद्युत गुण; कार्बनिक प्रकाश उत्सर्जक डायोड (ओएलईडी), फॉस्फोरसेंट ओएलईडी; कार्बनिक सौर सेल (ओपीवी), कार्बनिक / अकार्बनिक संकर अतिसूक्ष्मसंरचना, कार्बनिक / अकार्बनिक संकर आधारित ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, संकर यूवी फोटोडिटेक्टर |
| 5. |  | प्रो. पी. अब्दुल अज़ीम<br>पीएचडी (श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय) | ऊतक अभियांत्रिकी, औषधि वितरण, इमेजिंग, ग्लास विज्ञान, फोटोनिक क्रिस्टल, ल्यूमिनसेंट सामग्री और उपकरण, ऑप्टिकल तंत्र संरचना, सुपरकैपेसिटर, ऊर्जा भंडारण के लिए जैवपदार्थ |
| 6. |  | प्रो. पी. श्याम प्रसाद<br>पीएचडी (आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय) | फोटोनिक और जैवचिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए ग्लास और ग्लास-सिरेमिक |
| 7. |  | प्रो. सौरभ रॉय`<br>पीएचडी (आईआईटी खड़गपुर) | फोटोनिक्स, गाइडेड वेव ऑप्टिक्स, फाइबर ऑप्टिक संवेदक और डिवाइस, बीम ऑप्टिक्स, ध्रुवीकरण ऑप्टिक्स, ऑप्टिकल तंत्र रचना, रोशनी |
| **सह आचार्य** | | | |
| 8. |  | प्रो. डी. पॉल जोसेफ<br>पीएचडी (मद्रास विश्वविद्यालय) | पदार्थ विज्ञान, संघनित पदार्थ भौतिकी - प्रायोगिक |
| 9. |  | प्रो. वी. जयलक्ष्मी<br>पीएचडी (अतिसूक्ष्म एवं मृदु पदार्थ विज्ञान केंद्र, बैंगलोर) | सूक्ष्मद्रवता, जैवसंवेदक, गैस संवेदक, यूवी फोटोडिटेक्टर, कन्फाइनमेंट प्रभाव, सॉफ्ट एक्ट्यूएटर्स, चतुर विंडोस |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10 |  | प्रो. कुसुम कुमारी<br>पीएचडी (आईआईटी दिल्ली) | अतिसूक्ष्मपदार्थ, पेरोवस्काइट सौर सेल और ऑर्गेनिक सौर सेल |
| **सहायक आचार्य** | | | |
| 11 |  | प्रो. आलू बोडा<br>पीएचडी (हैदराबाद विश्वविद्यालय) | सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिकी: निम्न-आयामी प्रणालियाँ (क्यूडब्लू, क्यूडी), स्पिनट्रॉनिक्स, घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत। |
| 12. |  | प्रो. हितेश बोरकर<br>पीएचडी (एसीएसआईआर सीएसआईआर एनपीएल नई दिल्ली) | फेरोइलेक्ट्रिक्स, इलेक्ट्रोसिरेमिक, ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, ऊर्जा भंडारण सामग्री |
| 13. |  | प्रो. के. उदय कुमार<br>पीएचडी (आईआईटी मद्रास) | 2डी सामग्री, ऊर्जा भंडारण, ऊर्जा संचयन, धातु कार्बनिक फ्रेमवर्क, इलेक्ट्रोक्रोमिक्स, पारदर्शी चालक ऑक्साइड |
| 14. |  | प्रो. आर. राकेश कुमार<br>पीएचडी (आईआईएससी बैंगलोर) | 2डी सामग्री, ऊर्जा संचयन, ग्रीन हाइड्रोजन, आईओटी संवेदक, धातु कार्बनिक फ्रेम कार्य, अतिसूक्ष्मजनरेटर, पीज़ोइलेक्ट्रिक अतिसूक्ष्मजनरेटर, छिद्रपूर्ण सामग्री, स्व-संचालित उपकरण और संवेदक, ट्राइबोइलेक्ट्रिक अतिसूक्ष्मजनरेटर |
| 15. |  | प्रो. सूर्या के. घोष<br>पीएचडी (आईआईटी बॉम्बे) | मृदु पदार्थ, जैवभौतिकी, सांख्यिकीय यांत्रिकी, कम्प्यूटेशनल भौतिकी |
| 16. |  | प्रो. विजय कुमार<br>पीएचडी (हैदराबाद विश्वविद्यालय) | मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, ऑप्टिकल एंगुलर मोमेंटम, ऑप्टिकल संचार, क्वांटम सूचना, फाइबर ऑप्टिक्स, अतिसूक्ष्म-ऑप्टिक्स, सिंगुलर ऑप्टिक्स, सहसंबंध ऑप्टिक्स; स्पिन-ऑर्बिट इंटरैक्शन: संरचित प्रकाश-पदार्थ इंटरैक्शन। |

**पीएचडी डिग्री प्रदान की गई:**

| क्र.सं. | छात्र का नाम | शोध प्रबंध शीर्षक | पर्यवेक्षक |
|---|---|---|---|
| 1 | सिजू मिश्रा | जिंक सल्फाइड आधारित अतिसूक्ष्मजनरेटर का संरचना और विकास: हरित ऊर्जा संचयन की दिशा में एक कदम | डी हरनाथ,<br>आर राकेश कुमार |
| 2 | एल उमा चंडी | खाद्य गुणवत्ता परीक्षण के लिए डिजिटल सूक्ष्म प्रतिबिंब उपकरण आधारित निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोमीटर का संरचना और विकास | सौरभ रॉय<br>रमेश दंताला |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3 | सुप्रजा पोटू | जिंक ऑक्साइड अतिसूक्ष्मशीट आधारित अतिसूक्ष्म ऊर्जा स्रोत का संरचना और विकास | आर. राकेश कुमार |
| 4 | एस सी राकेश रोशन | विस्तारित ठोस पदार्थों में फोनोन परिवहन को समझना | आर. राकेश कुमार |
| 5 | रेड्डीवारी मुनिरामैया | ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए नोबल मेटैलिक मल्टी-लेयर और टिन ऑक्साइड आधारित वैकल्पिक पारदर्शी चालक इलेक्ट्रोड | डी. पॉल जोसेफ |
| 6 | कैथा राजैया | परमाणु घड़ियों में अनुप्रयोग के लिए रुबिडियम में सुसंगत जनसंख्या ट्रैपिंग अनुनाद पर अध्ययन और उपग्रह नेविगेशन के लिए समय-निर्धारण पद्धति | टी वेंकटप्पा राव,<br>पी.सी. उपाध्याय |

## केंद्रीय अनुसंधान उपकरण सुविधा

**एसटीयूटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रम:** पिछले शैक्षणिक वर्ष में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा वित्तपोषित वैज्ञानिक और तकनीकी अवसंरचना का उपयोग करते हुए सहक्रियात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीयूटीआई) के तहत परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरणों पर 39 में से 36 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। शेष 3 इस शैक्षणिक वर्ष जुलाई 2023 से जून 2024 तक आयोजित किए जाएंगे।
लगभग 100 प्रतिभागी देश के सभी भागों से आए अनुसंधान विद्वानों, पोस्ट डॉक्टरल फेलो, संकाय, तकनीकी कर्मचारियों और उद्योग कर्मियों सहित विभिन्न पृष्ठभूमि और विषयों के छात्रों को उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरणों और उभरती प्रौद्योगिकियों पर सिद्धांत और व्यावहारिक प्रशिक्षण दोनों में प्रशिक्षित किया गया।

| क्र. सं. | प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथियां | विषय | कार्यक्रम का स्थान |
|---|---|---|---|
| 1. | 08 - 14 अगस्त, 2023 | सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीक और मशीन लर्निंग कलन विधि पर व्यावहारिक प्रशिक्षण | बन्नारी अम्मन प्रौद्योगिकी संस्थान, सत्यमंगलम, इरोड, तमिलनाडु |
| 2. | 17 - 23 अगस्त, 2023 | कार्यात्मक सामग्रियों का भौतिक-रासायनिक लक्षण-वर्णन | केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, कासरगोड, केरल |
| 3. | 16 - 22 अगस्त, 2023 | अभियांत्रिकी और जैवचिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए मैटलैब/पायथन का उपयोग करके कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल |

**बी.टेक छात्रों के लिए प्रयोगशाला पाठ्यक्रम:**
चतुर्थ वर्ष के बी.टेक. विद्यार्थियों को जैवतकनीकी लैब में बीटी 407 इंस्ट्रूमेंटेशन एवं विश्लेषणात्मक विधि का प्रशिक्षण तकनीकी अधिकारी श्री हरीश मदुपु एवं श्री डी. रविकुमार द्वारा दिया गया।
तृतीय वर्ष द्वितीय छमाही के बी.टेक. विद्यार्थियों के लिए बीटी 354 विश्लेषणात्मक जैवतकनीकी लैब कोर्स का संचालन तकनीकी अधिकारी श्री हरीश मदुपु और श्री डी. रविकुमार द्वारा किया गया।

**नये उपकरणों की स्थापना:**
डिजिटल सूक्ष्मदर्शी, पीसीबी एचिंग सुविधा, हॉट एयर ओवन, ड्राई बॉक्स और अल्ट्रा बाथ सोनिकेटर




डिजिटल सूक्ष्मदर्शी

**पीसीबी प्रोटोटाइप मशीन पर व्याख्यान, कार्यशाला और डेमो:**

- 4 जून 2024 को विश्वेश्वरैया कौशल विकास केंद्र एनआईटी, वरंगल में प्रशिक्षु ईसीई छात्रों के लिए पीसीबी संरचना ट्यूटोरियल (ईगल सॉफ्टवेयर और संरचना) पर व्याख्यान और प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।
- अन्य विभागों को सेवाएं: ईसीई प्रथम वर्ष के 180 छात्रों (प्रत्येक बैच 60 छात्र) को इलेक्ट्रॉनिक्स के आनंद के लिए पीसीबी संरचना ट्यूटोरियल (ईगल सॉफ्टवेयर और संरचना) पर एक व्याख्यान और प्रदर्शन दिया, जो विश्वेश्वरैया कौशल विकास केंद्र एनआईटी, वरंगल में आयोजित किया गया था।
- केंद्रीय अनुसंधान इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा (सीआरआईएफ) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वरंगल द्वारा आयोजित और सोलस्ट्रम एनर्जी तंत्र प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित पीसीबी प्रोटोटाइप मशीन पर पीएचडी स्कॉलर्स के लिए एक दिवसीय कार्यशाला।

**रखरखाव:** संस्थान में कर्मचारियों के चेहरे की पहचान उपस्थिति प्रणाली की स्थापना।

**रखरखाव:** संस्थान के सभी विभागों में यूपीएस (1 केवीए से 40 केवीए) के लिए एएमसी की व्यवस्था।

## नई सुविधाएं




नई वातानुकूलित 50 सीटों वाली बस



परिसर में छात्र गतिशीलता

(भारत और दक्षिण एशिया में हिताची एनर्जी के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री वेणु नुगुरी, (बी.टेक, ईई, 1982, एनआईटीडब्ल्यू) के उदार दान के लिए धन्यवाद)

## परिसर अवसरंचना

पैदल यात्रियों के लिए बेहतर रास्ते बनाए गए हैं, तथा सड़कों पर लेपन का काम पूरा हो चुका है। 6 करोड़ रुपये से अधिक के बजट से लड़कों के छात्रावास, भाभा और गोखले हॉल का नवीनीकरण किया गया। एक अत्याधुनिक अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य परिसर की स्थिरता पहल के लिए प्रयोगशाला और केंद्र, दोनों के रूप में कार्य करते हुए, पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं और अनुसंधान को आगे बढ़ाना है। शैक्षणिक, छात्रावास और आवासीय क्षेत्रों की ब्लैकटॉपिंग ने सौंदर्य को काफ़ी हद तक बढ़ा दिया है। संस्थान स्वास्थ्य केंद्र का पूरा होना एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो परिसर समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है। संस्थान ने एक नये उपकेंद्र का निर्माण भी पूरा कर लिया है |





### चल रहे निर्माण कार्य

इसके अतिरिक्त, मुख्य द्वार के पास स्थित सबस्टेशन को नए डाकघर के पास मौजूदा सबस्टेशन में स्थानांतरित किया जा रहा है। पहले चरण में दूसरे द्वार से डाकघर तक पैदल पथ का विकास पूरा हो चुका है और भविष्य में इसे विक्रम साराभाई छात्रावास तक विस्तारित करने की भी योजना है।



964 छात्राओं के रहने की क्षमता वाले दो नए महिला छात्रावास निर्माणाधीन हैं। ईडब्ल्यूएस निधि से वित्तपोषित 56.52 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। 560 और छात्राओं के रहने के लिए एक अतिरिक्त महिला छात्रावास की योजना को बोर्ड ने मंजूरी दे दी है।

### भविष्य की योजनाएं

संस्थान के पास भविष्य की आधारभूत संरचना विकास योजना है जिसमें महिला छात्रावास का विस्तार, व्याख्यान कक्ष परिसर का निर्माण और संकाय और कर्मचारियों के लिए आवासीय गृह शामिल हैं। इन परियोजनाओं को उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (एचईएफए) ऋणों के माध्यम से वित्त पोषित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कई अन्य पहलों को मंजूरी दी गई है और जल्द ही शुरू होने वाली हैं। 43 करोड़ रुपये के बजट से 2,500 सीटों वाला

रंगमंच, 11 करोड़ रुपये की लागत से एक नई जलपानगृह और सभागार का जीर्णोद्धार शुरू होने वाला है। आईपी फोन तंत्र को नया रूप देने, महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और उत्तरी परिसर में जी1 और जी2 मकानों  का जीर्णोद्धार करने की भी योजना बनाई गई है।

निकट भविष्य में, दक्षिणी परिसर में तीन बड़े पार्किंग स्थल, एक विस्तारित मुख्य द्वार और प्रवेश मार्ग, तथा रंगमंच के परिसर में एक नया फ़ूड कोर्ट बनाया जाएगा। अन्य परियोजनाओं में नागरिक, यांत्रिक और विद्युत विभाग की इमारतों का नवीनीकरण, लॉन और फव्वारों का भूनिर्माण, शोधार्थियों के लिए पर्याप्त बैठने की जगह का निर्माण और आवासीय मकानों का नवीनीकरण शामिल है।

डिजिटल बुनियादी संरचना  और सेवा केंद्र यूजी और पीजी छात्रों के लिए अपने संबंधित डोमेन में प्रयोग करने के लिए कंप्यूटिंग सुविधाओं को लगातार उन्नत कर रहा है। हाल ही में, अगली पीढ़ी की संगणन आवश्यकताओं का समर्थन करने वाले उच्च-स्तरीय संगणक खरीदने की पहल की गई है। संस्थान विभिन्न विभागों के लिए अत्याधुनिक शोध करने के लिए आन्तरिक एचपीसी सुविधा की भी योजना बना रहा है। संस्थान हितधारकों के लिए माइक्रोसॉफ्ट ऑपरेटिंग तंत्र, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, मैटलैब आदि जैसे लाइसेंस प्राप्त सॉफ़्टवेयर प्रदान करता है। लैन और वाई-फाई के माध्यम से, संस्थान छात्रावासों और शैक्षणिक क्षेत्रों सहित परिसर में उच्च गति के इंटरनेट कनेक्शन प्रदान करता है। तेज़ गति से डेटा संचारित करने वाला संजाल बढ़ाने के लिए नए फाइबर ऑप्टिक केबल बिछाए गए हैं। संजाल आधारभूत संरचना में 1 जीबीपीएस से अधिक इंटरनेट संचार प्रक्रमक शामिल है। संस्थान कंप्यूटर हार्डवेयर, विभिन्न सॉफ्टवेयर और इंटरनेट लैन सुविधाओं के लिए एएमसी भी प्रदान करता है। डिजिटल इंडिया के लिए भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, एनआईटी वरंगल ने प्रभावी और पारदर्शी शासन के लिए ई-ऑफिस प्रणाली शुरू की है, जो प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने और डिजिटल शासन को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

# भाग -II

# लेखापरीक्षा विवरण एवं वार्षिक लेखा

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल

### (समेकित बैलेंस शीट 31-03-2024 तक)

(राशि रुपये में)

| निधियों के स्रोत | अनुसूची | वर्तमान वर्ष | पिछला वर्ष |
|---|---|---|---|
| **कोष / पूंजी निधि** | **1** | 4,90,19,20,985 | 8,42,21,14,459 |
| **नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि** | **2** | 1,16,09,84,081 | 1,17,42,65,506 |
| **वर्तमान देनदारियां और प्रावधान** | **3** | 4,83,24,44,508 | 40,13,75,414 |
| **कुल** | | **10,89,53,49,574** | **9,99,77,55,379** |
| **निधियों का अनुप्रयोग** | | | |
| **अचल संपत्ति** | **4** | | |
| -- मूर्त संपत्ति | | 4,47,98,03,706 | 4,54,36,19,533 |
| -- अमूर्त संपत्ति | | 4,70,18,787 | 4,54,77,493 |
| -- पूंजीगत कार्य प्रगति पर | | 21,56,46,606 | 21,56,46,606 |
| **निवेश** | **5** | | |
| -- लंबी अवधि का निवेश | | - | - |
| -- लघु अवधि का निवेश | | 78,48,68,537 | 78,32,58,537 |
| **निवेश - अन्य** | **6** | - | - |
| **चालू संपत्ति** | **7** | 4,35,87,89,439 | 3,82,26,73,723 |
| **ऋण, अग्रिम एवं जमा** | **8** | 1,00,92,22,498 | 58,70,79,486 |
| **कुल** | | **10,89,53,49,574** | **9,99,77,55,379** |
| **महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ** | **23** | | |
| **आकस्मिक देनदारियाँ और खातों पर टिप्पणियाँ** | **24** | | |

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल

### (31 मार्च 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए समेकित आय और व्यय खाता)

| आय | अनुसूची | वर्तमान वर्ष | पिछला वर्ष |
|---|---|---|---|
| शैक्षणिक प्राप्तियां | **9** | 48,78,91,317 | 47,64,07,200 |
| अनुदान/सब्सिडी | **10** | 2,54,63,00,000 | 2,31,40,93,699 |
| निवेश से आय | **11** | 19,64,19,962 | 16,74,48,883 |
| अर्जित ब्याज | **12** | - | - |
| अन्य आय | **13** | 18,76,03,950 | 10,38,90,581 |
| पूर्व अवधि आय/समायोजन | **14** | 73,19,800 | - |
| **कुल (क)** | | **3,42,55,35,029** | **3,06,18,40,363** |
| **व्यय** | | | |
| स्टाफ भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय) | **15** | 5,72,93,50,015 | 1,67,68,98,708 |
| शैक्षणिक व्यय | **16** | 70,91,04,893 | 42,30,89,019 |
| प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय | **17** | 29,39,10,772 | 19,11,89,564 |
| परिवहन खर्च | **18** | 12,20,269 | 24,88,199 |
| मरम्मत एवं रखरखाव | **19** | 14,98,35,038 | 10,57,46,942 |
| वित्तीय लागत | **20** | 31,893 | - |
| मूल्यह्रास | **4** | 32,11,88,472 | 28,93,74,967 |
| अन्य खर्चों | **21** | 1,090 | 2,90,291 |
| पूर्व अवधि के व्यय | **22** | - | 2,19,87,190 |
| **कुल (ख)** | | **7,20,46,42,442** | **2,71,10,64,881** |
| **शेष राशि व्यय से अधिक आय है (क- ख)** | | (3,77,91,07,413) | 35,07,75,482 |
| **निर्दिष्ट निधि से/में स्थानांतरण** | | - | - |
| **बिल्डिंग फंड** | | - | - |
| **अन्य यदि कोई हो - आईआरजी में स्थानांतरण** | | - | - |
| **शेष अधिशेष (घाटा) सामान्य निधि में ले जाया जाता है** | | **(3,77,91,07,413)** | **35,07,75,482** |
| | | | |

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल

## 31-03-2024 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित प्राप्तियां और भुगतान

(राशि रुपए में)

| प्राप्तियां | चालू वर्ष | पिछले वर्ष | भुगतान | चालू वर्ष | पिछले वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| **1. प्रारंभिक शेष:** | | | **1. व्यय** | | |
| क) हाथ में नकदी | | | क) स्थापना व्यय | 1,43,37,61,310 | 1,67,68,98,708 |
| --- मुख्य रोकड़ बही | - | - | ख) शैक्षणिक व्यय | 70,91,04,893 | 42,30,89,019 |
| --- छोटी नकदी बही | - | - | ग) प्रशासनिक व्यय | 29,39,10,772 | 19,11,89,564 |
| --- विभागों के साथ अग्रदाय | 5,80,000 | 5,90,000 | ङ) परिवहन व्यय | 12,20,269 | 24,88,199 |
| --- शुल्क खाता (नकद) | - | - | च) मरम्मत और रखरखाव | 14,98,35,038 | 10,57,46,942 |
| | | | छ) वित्त लागत | 31,893 | - |
| ख) बैंक बैलेंस | | | ज) अन्य व्यय | 1,090 | - |
| --- चालू खातों में | 24,10,13,635 | 69,80,57,564 | **2. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के विरुद्ध किए गए भुगतान** | | |
| --- जमा खातों में | - | - | --- निर्धारित निधि | 27,12,03,034 | 64,39,42,008 |
| --- बचत खाता | 31,60,97,135 | 96,48,00,548 | --- बंदोबस्ती कोष | 6,55,035 | 3,59,630 |
| | | | --- पीएफ सदस्यता | | - |
| | | | **3. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के तहत भुगतान** | 25,04,17,309 | 23,41,60,714 |
| | | | | | |
| **2. प्राप्त अनुदान** | | | **4. प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति के लिए भुगतान** | - | - |
| क) भारत सरकार से | | | | | |
| --- पूंजी निधि की ओर | 26,00,00,000 | 29,31,00,000 | **5. किये गए निवेश और जमा** | | |
| --- राजस्व व्यय की ओर | 2,54,63,00,000 | 2,31,40,93,699 | क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि में से | 16,10,000 | 2,34,65,876 |
| --- एल/वर्ष प्राप्य | - | - | ख) स्वयं के धन से | 11,71,45,605 | 2,53,20,565 |
| ख) राज्य सरकार से | - | - | | | |
| ग) अन्य स्रोतों से - टीएलसी | - | - | **6. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा** | 1,89,24,17,166 | 2,26,91,17,016 |
| | | | | | |
| **3. शैक्षणिक प्राप्तियां (अनुलग्नक के अनुसार)** | 61,52,93,247 | 51,39,33,008 | **7. अचल संपत्तियों और पूंजीगत कार्यों पर व्यय - प्रगति पर** | | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | क) अचल संपत्तियां | 25,89,13,939 | 43,42,41,272 |
| **4. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के विरुद्ध प्राप्तियां** | | | ख) पूंजीगत कार्य - प्रगति पर | - | 21,56,46,606 |
| --- निर्धारित निधि | 25,60,82,196 | 77,54,06,352 | ग) अचल संपत्तियां (टीईक्यूआईपी) | - | 7,11,68,434 |
| --- बंदोबस्ती कोष | 14,00,000 | 2,32,47,684 | | | |
| | | | | | |
| **5. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के विरुद्ध प्राप्तियां** | 30,78,66,016 | 16,87,38,048 | **8. वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान** | | |
| | | | --- वैधानिक देयताएं | 34,24,48,288 | 32,87,61,660 |
| **6. प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति के विरुद्ध प्राप्तियां** | - | - | --- आईसीसी - परामर्श शुल्क | - | 1,12,205 |
| | | | **9. रिफंड और अनुदान** | - | - |
| **7. निवेश पर आय** | | | | | |
| --- निर्धारित / बंदोबस्ती निधि | 11,05,133 | 8,48,879 | **10. जमा और अग्रिम** | | |
| --- अन्य निवेश | - | - | --- अन्य जमा | 2,38,52,504 | 3,36,66,594 |
| | | | --- अग्रिम खाते | 13,91,74,544 | 22,56,46,997 |
| **8. प्राप्त ब्याज** | | | | | |
| --- बैंक जमा | 18,98,25,061 | 11,23,99,540 | **11. अन्य भुगतान** | | |
| --- ऋण और अग्रिम | - | - | | | |
| --- बचत बैंक खाता | 65,94,901 | 5,50,49,343 | --- बकाया देयताएं | 12,72,33,417 | 10,51,43,842 |
| | | | --- क्रय खाते | 2,35,38,517 | - |
| **9. निवेश भुनाया गया** | - | - | --- टीएसएनपीडीसीएल के पास जमा करें | 49,17,840 | 13,58,200 |
| | | | --- विशेष न्यायालय में जमा करें | 22,28,66,867 | - |
| 10. अनुसूचित बैंकों में जमा सावधि जमा को भुनाया गया | 1,12,33,28,995 | 63,19,41,982 | --- ट्यूशन फीस प्राप्य - ICCR | 1,09,27,800 | - |
| | | | --- मूल्यह्रास (सीएजी टिप्पणियाँ) | - | 2,52,53,568 |
| | | | --- एंडोमेंट एफडी पर अर्जित ब्याज | 4,05,20,067 | 1,87,21,156 |
| | | | --- अनुसंधान परियोजनाओं में रुचि हस्तांतरण | - | 2,90,291 |
| **11. अन्य आय (पीपीआई सहित)** | | | ---एसटीडीआर पर प्राप्य ब्याज | 15,19,70,211 | 28,08,151 |
| --- एल एंड बी से आय | 5,69,17,673 | 2,81,41,803 | **12. समापन शेष** | | |
| --- अन्य कमाई | 1,06,04,147 | 3,82,22,970 | क) हाथ में नकदी | | |
| | | | --- मुख्य रोकड़ बही | - | - |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **12. जमा और अग्रिम** | | | --- छोटी नकदी बही | - | - |
| --- अन्य जमा | 2,60,98,332 | 3,43,98,108 | --- विभागों के साथ अग्रदाय | 5,45,000 | 5,80,000 |
| --- अग्रिम खाते | 2,04,79,919 | 32,29,00,665 | --- शुल्क खाता (नकद) | - | - |
| | | | | | |
| **13. सांविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां** | | | ख) बैंक बैलेंस | | |
| --- वैधानिक देयताएं | 33,99,61,133 | 32,98,33,116 | --- चालू खातों में | 6,72,28,629 | 24,10,13,635 |
| --- विविध प्राप्तियां | - | - | --- जमा खातों में | - | - |
| **14. कोई अन्य रसीदें** | | | --- बचत खाता | 12,88,87,866 | 31,60,97,135 |
| --- क्रय खाते | 2,35,55,102 | - | | | |
| ---एसटीडीआर पर प्राप्य ब्याज | 14,35,04,248 | 21,87,983 | | | |
| --- बकाया देयताएं | 17,77,32,030 | 12,72,33,417 | | | |
| --- सीएजी 2021-22 समायोजन) | - | 15,41,73,513 | | | |
| --- बिजली और पानी के देय शुल्क | - | 2,68,77,560 | | | |
| --- आईसीसी - परामर्श शुल्क | - | 1,12,205 | | | |
| | **6,66,43,38,903** | **7,61,62,87,987** | | **6,66,43,38,903** | **7,61,62,87,987** |

**No.DGA(C)/CEA/NITW/SAR 2023-24/2024-25** **Date: 02.12.2024**

सेवा में,

सचिव,

भारत सरकार,

शिक्षा मंत्रालय,

महोदय,

**विषय:** Separate Audit Report on the Accounts of the National Institute of Technology, Warangal, for the year 2023-24.

******

Separate Audit Report on the Accounts of the National Institute of Technology, Warangal, for the year 2023-24, Annexure thereof and one copy of the Annual Accounts for the year 2023-24, are forwarded herewith for placing before both the Houses of Parliament.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

**भवदीया,**

संल:यथोपरि

**Sd/-**

**Director General of Audit (Central)**

**No.DGA(C)/CEA/NITW/SAR 2023-24/2024-25** **Date:02.12.2024**

Copy to Prof. Bidyadhar Subudhi, Director, National Institute of Technology, Warangal, along with one copy of Annual Accounts for the year 2023-24 (English version), with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2023-24 (2 sets), to this Office.

**संल:यथोपरि**

Chv. Jai Prasad

**DIRECTOR/CENTRAL EXPENDITURE AUDIT**
**O/o DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL)**

**Separate Audit Report on the Annual Accounts of the National Institute of Technology, Warangal for the year ended 31 March 2024**

We have audited the attached Balance Sheet of National Institute of Technology, Warangal (NITW), as at 31 March 2024, the Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971, read with Section 22(2) of the National Institutes of Technology Act, 2007. These financial statements are the responsibility of the Institute's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2.This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

ii. The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/ Receipts & Payment Account dealt with by this Report have been drawn in the Revised Format of Accounts, prescribed by Government of India, Ministry of Human Resource Development, for Central Educational Institutions.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Institute as required, in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

**Comment on Accounts**

**A Balance Sheet**

**A.1 Sources of Fund**

**A.1.1 Current Liabilities & Provisions-₹ 483.24 crore (Schedule 3)**

**A.1.1.1 Reference Number: OBS-1534527**

The Institute had placed a purchase order for an amount of ₹37,93,000 to purchase a 50-seater bus in February 2024 and paid the amount to the agency in April 2024. However, the provision was not created in the year 2023-24 for the known liability. This resulted in an understatement of Current Liabilities & Provisions under Schedule 3 by ₹37,93,000.

**A.1.1.2 Reference Number: OBS-1534548**

An amount of ₹14,25,869 was withheld as unpaid/less paid Statutory Payments to Security Personnels by Agency. The withheld amount is a liability to the Institute which needs to be released after making payment of unpaid/less paid Statutory Payment to Security Personnels. However, the same was not shown as liability in the accounts which resulted in understatement of Liabilities under Schedule 3 (Current Liabilities and Provisions) to the extent of ₹14,25,869.

**A.2 Application of Funds**

**A.2.1 Fixed Assets-₹ 447.98 crore (Schedule 4)**

**A.2.1.1 Reference Number: OBS-1501364**

The Assets amounting to ₹1,94,01,233 procured from SRIC (Sponsored, Research, Industrial and Consultancy) Accounts were not shown under Schedule 4 (Fixed Assets). Non Accountal of Assets under SRIC Accounts in Consolidated Accounts resulted in understatement of Fixed Assets as well as Capital Fund (Schedule1) to an extent of ₹1,94,01,233 and understatement of expenditure in the form of deprecation.

| Date | Item procured | Amount (₹) |
|---|---|---|
| 30.5.23 | Olympus Inverted Fluorescene Microscope Model 1x73 | 26,70,144 |
| 8.6.23 | 3D Scanner Einscan Pro 2 x Scanner | 6,17,500 |
| 25.7.23 | LCR Meter | 67,958 |
| 8.8.23 | Digital 3D Image Correlation System with accessories | 65,39,001 |
| 29.8.23 | HLBS CW 1000 T | 3,00,753 |
| 5.9.23 | Xerox Color Printer | 3,18,637 |
| 25.9.23 | Dell Precision Work Station | 3,60,816 |
| 16.11.23 | High Temperature Extensometer upto 1200 CC | 11,26,224 |
| 16.11.23 | Mounting Unit Upper Snsor with Ceramic Rod | 5,41,728 |
| 20.12.23 | Multiple Speed Loading Frame | 7,95,000 |
| 4.1.24 | HP Work Station | 3,53,264 |
| 27.2.24 | HEI VAP Expert Control Motor | 4,98,000 |
| 15.3.24 | Q41 Multi Sectral/Data Processing softare | 13,90,476 |
| 31.3.24 | 3D Printers nano filled thermosetting resins | 5,33,600 |

| | | |
|---|---|---|
| 23.11.23 | RDP Work Station | 24,40,677 |
| 27.2.24 | Split Tube Furnace | 8,47,455 |
| | **Total** | **1,94,01,233** |

**A.2.1.2 Reference Number: OBS-1498853**

The Capital works amounting to ₹25,19,19,414 were completed during the year were not capitalised under Fixed Assets (Schedule 4). This resulted in an understatement of Fixed Assets (Schedule 4) as well as Capital Fund (Schedule-1) to an extent of ₹25,19,19,414. Further expenditure also understated due to non-levy of depreciation.

| Sl.No | Name of the work | Amount Deposited (₹) | Expenditure as on 31.3.24 (₹) |
|---|---|---|---|
| 1. | Renovation of Visitors Block Phase 2 (Balance 21 Rooms) for NIT Warangal | 1,70,10,000 | 1,62,03,410 |
| 2. | Repair and Laying of Surface course with Bitumen over existing road south campus at NIT Warangal | 98,12,600 | 93,40,511 |
| 3. | Construction of New Sheds for Waste Management Lab | 2,90,67,367 | 2,90,55,367 |
| 4. | Re construction of Boundary Wall | 8,55,58,222 | 8,53,82,388 |
| 5. | Construction of New Sub Station | 2,95,32,000 | 2,87,48,216 |
| 6. | Construction and supplying and laying of LT Cables Dasa Hostel | 40,97,600 | 29,66,887 |
| 7. | Special Repairs to Hostel Block No 1 Azal Hall | 2,95,68,000 | 2,94,94,154 |
| 8. | Special Repairs to Hostel Block No. 2 Bose Hall | 2,87,87,800 | 2,84,37,154 |
| 9. | Special Repairs to Krishna Mess | 2,23,04,000 | 2,22,91,327 |
| | | **Total** | **25,19,19,414** |

**A.2.1.3 Reference Number: OBS-1523677**

An amount of ₹ 6,45,48,553 incurred towards renovation of building and laboratory which were capital in nature, was shown under the head Other Expenses/Maintenance instead of showing them under Fixed Assets. This resulted in the understatement of Fixed Assets under Schedule 4 and overstatement of Expenditure in Income and Expenditure Account by ₹6,45,48,553.

| Sl. No. | Name of the Work | Expenditure (₹) |
|---|---|---|
| 1. | Supply and Installation of Electrical DBs and Exhaust Fans at various laboratories | 43,25,693 |

| | | |
|---|---|---|
| 2. | Stone Pitching to nalas with RR Masonry | 19,21,224 |
| 3. | Provision of electrical wiring DBs, Power boards lights fans etc | 34,66,230 |
| 4. | Providing New aluminum windows and changing rain water pipes | 28,98,506 |
| 5. | Providing Vinyl Flooring in Central Library at NITW | 21,70,354 |
| 6. | Supply, Installation Testing and Commissioning of LED Board lights etc | 12,27,000 |
| 7. | Supply and Installation of Synthetic Surface in Badminton Court | 12,45,000 |
| 8. | Supply, Installation testing and commissioning of Electrical Panels etc | 1,55,35,785 |
| 9. | Supply and erection of poles, Led Fittings near 1 K Hostel | 1,61,89,325 |
| 10. | Supply, Installation etc of 250 KVA DG Set | 62,00,774 |
| 11. | Supply, Installation, testing etc of Motor Control Panels | 28,98,253 |
| 12. | Renovation of Substation at NITW | 20,11,579 |
| 13. | Renovation of Mathematics Department | 44,58,830 |
| | **Total** | **6,45,48,553** |

**A.2.1.4 Reference Number: OBS-1580010**

(i) Expenditure Assets amounting to ₹5,16,56,849 incurred towards procurement of Assets were shown as current year expenditure under Repairs and Maintenance (Schedule 19) instead of taking the same as additions to Fixed Assets (Schedule 4).

| Description of Asset | Additions as per Fixed Asset Register (₹) | Additions as per Books of Accounts (₹) | Short Additions of Assets (₹) |
|---|---|---|---|
| Electrical Installation & Equipment | 2,25,56,997 | - | 2,25,56,997 |
| Plant & Machinery | 79,37,860 | - | 79,37,860 |
| Audio Visual Equipment | 20,49,546 | 12,26,949 | 8,22,597 |
| Computers & Peripherals | 2,58,82,329 | 80,25,321 | 1,78,57,008 |
| Lib. Books & Scientific Journals | 24,82,387 | - | 24,82,387 |
| **TOTAL** | **14,88,86,649** | **18,96,42,466** | **5,16,56,849** |

(ii) Further, additions to Scientific & Lab Equipment and Furniture & Fixture as per Fixed Assets Register were ₹ 8,79,77,530. However, the same were shown at ₹18,03,90,196 under Fixed Assets (Schedule 4). Thus, assets amounting to ₹ 9,24,12,666 were shown in excess in the Schedule 4-Fixed Assets.

The above resulted in overstatement of Fixed Assets (Schedule 4) as well as Capital Fund (Schedule1) by ₹4,07,55,817 (₹ 9,24,12,666- ₹ 5,16,56,849) and overstatement of Expenditure to the extent of ₹5,34,90,750 (₹5,16,56,849+depreciation ₹18,33,901 ) and thereby the overstatement of deficit to the extent.

| **Levy of deprecation on excess/short addition of Fixed Assets during the year 2023-24** | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Description of Asset | Excess Additions of Assets (₹) | Short Additions of Assets (₹) | % of Dep. | Excess levy of deprecation (₹) | Short levy of deprecation (₹) |
| Electrical Installation & Equipment | - | 2,25,56,997 | 5 | - | 11,27,850 |
| Plant & Machinery | - | 79,37,860 | 5 | - | 3,96,893 |
| Scientific & Lab. Equipment | 6,18,05,990 | - | 8 | 49,44,479 | - |
| Audio Visual Equipment | - | 8,22,597 | 7.5 | - | 61,695 |
| Computers & Peripherals | - | 1,78,57,008 | 20 | - | 35,71,402 |
| Furniture, Fixtures & Fittings | 3,06,06,676 | - | 7.5 | 22,95,501 | - |
| Lib. Books & Scientific Journals | - | 24,82,387 | 10 | - | 2,48,239 |
| **TOTAL** | **9,24,12,666** | **5,16,56,849** | | **72,39,980** | **54,06,079** |

**A.2.1.5 Reference Number: OBS-1580054**

An amount of ₹58,57,822 incurred towards Renewal of E-Journal, Equipment and Software from January 2024 to December 2024 was shown under Schedule 4 Fixed Assets-Intangible Assets-E-Journals without apportioning the expenditure between the years 2023-24 & 2024-25. This resulted in overstatement of Fixed Assets (Schedule 4) understatement of Prepaid Expenses under Loans, Advances & Deposits (Schedule 8) by ₹ 43,93,367.

| Particulars | | Expenditure for the Year 2023-24 (₹) | Expenditure for the Year of 2024-25(₹) |
|---|---|---|---|

| | Total Payment (₹) | (01/2024 to 03/2024) | (04/2024 to12/2024) |
|---|---|---|---|
| Renewal of E-Journals by M/s IT Solutions, Pvt. Ltd, New Delhi | 50,05,489 | 12,51,372 | 37,54,117 |
| Renewal of E-Journal, from M/s BSB Pvt. Ltd , New Delhi | 8,52,333 | 2,13,083 | 6,39,250 |
| **Total** | **58,57,822** | **14,64,455** | **43,93,367** |

**A.2.1.6 Reference Number: OBS-1599325 & 1496941**

As per Form 65, total deposits to CPWD as on 31 March 2024 were ₹26,74,67,553 (OB-₹22,74,67,553+Deposit during the current year-₹ 4,00,00,000) and an amount of ₹19,63,95,223 was expended towards works to the end of March 2024, leaving of balance of ₹7,10,72,330. However, under Schedule 8, deposits with CPWD were shown ₹17,00,37,693 (out of ₹27,60,03,678) having a difference of ₹9,89,65,363 (₹17,00,37,693 -₹7,10,72,330). This resulted in overstatement of Schedule 8 (Loans, Advances & Deposits) by ₹ 9,89,65,363.

(2) As per Form 65, an amount of ₹10,88,89,765 was incurred towards works during the year 2023-2024. However, the same was neither shown under Capital Work-in-Progress nor capitalised under Schedule 4. This resulted in an understatement of CWIP under Schedule 4 (Fixed Assets) by ₹ 10,88,89,765.

**A.2.2 Loans, Advances & Deposits-₹ 100.92 crore (Schedule 8)**

**A.2.2.1 Reference Number: OBS-1496938**

An amount of ₹16,63,25,997 being the capital expenditure incurred in excess of grants received was shown as grants receivable under Loans Advances & Deposits (Schedule - 8) without any confirmation from the funding agency. The expenditure incurred more than grants received was adjusted in future releases based on the Utilization Certificate. This needs to be reviewed and a note to that effect needs to be disclosed in the notes on accounts (Schedule 24).

**A.2.2.2 Reference Number: OBS-1501270**

An amount of ₹1,47,64,368 (₹1,36,50,246 + ₹11,14,122) transferred from Research Fund to Institute Revenue Grant (IRG) Account in August 2024 towards Institute share of overhead amount of Research and Consultancy Projects for the year 2023-24 was not shown as income

under Income & Expenditure Accounts. This resulted in an understatement of income by ₹1,47,64,368.

**A.2.2.3 Reference Number: OBS-1534558**

An amount of ₹5,80,476 receivable towards rent of vacant land leased to the following organisation for the period from February 2017 to March 2024. However, the same was not shown as rent receivable under Schedule 8- Loans, Advances & Deposits resulting in understatement of Loans, Advances & Deposits by ₹ 5,80,476.

| **Name of the Org.** | **Lease Rent** (₹) | **Period** | **Total to be paid** (₹) |
|---|---|---|---|
| TSNPDCL, Warangal | 60000 Per annum | 20/02/17 to 19/02/24 | 4,20,000 |
| BSNL, Warangal | 21690 Per annum | 10/06/17 to 09/06/22 | 1,08,450 |
| | 28920 Per annum | 10/06/22 to 31/03/24 | 24,100 |
| GWMC | 1750 Per annum | 09/2009 to 03/23 (14.5 years) | 25,375 |
| Dist. Edn. Officer | 510 Per annum | 01/04/19 to 31/03/24 | 2,551 |
| | **TOTAL** | | **5,80,476** |

**A.2.2.4 Reference Number: OBS-1534560**

An amount of ₹ 1,62,000 was to be recovered from the employee of the institute for wrongly claimed of Children Education Allowance. However, the same was not shown in the books of Accounts as receivable under Schedule 8 - Loans, Advances & Deposits. This needs to be rectified.

**B. Income and Expenditure Accounts**

**B.1 Income-₹ 342.56 crore**

**B.1.1 Reference Number: OBS-1502158**

As seen from the ledgers, an amount of ₹ 84,58,721 was received towards UG/PG Tuition Fee and from SRIC during the year. However, the same was not accounted for in the Receipts and Payments account as well as Income and Expenditure Account. This resulted in understatement of Income to the extent of ₹ 84,58,721.

**B.2 Expenditure-₹ 720.46 crore**

**B.2.1 Reference Number: OBS-1498867 & 1580061**

An expenditure amounting to ₹1,33,45,973 pertaining to the period prior to 2023-24 was shown under current year expenditure instead of showing it as Prior Period Expenditure under

Schedule 22. This resulted in the understatement of Prior Period expenditure and overstatement of Administrative and General Expenses under Income and Expenditure Accounts by ₹1,33,45,973.

| S.no. | Details of Expenditure | Pertaining to the period | Amount paid (₹) |
|---|---|---|---|
| 1 | Study in India Scholarship Students during admission 2021-22 | 2021-22 | 15,00,000 |
| 2 | Ph D Scholarships Tuition Fee | 2019-20 | 24,42,000 |
| 3 | Study in India Scholarships students during admission 2019-20 | 2019-20 | 22,26,000 |
| 4 | Payment to M/s.Security & Intelligence Services for the month of March,2023 | March, 2023 | 39,96,793 |
| 5 | Payment of M/s Agile Security Forces for the month of March-2023 | March,2023 | 31,81,180 |
| | | **Total** | **1,33,45,973** |

**B.2.2 Reference Number: OBS-1534557**

Prior Period expenditure amounting to ₹10,13,518 paid towards Comprehensive Annual Maintenance Services for the period from 01/03/2022 to 31/03/2023 was included in current years expenditure. The Misclassification resulted in understatement of Prior Period Expenditure under Schedule 22 by ₹10,13,518.

**C General comments**

**C.1 Reference Number: OBS-1496940**

The Grants received of ₹254,63,00,000 towards Revenue Expenditure was shown under receipts side of R&P Account and the same was also under Schedule 10 (Grant/Subsidies-irrevocable Grant Received) of Income and Expenditure Account. However, as per Utilisation Certificates, there was a minus balance of ₹111,45,92,436 indicating incurring of excess expenditure over the Grants received and the same was neither shown in the books of accounts nor disclosed in the Notes to the Accounts.

| **Head of A/c** | **Opening Balance** (₹) | **Grants received** (₹) | **Funds available** (₹) | **Exp incurred** (₹) | **Cl Balance** (₹) |
|---|---|---|---|---|---|
| 112-31 | -105,92,04,897 | 100,43,00,000 | - 5,49,04,897 | 104,62,47,727 | -110,11,52,624 |
| 789-31 | Nil | 7,82,00,000 | 7,82,00,000 | 7,82,00,000 | Nil |
| 797-31 | Nil | 4,20,00,000 | 4,20,00,000 | 4,20,00,000 | Nil |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 112-36 | -5,03,95,438 | 127,25,00,000 | 122,21,04,562 | 123,55,44,374 | -1,34,39,812 |
| 789-36 | Nil | 9,71,00,000 | 9,71,00,000 | 9,71,00,000 | Nil |
| 796-36 | Nil | 5,22,00,000 | 5,22,00,000 | 5,22,00,000 | Nil |
| | **Total** | **254,63,00,000** | | | **-111,45,92,436** |

**C.2 Reference Number: OBS-1580042**

An amount of ₹ 23,21,57,400 was transferred to the Director Main Account from the TSA account in the month of March 2024 to meet negative balances. This needs to be reconciled.

**C.3 Reference Number: OBS-1598740**

Fee receivable under Schedule 7-Current Assets was shown as ₹1,09,27,800 whereas the same as per the list of fee details furnished by the Institute was ₹22,15,500. The difference needs to be reconciled and rectified.

**C.4 Reference Number: OBS-1599504**

An amount of ₹9,21,60,461 was deposited as FDR (FDR No. 41519926255) for a period of one year (from 20.12.2022 to 20.11.2023) under Corpus Fund, however, interest accrued on this for the year 2023-24 was shown as NIL. This needs to be rectified.

**C.5 Reference Number: OBS-1502258**

The difference of ₹49,68,371 of STDRs amount shown in Schedule 7 (₹28,15,26,397) and Certificates (₹28,64,94,768) in respect of SRIC Accounts needs to be reconciled and rectified.

**C.6 Reference OBS-1599198**

Schedule 8-Loans, Advances & Deposits included advances amounting to ₹30.75 lakh (Advance to Physics Department-₹2,61,761, Advance to SOM MBA -₹1,48,422, Advance to I/c Instrn CSP Rao -₹1,50,000, Advance to Chief Warden -₹5,65,034, Advance to IRAA DEAN -₹18,98,820, Advance to Computer Centre -₹51,266) without adjustments and carrying the same amounts from year to year.

**D. Grants-in-Aid:** NIT, Warangal received an amount of ₹280.63[1] crore towards Grants-in-aid during the year and was utilised as on 31 March 2024.

[1] Capital – ₹26.00 crore, Revenue + ₹254.63 crore = ₹280.63 crore

**E. Management Letter:** Deficiencies which have not been included in the Separate Audit Report have been brought to the notice of the Director, National Institute of Technology, Warangal, through a Management letter issued separately for remedial/corrective action.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

(a)In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the National Institute of Technology, Warangal, as at 31 March 2024; and

(b)In so far as it relates to the Income & Expenditure Account of the ***deficit*** for the year ended on that date.

Hema

**(HEMA MUNIVENKATAPPA)**
**Director General of Audit(Central)**
**Hyderabad**

## Annexure to DSAR

**1. Adequacy of Internal Audit System:** Internal Audit Wing was established in August 2023; however, Internal audit was not conducted during the year 2023-24.

**2. Adequacy of Internal Control System:** The Internal control system is not adequate as an Internal Audit was not conducted.

**Reference Number: OBS-1599176 & OBS-1599341 & OBS-1525844**

(a) Information from Departments, Schools and Centers Circulars regarding the following was not consolidated by the Institute.

(i) Review of all Purchase (ii) Interest bearing advances Employee wise schedules of all outstanding advances : Interest bearing as well (ii) Pre paid expenses against Insurance Premium, Annual Maintenance Contracts etc., (iv) Closing Physical stock held as on 31 March (v) Income due and not received (vi) All items of income such as Rent for quarters office, office premises, shops Banks and Post Offices etc.(vii) Advances to CPWD/Other Construction Agencies (viii) Details of Books and Scientific Journals purchased/Gifted etc., (ix) Closing Cash balances : Imprest Holders (x) List of Court Cases/Arbitration cases (xi) Letters of Credit/Details (xii) List of works in progress(xiii) Details of Capital Works in Progress completed in current year etc.,

(b) Completed works were not deleted from Works In Progress, Non providing of Liabilities, and Non-classification of expenditure.

(c) The institute is not maintaining the Fixed Deposits Register.

**(d) Reference OBS-1599129**

Though a bulk debit as per authorization of the Institute got exhibited in the Bank statements, no evidence was on record and no supporting documentation was furnished by the bank as to the fact of credit of amounts to the actual beneficiary.

**3. System of Physical verification of fixed assets:** Physical verification of Fixed assets has not been conducted for the year 2023-24.

**4. System of Physical verification of inventory:** Physical verification of inventory has not been conducted for the year 2023-24.

**5. Regularity in payment of statutory dues:** The University is regular in depositing all the statutory dues.

Chr. Jai Prasad

**DIRECTOR/CENTRAL EXPENDITURE AUDIT**
**O/o DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL)**

# राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल




**संपर्क**
**संकायाध्यक्ष (संकाय कल्याण)**
**dean_fa@nitw.ac.in**
**राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वरंगल**
**हनुमकोंडा** -506004
**भारत**
https://nitw.ac.in

https://www.facebook.com/NITWarangalOfficial/

nitwarangalofficial

@warangal_nit

National institute of technology warangal

https://www.youtube.com/@wsdcnitwarangal1954